शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेसियों को बाबा साहब का नाम लेने का कोई नैतिक अधिकार नहीं... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 25 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-355

कांग्रेस की खुल गई पोल

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस के आरोप खारिज किये

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची से लेकर मतदान प्रतिशत में गड़बड़ी के कांग्रेस पार्टी के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि आयोग ने कांग्रेस के दावों की विस्तार से जांच की है और पार्टी द्वारा लगाये गये आरोप निराधार हैं।

चुनाव आयोग ने मंगलवार को कांग्रेस को लिखे पत्र में उसके सभी दावों तथा आरोपों का तथ्यों के आधार पर विस्तार से जवाब दिया। आयोग ने कहा है कि महाराष्ट्र में चुनाव से पहले मतदाता सूची में जानबूझकर न तो नाम जोड़े गये हैं और न ही हटाये गये हैं।

आयोग ने कहा है कि चुनाव से पहले छह विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में 50 हजार नाम जोड़े गये हैं लेकिन इसके आधार पर यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली महायुति ने इसके कारण 47 विधानसभा क्षेत्रों में जीत दर्ज की है। आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की नियम आधारित सख्त प्रक्रिया है और इसका पूरी तरह पालन किया जाता है।

आयोग ने मतदान समाप्त होने के समय पांच बजे के बाद मतदान प्रतिशत के बढ़ने से संबंधित कांग्रेस

के सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि मतदान आंकड़ों के पहुंचने में समय लगता है और बाद में मतदान प्रतिशत का बढ़ना असमान्य नहीं बल्कि सामान्य बात है।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत में बदलाव करना मुमकिन नहीं है क्योंकि मतदान समाप्त होने के बाद मतदान के आंकड़ों की जानकारी देने वाला फार्म 17 सी मतदान केन्द्र पर मौजूद सभी पार्टियों के अधिकृत एजेन्टों को दिया जाता है।

चुनाव नियमों में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई और फैसले पर रोक लगाने की अपील की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन

पोलिंग बूथ के फुटेज को लेकर केंद्र के फैसले पर रोक की मांग

नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961, में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, इसलिए इसे एकतरफा और सार्वजनिक विचार-विमर्श के बिना इतने महत्वपूर्ण नियम में इतनी निर्लज्जता से संशोधन करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, ऐसे में तो विशेष रूप से नहीं जब वह संशोधन चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाली आवश्यक जानकारी तक सार्वजनिक पहुंच को समाप्त करता है। ▶10पर

‘पुष्पा-2’ स्क्रीनिंग भगदड़ मामला

पुलिस ने की अल्लू अर्जुन से चार घंटे तक पूछताछ

हैदराबाद, 24 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु फिल्मों के मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन चार दिसंबर को फिल्म ‘पुष्पा-2’ की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को चिक्कड़पल्ली पुलिस के सामने पेश हुए। 4 घंटे की पूछताछ के दौरान उनसे कई तरह के सवाल पूछे गए। अभिनेता को एक नोटिस जारी कर मंगलवार को 11.00 बजे पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। थाना जाने से पहले उन्होंने भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। वहीं थाने पहुंचने पर पुलिस ने अल्लू अर्जुन के सामने एक के बाद एक कई सारे सवाल दागे।

1) क्या आपको पता था कि प्रीमियर में आने के लिए पुलिस की अनुमति नहीं दी गई थी?
2) पुलिस की अनुमति न मिलने के बावजूद विशेष स्क्रीनिंग में शामिल होने का फैसला किसने लिया?
3) क्या किसी पुलिस अधिकारी ने आपको बाहर मची भगदड़ के बारे में सूचित किया?
4) आपको महिला की मौत के बारे में कब पता चला?

सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ये जाना चाहती थी कि क्या अर्जुन को थिएटर में आने की अनुमति थी और क्या उन्हें थिएटर के बाहर प्रशंसकों से बातचीत करने की अनुमति थी?

पुलिस ने दावा किया था कि अल्लू अर्जुन चार दिसंबर को ‘पुष्पा-2’ की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने के बाद कहे जाने के बावजूद सिनेमा घर से बाहर नहीं गए थे। इस भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने हाल ही में पुलिस द्वारा बनाया गया एक वीडियो दिखाया था, जिसमें भगदड़ के समय की स्थिति दिखाई दे रही है।

यह वीडियो न्यूज़ चैनलों और मोबाइल क्लिप की फुटेज को एकत्रित करके बनाया गया था। इससे पता चला कि अभिनेता आधी रात तक सिनेमा घर में रहे। आनंद ने वीडियो पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन कहा कि मीडिया अपने निष्कर्ष निकाल सकता है।उन्होंने कहा कि उन्होंने और अन्य पुलिस अधिकारियों ने अल्लू अर्जुन के मैनेजर को महिला की मौत के बारे में बताया और कहा कि स्थिति नियंत्रण से बाहर है। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अभिनेता से मिलने नहीं दिया गया। अल्लू अर्जुन के स्टाफ के सदस्यों ने उनसे कहा था कि वे यह मामला अभिनेता तक पहुंचा देंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

अधिकारी ने बताया कि बाद में वह अभिनेता तक पहुंचने में सफल रहे, उन्हें महिला की मौत के बारे में बताया और उन्हें सिनेमा घर से बाहर जाने को कहा, ताकि प्रशंसक उनकी एक झलक पाने की कोशिश में एक-दूसरे को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने बताया कि बाद में एक वरिष्ठ अफसर के साथ अधिकारी अंदर गए और अभिनेता को बाहर ले आए।

केन्द्र ने 15वें वित्त आयोग अनुदान के रूप में 1598.80 करोड़ की किस्त जारी की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान के रूप में 1598.80 करोड़ रुपए के असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त जारी की है।

ये धनराशि राज्य की सभी पात्र 75 जिला पंचायतों, सभी पात्र 826 ब्लॉक पंचायतों और सभी पात्र 57691 ग्राम पंचायतों के लिए जारी की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आंध्र प्रदेश में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान के रूप में वित्तीय वर्ष 2024-25 के असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त 420.9989 करोड़ रुपये के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए असंबद्ध अनुदान की पहली किस्त की धनराशि 25.4898 करोड़ रुपये भी जारी की गई है। यह धनराशि राज्य की 13097 विधिवत निर्वाचित ग्राम पंचायतों, 650 विधिवत निर्वाचित ब्लॉक पंचायतों और सभी 13 पात्र जिला पंचायतों के लिए आवंटित की गई है।

सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए राज्यों को पंद्रहवें वित्त अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिसे बाद में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है। आवंटित अनुदान को वित्तीय वर्ष में 2 किस्तों में जारी किया जाता है।

संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29 विषयों के अंतर्गत, वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) /ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) द्वारा स्थल-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए असंबद्ध अनुदान का उपयोग किया जाएगा। असंबद्ध अनुदान का उपयोग (ए) स्वच्छता और ओडीएफ स्थिति के रखरखाव की बुनियादी ▶10पर

इंटरपोल की तर्ज पर बन गया ‘भारतपोल’

- ➩ अब विदेश में छिपे भगोड़े बच नहीं पाएंगे
- ➩ एक दूसरे के साथ शेयर होगा क्राइम से जुड़ा डाटा

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संगठन इंटरपोल की तर्ज पर भारत में ‘भारतपोल’ लॉन्च होने जा रहा है। कहा जा रहा है कि जनवरी में केंद्रीय मंत्री अमित शाह इसकी शुरुआत कर सकते हैं। ‘भारतपोल’ सीबीआई के ज़रिए तैयार किया गया है। इसकी मदद से भारत के सभी राज्यों की पुलिस के बीच बेहतरीन सिनर्जी कायम हो सकेगा। साथ ही इसकी शुरुआत होने के बाद विदेशों में छिपे मुजरिमों के लिए परेशानियां बढ़ जाएंगी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने यह नया और बेहद अत्याधुनिक ऑनलाइन मंच तैयार किया है, जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस फोर्स और केंद्रीय एजेंसियों को विदेश में छिपे भगोड़े लोगों या अन्य मामलों के बारे में इंटरपोल से सूचना मांगने के लिए अपने अनुरोध भेजने की सुविधा देगा। इंटरपोल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा संगठन है जो सदस्य देशों की पुलिस एजेंसियों के बीच क्रिमिनल केसेज में सिनर्जी बनाकर रखता है। भारत में इस सीबीआई इंटरपोल से जुड़े मामलों के जिम्मेदार है।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद के सामने इस तरह के सभी संचार आदान-प्रदान को एक समर्पित ऑनलाइन मंच पर लाने का विचार रखा गया, जिससे महत्वपूर्ण मामलों में प्रक्रिया का समय कम हो जाएगा और हर मामले के प्रोसेस की निगरानी करना भी आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सीबीआई के ज़रिए आंतरिक रूप से डिजाइन की गई यह परियोजना टेस्टिंग मोड में है और इसे सात जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू किये जाने की उम्मीद है। इंटरपोल के माध्यम से सीबीआई भारत में क्राइम या क्रिमिनल की जांच में मदद के ▶10पर

अभद्र टिप्पणी केस मामला

जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मुरादाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अभद्र टिप्पणी मामले में अदालत ने रामपुर की पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। साथ ही मुकदमे की अगली सुनवाई के

आजम खां और एसटी हसन भी हैं आरोपी

लिए नौ जनवरी की तिथि निर्धारित कर दी।2019 लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद कटघर क्षेत्र स्थित मुस्लिम डिग्री कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां, मुरादाबाद के सपा सांसद डॉ. एसटी हसन समेत पार्टी के अन्य सपा नेता शामिल थे। ▶10पर

बैंक में हुई लूट में शामिल दो आरोपी मुठभेड़ में मारे गए : उप्र पुलिस

गाजीपुर/लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक की चिनहट शाखा में हुई लूट में कथित रूप से संलिप्त दो अपराधी लखनऊ और गाजीपुर पुलिस के साथ अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ में किसान पथ के पास पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में सोबिंद कुमार (26) मारा गया, जबकि एक अलग मुठभेड़ में गाजीपुर पुलिस तथा स्वाट (स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिस) निगरानी टीम ने सनी दयाल (28) को मार गिराया।

लखनऊ के चिनहट के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) राधा रमण सिंह ने बताया कि बिहार का मूल निवासी सोबिंद कुमार, बैंक लूट में वांछित संदिग्धों में से एक था।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि सोमवार देर रात करीब पौने 12 बजे जब लखनऊ के चिनहट थाने और अपराध शाखा की पुलिस जलसेतु चौकी के पास नियमित जांच कर रही थी तो उसने एक कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवारों ने पुलिस दल पर गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया और दूसरा बदमाश भाग गया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

हिंदुओं के मुद्दे पर अमेरिका ने बांग्लादेश को फिर घेरा

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश से शेख हसीना के जाने के बाद से हिंदुओं पर बढ़ते हमलों को लेकर भारत की तरह अमेरिका भी लगातार चिंता जता रहा है। अल्पसंख्यकों के मुद्दे को लेकर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से फोन पर बात की है। इस बातचीत के दौरान यूनुस बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच सभी धर्मों के लोगों की रक्षा के लिए सहमत हुए।

दोनों की बातचीत का ब्योरा देते हुए व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, ‘दोनों नेताओं ने सभी लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है, चाहे वो किसी भी धर्म के हों।

व्हाइट हाउस के बयान में आगे कहा गया, सुलिवन ने एक समृद्ध, स्थिर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के लिए अमेरिका के समर्थन को दोहराया और कहा कि बांग्लादेश के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में अमेरिका हमेशा मदद करता रहेगा। जेक सुलिवन मोहम्मद यूनुस की बातचीत से कुछ दिनों पहले भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक ▶10पर

जांच अधिकारियों को लाभ पहुंचाने के लिए डेटा समृद्ध मंच बनाएं एनसीआरबी : अमित शाह

तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर शाह ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

गृह मंत्री ने ब्यूरो से नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में ई साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई साइन और ई समन जैसे एप्लीकेशन का उपयोग किया जाना चाहिए। तकनीक के इस्तेमाल पर ज़ोर देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूर्व-निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को अलर्ट भेजने से जांच प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गृह मंत्रालय और ब्यूरो के अधिकारियों की एक टीम को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तकनीकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में वृद्धि करने और हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए वहां का दौरा करना चाहिए। ▶10पर

बाईपास सर्जरी के लिए सब्जी काटने वाले चाकू का इस्तेमाल... : धनखड़

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा से सभापति जगदीप धनखड़ ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि बाईपास सर्जरी के लिए कभी भी सब्जी काटने वाले चाकू का इस्तेमाल न करें। बता दें कि पिछले सप्ताह संसद में पेश अविश्वास प्रस्ताव के जरिए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को उदात्तता, उत्कृष्ट गुणों और संवैधानिकता के प्रति प्रतिबद्धता से सिद्ध होना चाहिए और वे हिसाब बराबर करने की स्थिति में नहीं हैं। जगदीप धनखड़ ने कहा, बस उपराष्ट्रपति के खिलाफ नोटिस को देखिए। आप चौंक जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी ने एक बार कहा

पद से हटाने की मांग पर पहली बार बोले उपराष्ट्रपति

था, बाईपास सर्जरी के लिए कभी भी सब्जी काटने वाले चाकू का इस्तेमाल न करें। जगदीप धनखड़ ने महिला पत्रकारों की सभा में कहा, वह नोटिस सब्जी काटने वाला चाकू भी नहीं था। वह जंग लगा हुआ था। बहुत जल्दबाजी थी। जब मैंने उसे पढ़ा तो मैं हैरान रह गया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर हुआ कि आप में से किसी ने भी उसे नहीं पढ़ा। अगर आपने पढ़ा होता। तो आप कई दिनों तक सो नहीं पाते।

शून्य से शिखर कार्यक्रम का आयोजन

सीखना, कमाना और समाज को लौटाना ही जीवन की सच्ची सफलता: संजय घोड़ावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को जेडब्ल्यू मैरियट होटल में शून्य से शिखर तक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कोल्हापुर के प्रसिद्ध उद्योगपति और स्टार ग्रुप के चेयरमैन संजय डी. घोड़ावत थे, जिनका पारंपरिक भारतीय रीति-रिवाज के अनुसार गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी और पूरी टीम की उपस्थिति में हुआ। नवकार मंत्र के मंगल उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। चेयरमैन विमल कटारिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर की टीम पूरी तैयारियों के साथ मेहमानों के स्वागत हेतु तैयार खड़ी थी। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सदस्यों के आगमन और नेटवर्किंग का सिलसिला कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही जोर पकड़ चुका था। मुख्य अतिथि संजय घोड़ावत के आगमन पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के पदाधिकारियों एवं उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। संजय घोड़ावत ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा और व्यावसायिक अनुभव साझा करते हुए लर्न-अर्न-रिटर्न के सिद्धांत पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सीखना, कमाना और समाज को लौटाना ही जीवन की सच्ची सफलता है। संजय ने श्रोताओं को विभिन्न प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से व्यवसायिक सफलता के गुर सिखाए और बताया कि किस तरह उनके बेटे श्रेणिक घोड़ावत उनके कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं से पूरा हॉल खचाखच भरा हुआ था। दर्शकों ने संजय से व्यवसाय और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर जिज्ञासाएँ रखी। जिनका उन्होंने आत्मविश्वास और सरलता से समाधान दिया। उन्होंने कहा आत्मविश्वास और धैर्य किसी भी व्यवसाय की नींव हैं, असफलता से सीखकर ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। जीतो एपेक्स के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी और पूर्व चेयरमैन गणपत चौधरी ने वीडियो संदेश के माध्यम से संजय घोड़ावत को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संजय की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर को इस आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक राकेश पुनमिया (इंट्रा लाइफ प्राइवेट लिमिटेड) बिजनेस का वीडियो के माध्यम से परिचय कराया गया।

राकेश और पूरे पुनमिया परिवार को संजय घोड़ावत और जीतो बेंगलूरु नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, विजय सिंघवी, उपाध्यक्ष कमल पुनमिया और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य प्रायोजक इंट्रा लाइफ की उपलब्धियों और व्यवसायिक यात्रा को विस्तार से दिखाया गया। कार्यक्रम के अंत में संजय घोड़ावत को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विमल कटारिया, विजय सिंघवी, कन्वीनर रमेश दक और सह-कन्वीनर पंकज जैन सहित सभी पदाधिकारियों ने मंच पर संजय का अभिनंदन किया। इस भव्य आयोजन में नरेंद्र सामर निदेशक जीतो एपेक्स, प्रवीण बाफना निदेशक (एपेक्स) और चेयरमैन केकेजी जोन, प्रवीण शाह निदेशक जीतो एपेक्स, शैलेष हरण निदेशक जीतो एपेक्स, श्रीपाल बच्छावत निदेशक और सचिव जीतो एपेक्स, पारस भंडारी पूर्व उपाध्यक्ष जीतो एपेक्स, इंदर बोहरा पूर्व अध्यक्ष जीतो बेंगलूरु नॉर्थ, रणजीत सोलंकी अध्यक्ष जीतो बेंगलूरु साउथ, दिलीप जैन मुख्य सचिव केकेजी जोन, नितिन लूनिया मुख्य सचिव बेंगलूरु साउथ, सुधीर गादिया पूर्व महामंत्री बेंगलूरु नॉर्थ, रमेश बोहरा उपाध्यक्ष जेएटीएफ, दिनेश बाफना उपाध्यक्ष, बेंगलूरु नॉर्थ, कमल पुनमिया- उपाध्यक्ष, बेंगलूरु नॉर्थ, लक्ष्मी बाफना जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष, अनीश भोजनी जे.वाई.डब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष, बबीता रायसोनी - चेयरपर्सन जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु साउथ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में विमल कटारिया ने शून्य से शिखर तक 2.0 की घोषणा की। इस घोषणा ने उपस्थित सदस्यों और दर्शकों में उत्साह भर दिया। विमल ने कहा पहले संस्करण की सफलता के बाद, हम और भी प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सत्र के साथ जल्द ही शून्य से शिखर तक 2.0 का आयोजन करेंगे।

धर्म से ही जीवन की सार्थकता: साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी आगमश्री ने धर्म सभा में कहा कि संसार में मानव जन्म बड़ा दुर्लभ है। अतः इसे सार्थक बनाने का प्रयास सभी को करना चाहिए। इस जीवन को अगर सार्थक करना है तो धर्म करना अति आवश्यक है। धर्म वह है जो सबको धारण करता है। लोक सुधारना हो या परलोक, दोनों में धर्म का अनुपालन आवश्यक है, यही सच्चा साथी है। मनुष्य के संबंधी, धन, संपत्ति, मकान, दुकान सब कुछ यहीं छूट जाता है, कुछ भी साथ नहीं जाता, जाता है तो केवल धर्म ही साथ जाता है। धर्म पालन जीवन की सार्थकता है। धर्म से संस्कृति और सभ्यता का निर्माण और निर्वाह होता है। धर्म से व्यक्ति को आध्यात्मिकता, नम्रता, और प्रामाणिकता मिलती है। धर्म से व्यक्ति को परमात्मा की भक्ति करने का मौका मिलता है। लेकिन व्यक्ति के पास धर्म के लिए समय नहीं है वह धन के पीछे तेजी से दौड़ रहा है। हमारी दौड़ धर्म को पाने के लिए होनी चाहिए अत्यधिक धन को पाने के लिए नहीं। हम दुख के समय धर्म को परमात्मा को याद करते है। धर्म हमें सुख शांति और आनंद देने वाला है लेकिन धन से हमें सुख शांति नहीं मिलती। धर्म संतोष में है लोभ में नहीं। संतोष से किए हुए धर्म में सुख शांति मिलती है। धर्म के कार्यों को करने से व्यक्ति मन और विचार शुद्ध रहता है, जिस कारण कई प्रकार के दोषों से वह मुक्त रहता है। लोभ व्यक्ति के जीवन का आनंद भी नष्ट कर देता है। यह लोभ और लालच हमें पतन की ओर ले जाते है। अत: आज जब हमें मनुष्य जीवन मिला है तो अपनी आत्मा का ध्यान कर उसे अच्छे पुण्य कार्य कर ऊंचाइयों तक ले जाने का लक्ष्य रखना चाहिए। धर्म के साथ जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सह मंत्री राकेश दलाल, महावीरचंद धोका, मिश्रीमल कटारिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, महावीरचंद डोसी, धीरज नाहर, कमल धोका, गौतम गन्ना, रेखा पोखरना, सायरबाई लोढ़ा, हेमा चाणोदिया व अन्य उपस्थित रहे। साध्वी धैर्याश्री ने स्तवन की प्रस्तुति दी। पार्श्वनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक बुधवार को साध्वी के सानिध्य में तप त्याग एवं जप द्वारा मनाया जायेगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

साइबर जालसाजों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर से ठगे 11.8 करोड़ रुपये

पुलिस आयुक्त ने सतर्क रहने की सलाह दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने मंगलवार को लोगों से अपील कि वह साइबर जालसाजों का शिकार न बनें और इसको लेकर सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि बहुत सी शिकायतें मिली हैं, जिनमें साइबर जालसाज खुद को सरकारी अफसर बता रहे हैं और डिजिटल गिरफ्तारी का दावा करके लोगों से पैसे ठग रहे हैं। दयानंद ने बताया कि पुलिस को ऐसे कई मामलों की शिकायतें मिली हैं, जिसमें लोगों को डिजिटल गिरफ्तारी के डर से पैसों का काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक हालिया मामले का भी हवाला दिया, जिसमें एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर (39 वर्षीय) ने जालसाजी के चलते 11.8 करोड़ रुपये गंवा दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा हम बार-बार अपने सोशल मीडिया खातों के जरिए यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हमारे कानून या संविधान में डिजिटल गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है। पुलिस की कार्रवाई केवल कानूनी प्रावधानों के तहत होती है और डिजिटल गिरफ्तारी का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। आयुक्त ने कहा कि पुलिस कानूनी प्रक्रियाओं के तहत नोटिस जारी करती है या जरूरत पड़ने पर किसी को गिरफ्तार करती है। अगर हम किसी को गिरफ्तार करते हैं, तो उसे चौबीस घंटे के अंदर अदालत में सामने पेश करते हैं। फिर जेल या हिरासत ली जाती है। लेकिन साइबर जालसाज डिजिटल गिरफ्तारी का झूठा दावा करके पीड़ितों को कई दिनों या हफ्तों तक बंधक बनाकर उनसे पैसे निकालते हैं। उन्होंने लोगों को सुझाव दिया कि वह अज्ञात फोन कॉल या संदिग्ध वीडियो कॉल का जवाब न दें और संदिग्ध कॉल या वीडियो कॉल आने पर सतर्क रहें। अज्ञात फोन करने वाले से बात न करें और अपनी जानकारी को किसी के साथ साझा न करें। अपने नजदीकी थाने से किसी भी दावे की पुष्टि करें। पुलिस आयुक्त ने यह भी कहा कि वैध एजेंसियां कभी भी व्हाट्सऐप या फोन कॉल के जरिए निजी जानकारी नहीं मांगेंगी। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने वालों से अपील की कि वे 1930 पर कॉल करके खाते को ट्रेस और ब्लॉक करवा सकते हैं, ताकि खोई हुई राशि को वापस हासिल किया जा सके।

पिकलबॉल पैडल बैटल 180 से अधिक खिलाड़ियों को

एक मंच पर लाकर रोमांचक मुकाबलों और अविस्मरणीय पलों का बना साक्षी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिकलबॉल पैडल बैटल 180 से अधिक खिलाड़ियों को एक मंच पर लाकर रोमांचक मुकाबलों और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बना। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिसके बाद बारह टीमों ने दोपहर में अपने लीग मैचों का आगाज किया। मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इवेंट का संचालन जयेश जैन ने किया। ट्रांसफॉर्म के प्रबंध निदेशक राम गोपाल मल्होत्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए पिकलबॉल के बढ़ते खेल को समर्थन दिया। स्पोर्ट्स इंडस्ट्री की सम्मानित हस्ती हनी जैन ने इस टूर्नामेंट को स्थानीय प्रतिभाओं के विकास का मंच बताया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष दिनेश बाफना ने खिलाड़ियों को प्रेरित किया, जबकि युवा संयोजक प्रेमीत बाफना ने इस आयोजन की सफलता पर गर्व जताया। इस

अवसर पर दिनेश खिवेंसरा और अशोक भंडारी भी उपस्थित थे। महिलाओं का प्रतिनिधित्व लक्ष्मी बाफना और मीना बड़ेरा ने किया, जिन्होंने अपने उत्साह और प्रोत्साहन से कार्यक्रम को समृद्ध किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जीतो युवा एपेक्स के मुख्य सचिव निकुंज ओस्तवाल और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ युवा के पूर्व अध्यक्ष मनीष कोठारी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने आयोजक टीम का मनोबल बढ़ाया। जीतो स्पोर्ट्स की युवा संयोजक पद्मा बाफना ने भी इस आयोजन में भाग लिया।

जीतो युवा बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष अनिश भोजानी ने सभा को संबोधित करते हुए अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। संयोजक ऋषभ बाफना और भरतेश गांधी के नेतृत्व में टूर्नामेंट का आयोजन बखूबी किया गया, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को एक सहज अनुभव मिला। कार्यकारी समिति के समन्वयक अक्षय दक ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट का समापन एक रोमांचक फिनाले के साथ हुआ, जहां किचन बैंडिट्स टीम, नमन मेहता और दक्ष मैनोट की अगुवाई में विजयी बनी। क्लच स्ट्राइकर्स टीम, प्रीत जैन के नेतृत्व में उपविजेता रही। इस आयोजन में जीतो युवा बेंगलूरु नॉर्थ की समर्पित टीम ने प्रेरणादायक योगदान दिया।

संयोजकों में गौरव दलाल, यश मेहता और प्रबंध समिति के सक्रिय सदस्य अभिनन्द कटारिया, आशीष दक, दर्शन चोरड़िया, खुशी ओस्तवाल, लक्षित सोनगरा, राशि भंडारी, श्रेयान्स सिंगवी, वैशाली बेताला और विधि बैद शामिल थे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ युवा की उपाध्यक्ष निकिता बडेरा ने आगामी आयोजनों की जानकारी देकर माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य सचिव आशीष टपरावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** माली (सैनी) समाज बेंगलूरु पूर्व वर्तुर द्वारा नव वर्ष-2025 के कैलेंडर का विमोचन माली समाज भवन वर्तुर में किया गया। इस अवसर पर समाज के सभापति प्रभु सांखला, अध्यक्ष देवाराम कच्छवाह, उपाध्यक्ष ओगडराम चौहान, मंत्री तेजाराम भाटी, सह मंत्री जवरीलाल टांक, सचिव अणदाराम चौहान, सह सचिव जुगराज भाटी, कोषाध्यक्ष दिनेश सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष जीवाराम चौहान सहित समाज के वरिष्ठ बन्धु उपस्थित रहे।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा मल्लेश्वरम स्थित श्री कृष्ण देव राय कला मंदिर में 26वें वार्षिकोत्सव के तहत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। डॉक्टर राजेश्वर शिवाचार्य स्वामी एवं मृत्युंजय शिवाचार्य स्वामी ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाजसेवी सुरेश एस गन्ना, मल्लेश्वरम यातायात मंडल पुलिस निरीक्षक दिनेश पाटील, विल्सन गार्डन यातायात मंडल पुलिस निरीक्षक कात्यानी आल्वा एवं विविध क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को वेदिके की तरफ से पुरस्कृत किया गया। कन्नड़ा विषय में श्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले 428 विद्यार्थियों को समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत, हरि कृष्ण, कृष्णप्पा एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

इस वर्ष 3,000 परिवारों को 6 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता का मिलेगा लाभ: प्रकाश शेट्टी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वार्षिक आशा प्रकाश शेट्टी नेरावु सहायता वितरण कार्यक्रम बुधवार को दोपहर 3:30 बजे गोल्डफिंच सिटी, मेंगलूरु में होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अदम्य चेतना फाउंडेशन, बेंगलूरु की अध्यक्ष और सह-संस्थापक डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार शामिल होंगी। अन्य उपस्थितियों में अल्वा एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. एम. मोहन अल्वा, काउप से विधायक गुरमे सुरेश शेट्टी और एमआरजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक गौरव पी. शेट्टी शामिल हैं। एमआरजी ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. के. प्रकाश शेट्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विवरण की घोषणा की। उन्होंने कहा इस वर्ष, 3,000 परिवारों के लगभग 15,000 व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए 6 करोड़ से अधिक की सहायता वितरित की जाएगी। लाभार्थियों की पहचान करने के लिए एक कठोर प्रक्रिया का पालन किया गया है, जिसमें चिकित्सा आवश्यकताओं, विकलांगताओं या शिक्षा और खेल में असाधारण उपलब्धियों वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सहायता राशि प्रति व्यक्ति 10,000 से लेकर 1,00,000

तक और संगठनों के लिए 10,00,000 तक है। कार्यक्रम ने पूर्व-जारी टोकन के विरुद्ध चेक के सुचारू वितरण को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर 25 काउंटर स्थापित किए हैं। परिवहन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जिसमें स्वयंसेवी टीमें रसद की देखरेख कर रही हैं। डॉ. शेट्टी ने इस बात पर जोर दिया कि नेरावु ने पिछले कुछ वर्षों में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाया है।

बुनियादी ढांचे के विकास को सक्षम करने से लेकर व्यक्तियों को सशक्त बनाने तक, यह पहल सामाजिक परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कुछ लाभार्थी जो कभी शिक्षा तक पहुँचने के लिए संघर्ष करते थे, अब रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और दूसरों की मदद कर रहे हैं। यह कार्यक्रम के प्रभाव का प्रमाण है। अपनी शुरुआत से ही, इस पहल ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कासरगोड जिलों के कुछ हिस्सों में अपनी पहुँच का विस्तार किया है, जिसमें विशेष मामले इन क्षेत्रों से आगे तक फैले हुए हैं। ध्यान चिकित्सा सहायता पर बना हुआ है, जिसमें पुरानी बीमारियों, कैंसर और विकलांगताओं के उपचार के साथ-साथ शिक्षा और कौशल विकास के लिए सहायता शामिल है। हर साल जरूरत बढ़ने के साथ-साथ कार्यक्रम का दायरा भी बढ़ता गया है। सहायता की राशि पहले साल के 1.25 करोड़ से बढ़कर वर्तमान में 6 करोड़ हो गई है।

सरकारी हाई स्कूल में मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद के मानव सेवा के अंतर्गत तेयुप राजाजीनगर द्वारा जुगनहल्ली में स्थित सरकारी हाई स्कूल में मानव सेवा कार्य संपादित किया गया। स्कूल में लगभग 40 बच्चियां प्रवासीत है। बच्चों को दैनिक जरूरत की सामग्री प्रदान की गई। स्कूल स्टाफ ने बच्चों की देखभाल और शिक्षा के बारे में जानकारी प्रदान की। तेयुप उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया ने बच्चों से वार्तालाप करते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण करने की और जीवन में कुछ बनने की प्रेरणा प्रदान की। स्कूल में प्रवासित बच्चियों ने तेयुप परिवार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाए संप्रेषित की। इस अवसर पर तेयुप से राजेश देरासरिया, विनोद कोठारी, रवि चौधरी, विक्रम बोहरा एवं स्कूल के स्टाफ की उपस्थिति रही।

कांग्रेसियों को बाबा साहब का नाम लेने का कोई नैतिक अधिकार नहीं: डॉ. पी. सुधाकर रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी डॉ. पी. सुधाकर रेड्डी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। पांच गारंटियाँ ठीक से लागू नहीं की गई हैं। जिन कांग्रेसियों ने लगातार अंबेडकर का अपमान किया, उन्हें उनका नाम लेने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मल्लेश्वरम के जगन्नाथ भवन में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस पार्टी हताश है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस पार्टी, जिसने लोकसभा चुनावों में अंबेडकर को दो बार हराया और अपमानित किया, अब अपने नेताओं को बचाने के लिए बाबा साहब के उसी नाम का इस्तेमाल कर रही है। संविधान निर्माता अम्बेडकर देश के विभाजन के खिलाफ थे। उन्होंने अनुच्छेद 370 लगाए जाने का भी विरोध किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की जिसने देश पर आपातकाल लागू किया था और देश को जेल में बदल दिया था। अब कांग्रेस नेता वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस अमित शाह पर कीचड़ उछाल रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश की जनता को मोदी और अमित शाह पर भरोसा है। कांग्रेस एक बार फिर अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने को तैयार है। लेकिन, जनता कांग्रेसियों का असली रंग जानती है। अमित शाह ने कांग्रेस की गलत नीतियों को जनता के सामने उजागर किया है। मोदी भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। कांग्रेसियों को यह बर्दाश्त नहीं है कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति 10 वर्ष से अधिक प्रधानमंत्री रहे।

डॉ. अम्बेडकर सर्वश्रेष्ठ संविधान निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि उनका संविधान हमारे लिए वरदान है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि यहां के मंत्री अमित शाह के बारे में अनादरपूर्वक बोल रहे हैं और यह कोई गौरव बढ़ाने वाली बात नहीं है। पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी ने कहा कि सुधाकर रेड्डी के नेतृत्व में सुशासन के मुद्दे पर अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी 30 जिलों में अच्छा कार्यक्रम हुआ। उन्होंने कहा कि पूरे साल भर वाजपेयी की जन्मशताब्दी कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने अंबेडकर का अपमान किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद को बताया कि उनके साथ किस तरह अभद्र व्यवहार किया गया। लेकिन वोट बैंक के लिए कांग्रेसी आज अंबेडकर का जाप कर रहे हैं, जो निंदनीय है।

अंबेडकर पर अमित शाह के बयान की निंदा करते हुए कलबुर्गी में बंद का आयोजन

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। संसद में बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान की निंदा करने के लिए दलित संगठनों द्वारा दिए गए बंद के आह्वान के बाद मंगलवार को कलबुर्गी में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की थी। पुलिस के अनुसार, शहर पूरी तरह से बंद रहा और यातायात की आवाजाही नहीं हुई, क्योंकि बसें, ऑटो रिक्शा और टैक्सियाँ नहीं चल रही थी और विभिन्न दलित संगठनों द्वारा दिए गए बंद के आह्वान के बाद दुकानें भी बंद रहीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा केंद्रीय गृह मंत्री के अंबेडकर पर बयान की निंदा करते हुए विभिन्न दलित संगठनों द्वारा बंद का आह्वान किए जाने के बाद कलबुर्गी में बंद का आयोजन किया गया। हमने बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और सब कुछ नियंत्रण में है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और शहर के बस स्टैंड, एसवीपी सर्किल, जगत सर्किल, खड़गे सर्किल, राम मंदिर सर्किल, हुमानाबाद रिंग रोड पर टायर जलाए। भाजपा और अमित शाह के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कहा कि वह गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दें। गंज इलाके के नागरेश्वर स्कूल से डिप्टी कमिश्नर कार्यालय तक एक विशाल विरोध मार्च भी आयोजित किया गया। शाह ने राज्यसभा में विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा था अभी एक फैशन हो गया है, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

राज्य में एक और गठबंधन सरकार सत्ता में आएगी: कुमारस्वामी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य में जल्द ही एक और गठबंधन सरकार आएगी। सकलेशपुर में आयोजित कॉफी उत्पादकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस-भाजपा गठबंधन सरकार सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि तब हम उन सभी कार्यों को पूरा करेंगे जो मेरे सीएम रहते दो कार्यकाल के दौरान अधूरे थे। जब 2006 में जेडीएस और भाजपा गठबंधन की सरकार बनी, तो हमने कई जन-समर्थक कार्यक्रम दिए। हमें उम्मीद है कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा-जेडीएस गठबंधन की सरकार आएगी। मेरी कुछ स्वप्निल स्थायी योजनाएँ ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। उन सभी को साकार करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम किसानों का जीवन सुधारेंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल सकलेशपुर आये हैं और मुझे विश्वास है कि कॉफी उत्पादकों की समस्याओं का समाधान अवश्य होगा। हाथियों के उत्पात से सकलेशपुर के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर दिल्ली स्तर पर चर्चा हुई है। मैंने इस संबंध में उचित कार्रवाई की अपील की है। पर्यावरण मंत्री केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मैं इस मामले को दोबारा उनके ध्यान में लाऊंगा। पीयूष गोयल से मिलकर गुहार लगाया जाएगा। वन विभाग ने हाथी कॉरिडोर के निर्माण के लिए पंद्रह हजार एकड़ जमीन चिह्नित की है। किसान तीन हजार एकड़ जमीन छोड़ने को तैयार हैं। लेकिन वह योजना विफल हो गई। उन्होंने बताया कि जब मैं मुख्यमंत्री बना तो बैरियर निर्माण के लिए सौ करोड़ रुपये जारी किये थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री एचके कुमारस्वामी, कर्नाटक ग्रोअर्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. एच.टी. मोहन कुमार, सांसद तेजस्वी सूर्या, श्रेयस पटेल, विधायक एस. मंजूनाथ, एच.के. सुरेश, मंथर गौड़ा, स्वरूप प्रकाश, कॉफी बोर्ड के अध्यक्ष डीजे दिनेश और कॉफी उत्पादक उपस्थित थे।

भाजपा एमएलसी रवि की घटना की सीआईडी जांच के आदेश

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को घोषणा की कि भाजपा एमएलसी सीटी रवि से जुड़ी हालिया घटना की सीआईडी जांच के आदेश दिए गए हैं। इस मामले पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जांच को बिना किसी हस्तक्षेप के आगे बढ़ने दिया जाना चाहिए। परमेश्वर ने कह मैंने इस पर सीआईडी जांच के आदेश दिए हैं। जब जांच चल रही है, तो हमें इसके बारे में कोई बयान नहीं देना चाहिए। पुलिस अपना कर्तव्य निभाएगी और अध्यक्ष भी अपना काम करेंगे। परमेश्वर ने समझाया कि एफआईआर दर्ज करने में देरी होगी लेकिन सच्चाई को उजागर करने के महत्व पर जोर दिया। कर्नाटक के मंत्री ने कहा सच्चाई सामने आनी ही चाहिए। हमें गवाहों की पुष्टि करनी है, इसलिए सीआईडी जांच को इसे संभालने के लिए कहा गया है। सोमवार को कर्नाटक विधान परिषद के

अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने भाजपा एमएलसी रवि से जुड़ी घटना पर स्पष्टता प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के बारे में विधान परिषद के मीडिया द्वारा कोई सबूत पेश नहीं किया गया। होराट्टी ने खुलासा किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सीटी रवि और कांग्रेस नेता लक्ष्मी हेब्बालकर से इस मामले पर चर्चा करने के लिए संपर्क किया। दोनों पक्ष अपने दावों पर अड़े हुए हैं। होराट्टी ने कहा हमें अपने परिषद मीडिया से कोई सबूत नहीं मिला है। इसलिए मैंने पहले सीटी रवि को फोन किया और पूछा कि क्या वह समझौता करना चाहते हैं, उन्होंने कहा 'नहीं, और फिर मैंने उन्हें (लक्ष्मी हेब्बालकर) फोन किया, उन्होंने भी कहा नहीं। होराट्टी ने आगे बताया कि परिषद के सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की गई। हमने सचिव और अन्य लोगों के साथ गहन चर्चा की, सभी पुस्तकों का अध्ययन किया और अपना फैसला सुनाया। 19 दिसंबर को बेलगावी सुवर्ण सौधा में रवि पर हमला करने का कथित रूप से प्रयास करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बेलगावी के हिरेबागेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि भाजपा एमएलसी की जान को खतरा है और हमलावरों का इरादा उन्हें जान से मारने का था। शिकायत कानून की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई है। कथित तौर पर यह घटना कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ रवि के आपत्तिजनक बयान के जवाब में हुई। विशेष रूप से, एमएलसी डीएस अरुण और प्रो. एसवी संकनुरा सहित भाजपा नेताओं ने पहले गृह विभाग के सचिव से शिकायत की थी, जब रवि की प्रारंभिक शिकायत स्वीकार नहीं की गई थी। अंततः शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। रविवार को, रवि ने अपनी हालिया गिरफ्तारी और चार जिलों में कई बार घुमाने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया। जनता के समर्थन में विश्वास व्यक्त करते हुए, उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई और अपने स्थानांतरण के लिए सुरक्षा कारणों के सरकार के दावे की आलोचना की। भाजपा नेता ने कहा जनता हमारे समर्थन में है। वे मेरे साथ खड़ी हैं। मुझे क्यों गिरफ्तार किया गया? मुझे लगातार चार जिलों में क्यों भेजा गया? सीएम का कहना है कि सुरक्षा कारणों से उन्होंने ऐसा किया। उनके लिए पीएस में सुरक्षा देना मुश्किल है, लेकिन एकांत जगह पर सुरक्षा देना आसान है। रवि के खिलाफ मामला कर्नाटक की मंत्री हेब्बालकर ने दायर किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि रवि ने विधान परिषद में उनके खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनकी रिहाई के लिए अंतरिम आदेश जारी किया।

मैसूरु में सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने के एमसीसी के प्रस्ताव पर बहस शुरू

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में सिद्धरामैया के नाम पर सड़क का नाम रखने के एमसीसी के प्रस्ताव पर बहस शुरू हो गई है। मैसूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) परिषद द्वारा केआरएस रोड के एक हिस्से का नाम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नाम पर रखने के प्रस्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। लक्ष्मी वेंकटरमणस्वामी मंदिर से आउटर रिंग रोड जंक्शन तक केआरएस रोड के हिस्से का नाम सिद्धरामैया आरोग्य मार्ग रखने का प्रस्ताव है।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस हिस्से पर ट्रॉमा सेंटर, जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंस एंड रिसर्च का मैसूरु सेंटर, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल समेत कई अस्पताल बने हैं और इस हिस्से के लिए फंड की मंजूरी सिद्धरामैया ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान दी थी। चामराजा विधायक हरीश गौड़ा के सुझाव के आधार पर एमसीसी ने 22 नवंबर को अपनी बैठक में यह फैसला लिया। परिषद की बैठक में पेश किए जाने से पहले इस मुद्दे को मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर के सामने रखा गया था। 13 दिसंबर को एमसीसी ने एक समाचार पत्र अधिसूचना जारी की, जिसमें अधिसूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के भीतर जनता से आपत्तियां आमंत्रित की गईं। एमसीसी के इस निर्णय की सूचना के अधिकार कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आलोचना की है, जो मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा मुख्यमंत्री की पत्नी को कथित अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के मामले में शिकायतकर्ता हैं और जिसकी जांच कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस कर रही है। कृष्णा ने कहा कि यह निर्णय आश्चर्यजनक है, क्योंकि सिद्धरामैया को मुडा मामले में ए1 के रूप में नामित किया गया है, और इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है। कृष्णा ने कहा ऐसा होने पर यह बेहद खेदजनक है कि एमसीसी एक ऐतिहासिक सड़क का नाम आरोपी के नाम पर रखना चाहती है। उन्होंने एमसीसी के समक्ष आपत्तियां दर्ज करने और इस कदम के खिलाफ लड़ने की कसम खाई। मैसूरु विश्वविद्यालय के विकास अध्ययन संस्थान के पूर्व प्रोफेसर चंद्रप्रकाश ने कहा कि सड़क का नाम बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है, जिसे केआरएस रोड के नाम से जाना जाता है। यहां तक कि आपत्तियां मांगने वाली अधिसूचना में भी इसे केआरएस रोड बताया गया है। एक विरासत कार्यकर्ता ने कहा कि नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार ने 1921 में अपनी बहन की याद में राजकुमारी कृष्णजम्मानी क्षय रोग और छाती रोग अस्पताल की स्थापना की थी, जो टीबी से मर गई थी। अस्पताल स्थापित करने के लिए भूमि का एक बड़ा हिस्सा - लगभग 200 एकड़ - आरक्षित किया गया था, जिसने लाखों रोगियों का इलाज किया है। जयदेव अस्पताल, ट्रॉमा केयर सेंटर और एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सहित कुछ नए अस्पताल उसी भूमि पर बने हैं। इसलिए, राजकुमारी कृष्णजम्मानी के नाम पर सड़क का नाम रखना उचित होगा, जबकि किसी अन्य सड़क का विकास किया जा सकता है और उसका नाम सिद्धरामैया के नाम पर रखा जा सकता है। स्नेहमयी कृष्णा ने आश्चर्य जताया कि जब कोई निर्वाचित निकाय नहीं है तो परिषद कैसे निर्णय ले सकती है क्योंकि पिछली परिषद का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। परिषद सचिव आर. रंगास्वामी ने कहा, निर्वाचित निकाय की अनुपस्थिति में, अधिकारियों के पास शहर प्रशासन से संबंधित निर्णय लेने की शक्ति और जिम्मेदारी निहित है।

नए साल पर अतिरिक्त कैब, मेट्रो सेवाएं और प्रमुख सुरक्षा उपायों की घोषणा

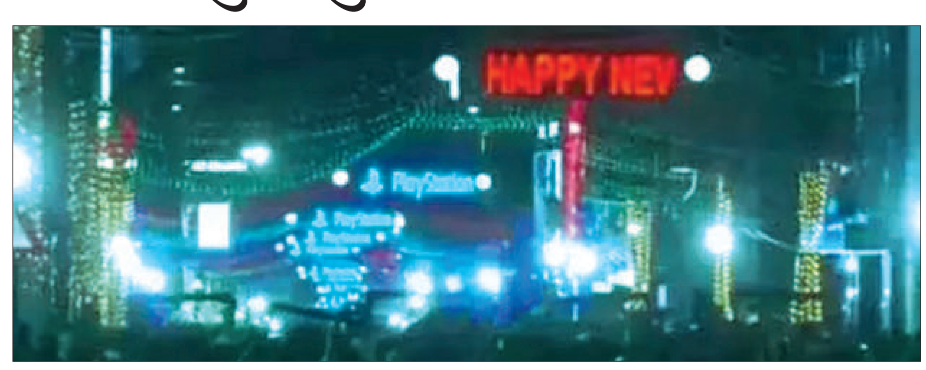

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नए साल की पूर्व संध्या पर बेंगलूरु की सड़कों पर लगभग 7-8 लाख लोगों के उमड़ने की उम्मीद है, ऐसे में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों का आश्वासन दिया है। परमेश्वर ने छुट्टियों के मौसम में शहर के केंद्रीय क्षेत्रों में भीड़ और यातायात को प्रबंधित करने के लिए सरकार की रणनीति की रूपरेखा तैयार की। गृह मंत्री ने क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा, खासकर महिलाओं के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा हमने सभी के लिए सुरक्षित माहौल बनाने को प्राथमिकता दी है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने और परेशानी मुक्त उत्सव सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए हैं। पार्टी में जाने वालों के लिए सुगम यात्रा की सुविधा के लिए 31 दिसंबर को अतिरिक्त ऐप-आधारित कैब सेवाएं और विस्तारित नम्मा मेट्रो संचालन की योजना बनाई गई है। केंद्रीय व्यावसायिक जिले में लोगों की भारी आमद को नियंत्रित करने के लिए, शहर का पुलिस विभाग पिछले वर्षों की तरह यातायात प्रतिबंध लागू करेगा। परमेश्वर ने नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ सख्त चेतावनी भी जारी की, जिसमें कहा गया कि उल्लंघन करने वालों को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा। बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ पहले ही एक विशेष अभियान शुरू कर दिया है। पिछले सप्ताह में ही 60,000 से अधिक वाहनों की जाँच की गई, जिसके परिणामस्वरूप लाइसेंस रद्द करने के 769 मामले सामने आए। इसके अलावा, 200 से अधिक ड्राइवरों पर लापरवाही से वाहन चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया, जिसकी राशि 2.41 लाख है। पिछले त्यौहारी सीजन को याद करते हुए, गृह मंत्री ने उन घटनाओं को स्वीकार किया, जहाँ शहर को चुनौतियों का सामना करना पड़ा और नागरिकों को आश्वासन दिया कि ऐसी स्थितियों से बचने के लिए सक्रिय उपाय लागू किए गए हैं। उन्होंने कहा बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर ने त्यौहार मनाने वाले सभी लोगों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। परमेश्वर ने त्यौहारों के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में यातायात प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने नागरिकों से अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह करते हुए कहा सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने और भीड़भाड़ से बचने के लिए यातायात को नियंत्रित करना आवश्यक है।

बम रखने की धमकी देने वाले विधायक के खिलाफ हो कार्रवाई: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर से बम रखने की धमकी देने वाले विधायक शिवलिंगे गौड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि विधायक शिवलिंगे गौड़ा, जो हमेशा समाज में शांति और सद्भाव को बाधित करने वाले भड़काऊ बयान देते हैं, ने कुछ दिन पहले उग्र भाषण देते हुए कहा था कि वह राज्य में रक्त क्रांति लाएंगे। अरसीकेरे निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस विधायक शिवलिंगे गौड़ा लोगों के प्रतिनिधि हैं या एक आतंकवादी हैं? वन विभाग द्वारा एटिनाहोल परियोजना के लिए जमीन नहीं देने पर बम फेंकने की धमकी देने वाले शिवलिंगे गौड़ा, आप किस आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं?

धर्मांतरण केंद्र के आरोपों पर सीएमसी बैठक में गरमागरम बहस

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के जोदुकट्टे के पास स्थित एक प्रार्थना हॉल में धर्मांतरण के आरोपों पर मंगलवार को उडुपी नगर परिषद की आम सभा की बैठक के दौरान गहन चर्चा हुई। सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य विजय कोडावूर ने प्रार्थना हॉल में गतिविधियों की वैधता पर सवाल उठाते हुए चिंता जताई। उन्होंने पूछा शिक्षा प्रदान करने के अलावा, वे यहां कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। क्या यह कानून के तहत अनुमत है? इस इमारत के लिए नगर परिषद ने क्या अनुमति दी है? विधायक यशपाल सुवर्णा ने कहा इस प्रार्थना हॉल के परिसर में भड़काऊ लेखन प्रदर्शित किया गया है। इन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। किसी को भी अवैध रूप से विस्तार करके आवास को धर्मांतरण केंद्र में बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह गैरकानूनी है, और अनधिकृत संरचना को तुरंत ध्वस्त किया जाना चाहिए। राजस्व अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में 1,126 वर्ग फुट के आवासीय

भवन के लिए अनुमति दी गई थी, लेकिन निरीक्षण से पता चला कि संरचना 4,000 वर्ग फुट से अधिक थी। अधिकारी ने कहा हमने भवन मालिकों से प्राप्त अनुमतियों के बारे में दस्तावेज मांगे हैं। विधायक सुवर्णा ने त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कहा रिकॉर्ड नगर परिषद के पास होने चाहिए। मालिकों का इंतजार करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर संरचना अनधिकृत है, तो बिना देरी के कानून के अनुसार कार्रवाई करें। जिसके बाद विपक्ष के नेता रमेश कंचन ने जवाब दिया कि बिल्डिंग की अनुमति मिलने के बाद, मालिक अक्सर अपनी इच्छानुसार संरचनाओं का विस्तार करते हैं। इमारत को गिराने से अनावश्यक भ्रम पैदा होगा। अगर रूपांतरण हो रहे हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। कई मंदिर और सामुदायिक हॉल हैं जो अनुमत सीमा से परे विस्तारित हैं। मैं ऐसे मामलों की सूची दे सकता हूं। क्या उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी? इसको लेकर भाजपा सदस्य विजय कोडवूर, गिरीश अंचन और विपक्षी नेता रमेश कंचन के बीच गर्म बहस हो गई। अंबालापडी जंक्शन पर ओवरपास के निर्माण पर, विधायक सुवर्णा ने आश्वासन दिया कि काम योजना के अनुसार जारी रहेगा। परियोजना निवासियों को उचित अधिसूचना के साथ शुरू हुई। अगर ऑस्कर फर्नांडिस के कार्यकाल के दौरान धन जारी किया गया होता, तो ये मुद्दे नहीं उठते। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्री नितिन गडकरी ने राजमार्ग उन्नयन को प्राथमिकता दी है, जिससे कल्लियांपुर से करवी और किन्निमुल्की से कोरंगरापडी तक भविष्य की सर्विस रोड सुनिश्चित हो सके। सीएमसी सदस्यों ने विपक्ष के खंभे पर आधारित फ्लाईओवर के सुझाव की आलोचना की, जो टेंडर पास होने और निर्माण शुरू होने के बाद आया था। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से प्रचार के उद्देश्य से बयानबाजी से बचने का आग्रह किया। रमेश कंचन ने सड़क निर्माण परियोजनाओं में देरी के बारे में भी चिंता व्यक्त की, ठेकेदारों में जनता का विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अंबालापडी जंक्शन परियोजना का यही हश्र नहीं होना चाहिए। मैं ओवरपास का समर्थन करता हूं, लेकिन शहर को विभाजित होने से बचाने के लिए एक लिफ्ट का भी निर्माण किया जाना चाहिए। सीएमसी उडुपी के अध्यक्ष प्रभाकर पुजारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीएमसी आयुक्त उदय शेट्टी, उपाध्यक्ष रजनी हेब्बार, अधिकारी, कर्मचारी और पार्षद शामिल हुए।

सरकार ने कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के बारे में चिंताओं और भ्रम को किया दूर: वन मंत्री

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि सरकार ने कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के बारे में चिंताओं और भ्रम को दूर किया है और इसे खारिज कर दिया है। कुक्के सुब्रह्मण्य में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोग सदियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं और जंगल के किनारे रहने वाले लोग ही इसकी रक्षा कर रहे हैं। वन संरक्षण के लिए पहले से ही योजनाएं बनाई जा रही हैं। सरकार ने लोगों और प्रतिनिधियों की मांगों के आधार पर कस्तूरीरंगन रिपोर्ट को खारिज करने की जानकारी केंद्र को दी है। संयुक्त सर्वेक्षण के संबंध में राजस्व और वन मंत्रियों और अधिकारियों ने एक बैठक की और एक संयुक्त परिपत्र जारी किया।

राज्य के 31 जिलों में संयुक्त सर्वेक्षण के लिए एक समिति बनाई गई है। अगले छह महीनों के भीतर वास्तविकता पर एक रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी, जिसका उद्देश्य वन और राजस्व भूमि के बारे में भ्रम के मुद्दों को हल करना है। बैठक में कोल्लमोगरू गांव, सुब्रह्मण्य के निकट सड़क को जोड़ने वाली कदमकल्लू-कोडागु गलीबीडू के विकास पर चर्चा की गई तथा सड़क विकास के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुमारपर्वत ट्रेकर्स के लिए सुविधाओं की समीक्षा की जाएगी। सत्ता में आने के बाद से सरकार ने हरियाली और वन संरक्षण के लिए और अधिक योजनाएं बनाई हैं। विश्वास है कि 2023 और 2025 के बीच राज्य में वन क्षेत्र बढ़ेंगे। धर्मस्थल के दौरे के दौरान वन मंत्री ईश्वर खंड्रे से कर्नाटक आदिवासी अधिकार समन्वय समिति के सदस्यों ने मुलाकात की, जिन्होंने वनवासियों के मुद्दों को हल करने का अनुरोध प्रस्तुत किया। उन्होंने वन और राजस्व भूमि के बारे में भ्रम को दूर करने, कृषि में लगे वनवासियों के लिए नियमितीकरण योजना के तहत आवेदनों की प्रक्रिया और एक संयुक्त सर्वेक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में आदिवासियों को शीर्षक विलेख जारी करने और बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान का अनुरोध किया। समिति ने अनुरोध किया कि केवल आदिवासियों को ही वन उत्पाद एकत्र करने की अनुमति दी जाए और कस्तूरीरंगन रिपोर्ट, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान, हाथी गलियारे, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र और बाघ अभयारण्यों सहित विभिन्न परियोजनाओं के तहत वनवासियों को परेशानी पैदा करने वाले कोई भी निर्णय न लिए जाएं। उन्होंने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने में वनवासियों को प्राथमिकता देने का भी अनुरोध किया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि मुद्दों को कानूनी दायरे में सुलझाया जाएगा और राज्य स्तर के मुद्दों पर उचित कार्रवाई का वादा किया। प्रतिनिधिमंडल में कर्नाटक आदिवासी अधिकार समन्वय समिति के महासचिव जयानंद पिलिकला, उपाध्यक्ष लक्ष्मण अलंगई नेरिया और संयोजक शेखर लैला शामिल थे।

अधिवेशन एक ऐतिहासिक घटना होने जा रही: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से पहले कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि यह आयोजन एक ऐतिहासिक घटना होने जा रहा है। परमेश्वर ने कहा कर्नाटक के एआईसीसी प्रभारी यहां आ चुके हैं। मैं स्वागत और प्रोटोकॉल समिति का प्रभारी हूं। हम आने वाले लोगों की देखभाल कर रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक घटना होने जा रही है। कांग्रेस 26 दिसंबर को बेलगावी में अपनी सीडब्ल्यूसी बैठक और 27 दिसंबर को महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 1924 बेलगावी अधिवेशन के शताब्दी समारोह का आयोजन करेगी। इस बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेल-गावी में निर्धारित 1924 बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन के शताब्दी समारोह के दिन विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाने के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि वे पूरी तरह से जीवित हैं और भाजपा के विरोध से भयभीत नहीं हैं। मैं पूरी तरह से जीवित हूं और मैं राज्य कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कर रहा हूं। मैं भाजपा के विरोध की रणनीति से भयभीत नहीं हूं। महात्मा गांधी ने अपने दृढ़ संघर्ष के माध्यम से हमें स्वतंत्रता दिलाई। क्या हम उस समय भयभीत हो सकते हैं जब हम महात्मा गांधी को याद कर रहे होते हैं? इस बीच, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कांग्रेस पर इस आयोजन के लिए पानी की तरह पैसा खर्च करने का आरोप लगाया। इसके लिए वे पानी की तरह पैसा खर्च कर रहे हैं। मैं केवल एक सवाल पूछना चाहता हूं, महात्मा गांधी कांग्रेस और आज की कांग्रेस के बीच क्या संबंध है। आपकी कांग्रेस मूल कांग्रेस नहीं है, यह इंदिरा कांग्रेस है। यह कांग्रेस लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव में विश्वास नहीं करती है और बीआर अंबेडकर का अपमान करती है।

2019 दुपट्टा उतारने का विवाद : भाजपा कार्यकर्ता ने सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महिला से माइक्रोफोन छीनने के दौरान उसका दुपट्टा उतारने की विवादास्पद घटना के संबंध में कर्नाटक राज्य महिला आयोग में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। यह घटना 2019 में मैसूरु जिले के वरुणा निर्वाचन क्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। भाजपा मांड्या प्रवक्ता सी.टी. मंजूनाथ ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है और महिला आयोग से घटना के संबंध में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला उठाने का आग्रह किया है। शिकायत ऑनलाइन भेजी गई है। अपनी शिकायत में, मंजूनाथ ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का आग्रह किया है, जैसे आयोग ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित अपमानजनक बयान के संबंध में भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला उठाया था। मंजूनाथ ने कहा इस घटना में सीएम सिद्धरामैया ने एक महिला का दुपट्टा खींचा और उसका अपमान किया।

हमें नहीं पता कि उस महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी या नहीं। हो सकता है कि महिला को शिकायत दर्ज न कराने की धमकी दी गई हो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जनवरी 2019 में उस समय विवादों में आ गए थे, जब

मैसूरु के वरुणा में एक कार्यक्रम में उन्होंने एक महिला से बहस की और उससे माइक्रोफोन छीन लिया, जिससे उसका दुपट्टा गिर गया। सिद्धरामैया, उनके बेटे, वरुणा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले तत्कालीन विधायक यतींद्र और अन्य द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक बातचीत के दौरान यह घटना घटी, जो कैमरे में कैद हो गई और घटना का वीडियो वायरल हो गया।

निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के आधार को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई बैठक, पहले लोकसभा चुनाव से पहले सिद्धरामैया द्वारा आयोजित की गई थी। भाजपा ने इस घटना की निंदा की थी, जबकि राष्ट्रीय महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि पैनल कर्नाटक पुलिस को पत्र लिखकर मामले पर उचित कार्रवाई की मांग करेगा। वीडियो में सिद्धरामैया और पूर्व जिला पंचायत सदस्य जमालार के बीच तीखी नोकझोंक दिखाई गई, जिन्होंने कहा कि वह इस बात से परेशान हैं कि उनके बेटे यतींद्र निर्वाचित होने के सात महीने बाद आए।

सिद्धरामैया ने कहा कि उनका बेटा निर्वाचन क्षेत्र में आता रहता है, जिसका वह दृढ़ता से विरोध करती हैं। महिला ने मेज थप-थपाई, जिससे सिद्धरामैया और भी क्रोधित हो गए और उस पर चिल्लाए तथा उसे जबरन बैठने के लिए कहा। जब उसने दूसरी बार मेज थपथपाई, तो सिद्धरामैया अपना आपा खो बैठे तथा माइक्रोफोन छीन लिया, जिससे दुपट्टा उलझ गया। बाद में सिद्धरामैया ने इस घटना को कमतर आंकने के लिए ट्विटर (अब एक्स) का सहारा लेते हुए कहा कि यह एक दुर्घटना थी तथा महिला उनकी बहन जैसी है। उन्होंने ट्वीट किया जब मैं पार्टी कार्यकर्ता के लंबे भाषण को रोकने की कोशिश कर रहा था, तब यह घटना घटी, यह एक दुर्घटना थी। कोई गलत इरादा नहीं था। मैं उसे 15 वर्षों से जानता हूं, वह मेरी बहन जैसी है।

मंत्रालयों में ड्यूटी करने वाले संविदा कर्मचारियों के वेतन में संशोधन का आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत अनुबंध आधारित कर्मचारियों के संचित वेतन को संशोधित करने का आदेश दिया है।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिश पर, कर्नाटक सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 2024 राज्य सरकार द्वारा लागू किया गया है, तदनुसार, अनुबंध आधार कर्मचारियों का संशोधित संचयी वेतन 1 तारीख से लागू हो गया है। यह मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा, राज्यसभा सदस्यों, कैबिनेट स्तर के मंत्रियों, मुख्यमंत्री

के राजनीतिक सचिवों के निजी स्टाफ और कार्यालयों में अनुबंध के आधार पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होगा। यह निर्धारित किया गया है कि संशोधित वेतनमान का वेतन चरण आउटसोर्सिंग के आधार पर भर्ती किए गए कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने विशेष अधिकारी/विशेष कर्तव्य अधिकारी के लिए 69250 रुपये, असिस्टेंट के पद पर त्वरित क्लर्क, जूनियर असिस्टेंट/सेकंड ग्रेड असिस्टेंट के लिए 49,050 रुपये, टाइपिस्ट और ड्राइवर के लिए 34,100 रुपये और डी ग्रेड कर्मचारियों के लिए 27 हजार रुपये तक वेतन में संशोधन का आदेश जारी किया है।

स्वास्थ्य केंद्रों को सौर ऊर्जा से बिजली देने वाला रायचूर भारत का पहला जिला बना

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। रायचूर ने स्वास्थ्य केंद्रों को बिजली देने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाला भारत का पहला जिला बनने का गौरव प्राप्त किया है। जिले के 51 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और 191 उप-केंद्र अब 1,000 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा का उपयोग करके संचालित होते हैं। सौर ऊर्जा की ओर इस बदलाव ने बिजली की लागत में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी की है, जिससे राज्य के खजाने को सालाना 86.4 लाख रुपये की बचत हुई है। यह परियोजना

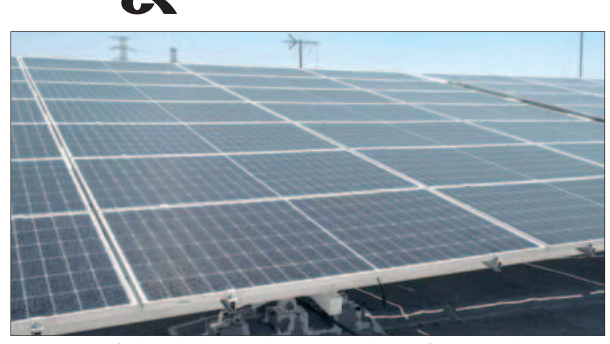

स्वच्छ ऊर्जा के दोहरे लाभों- आर्थिक बचत और पर्यावरणीय स्थिरता का उदाहरण है। गैर-लाभकारी संगठन सेल्को और राज्य स्वास्थ्य विभाग के बीच सहयोग के माध्यम से 2021 में शुरू की गई इस परियोजना को बाद में कर्नाटक भर में 5,000 पीएचसी तक विस्तारित किया गया।

इस पहल से वर्तमान में राज्य के तीन करोड़ से अधिक ग्रामीण निवासियों को लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने परियोजना की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा इस पहल के लिए रायचूर शुरुआती बिंदु था क्योंकि यहाँ प्रचुर मात्रा में धूप जैसी अनुकूल परिस्थितियाँ हैं। इसके बाद से इसका विस्तार 1,152 पीएचसी तक हो गया है, जिसमें हाल ही में 5,000 अतिरिक्त केंद्र शामिल किए गए हैं। अगले दो वर्षों में, इस परियोजना का लक्ष्य पूरे राज्य को कवर करना है, जिससे हर महीने अनुमानित 60 लाख रुपये की बचत होगी, जो सालाना 6-7 करोड़ रुपये के बराबर है। रायचूर ने छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 51 पीएचसी, 191 उप-केंद्रों, चार उप-विभागीय अस्पतालों और पाँच शहरी पीएचसी सहित सौर ऊर्जा से चलने वाली सुविधाओं के प्रबंधन के लिए एक विशेष कॉल सेंटर भी स्थापित किया है। एक डैशबोर्ड प्रणाली सुचारू संचालन और प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करती है। मिट्टी मिल्कपुरा की पीएचसी अधिकारी सारा बानो ने कहा कि अतीत में, कई महिलाएँ अविश्वसनीय बिजली के कारण पीएचसी में बच्चे को जन्म देने से बचती थीं। अब, धारणाएँ पूरी तरह से बदल गई हैं।

सरकारी स्कूलों की सहायता के लिए नामगागी वेब पोर्टल लॉन्च

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडूराव ने सोमवार शाम को जिला पंचायत परिसर में नामगागी (निम्मा सहया नम्मा बेलाकिगे) नामक एक वेब पोर्टल का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य दक्षिण कन्नड़ (डीके) में सरकारी स्कूलों को समर्थन और पुनर्जीवित करना है। जिला प्रशासन और जिला पंचायत ने इस पोर्टल के माध्यम से सरकारी स्कूलों को बेहतर

बनाने के प्रयास शुरू किए हैं, जो स्कूलों के विकास और उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने पर केंद्रित है। पोर्टल को सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार के लिए जनता का समर्थन प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रत्येक सरकारी स्कूल का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट बुनियादी ढाँचा और आवश्यक संसाधन शामिल होंगे। इन स्कूलों का समर्थन करने में रुचि रखने वाले दानकर्ता पोर्टल के माध्यम से जुड़ सकते हैं। संबंधित अधिकारी अनुरोध की समीक्षा करेंगे और स्कूल के प्रिंसिपल की संपर्क जानकारी दानकर्ता के साथ साझा करेंगे। यह सुव्यवस्थित प्रक्रिया दानकर्ताओं को सीधे स्कूलों को आवश्यक सहायता प्रदान करने की अनुमति देती है।

घर में चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 39.62 लाख के आभूषण जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हेनूर पुलिस ने घरों के ताले तोड़कर सोने के आभूषण चुराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया और 39.62 लाख मूल्य के 556 ग्राम सोने के आभूषण और 1 किलो 200 ग्राम चांदी जब्त की।

शहर के चल्लकेरे में रहने वाला एक व्यक्ति जब अपने घर में ताला लगाकर काम पर चला गया, तभी चोरों ने घर के सामने वाले दरव-ाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गये और कमरे में रखे 20 ग्राम सोने के गहने, चांदी और 30 हजार रुपये चुरा लिये। साथ ही कमरे की अलमारी बंद कर भाग निकले। जब वह काम खत्म कर घर लौटा तो देखा कि घर में चोरी हो गयी है। उन्होंने तुरंत हेन्नूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच जारी रखते हुए पुलिस ने विभिन्न आयामों से जानकारी जुटाई और आरोपी को एचबीआर लेआउट के चौथे ब्लॉक के पास से गिरफ्तार कर लिया।

जब उसके पास मौजूद बैग की जांच की तो पता चला कि उसमें एक स्क्रू ड्राइव, एक छोटी लोहे की रॉड और एक बैग था। थाने लाकर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसने चोरी की है। आरोपी ने बताया कि चोरी किए गए सोने और चांदी के सामान को उसने कुनिगल में अपने दोस्त को दिया था। जांच जारी रखते हुए, पुलिस ने कुनिगल में दोस्त से पूछताछ की, जिसने कहा कि उसने चिकपेट में एक आभूषण की दुकान के अपने दोस्त को आभूषण बेचने के लिए दिए थे। जब चिकपेट में एक आभूषण की दुकान के मालिक को नोटिस जारी किया गया, तो वह 556 ग्राम सोने के आभूषण और 1 किलो 200 ग्राम चांदी पुलिस स्टेशन ले आए। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद से हेनूर पुलिस स्टेशन के कुल 11 घरों में चोरी के मामले सामने आए हैं। इंस्पेक्टर दीपक और टीम मामले को सुलझाने में सफल रहे।

मात्र 20 रुपये में भारतीय नागरिकता...

बांग्लादेशी घुसपैठियों को दिल्ली में बांटे जा रहे थे आधार कार्ड और वोटर आईडी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने हाल ही में बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने वाले एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें पांच बांग्लादेशी नागरिक और छह वो लोग हैं, जो फर्जी दस्तावेज बनाने का काम करते थे। इस सनसनीखेज खुल-ासे ने राजधानी में अवैध प्रवासियों के बढ़ते नेटवर्क को उजागर कर दिया है।

दरअसल, साउथ दिल्ली के संगम विहार में हुए एक मर्डर केस की जांच के दौरान यह बड़ा मामला सामने आया। साउथ डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि सेटों शेख नाम के एक शख्स की हत्या रंजिश और पैसे के लेन-देन के चलते की गई थी।

इस मर्डर केस में शामिल चार बांग्लादेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, मरने वाला सेटों शेख बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी आधार कार्ड बनवाता था।

जांच के दौरान पता चला कि यह सिंडिकेट बांग्लादेशी नागरिकों को जंगल के रास्ते भारत में घुसपैठ कराता था। भारत पहुंचने के बाद इन्हें सिम कार्ड और नकद पैसे उपलब्ध कराए जाते थे। दस्तावेज़ तैयार करने के लिए एक फर्जी वेबसाइट 'जनता प्रिंट्स' का इस्तेमाल किया जाता था। इस वेबसाइट को साल 2022 से रजत मिश्र नाम का शख्स चला रहा था। वही, मात्र 20 रुपये में आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड जैसे दस्तावेज़ प्रिंट करके देता था। पुलिस ने सिंडिकेट की सरगना मुन्नी देवी को भी गिरफ्तार किया है। जांच में 4 नकली वोटर कार्ड, 21 आधार कार्ड और 6 पैन कार्ड बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच के दौरान इस सिंडिकेट के पीछे बांग्लादेश में रहने वाले कुछ अज्ञात लोगों के शामिल होने का एंगल भी सामने आ रहा है। पुलिस की एक टीम वहां भेजी गई है। इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। ये भी पता लगाया जा रहा है कि क्या फर्जी वोटर कार्ड बनाए गए हैं? दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ये सब बातें पार्ट ऑफ इन्वेस्टिगेशन हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने के बाद इस मामले को गंभीरता से लिया और पुलिस प्रशासन को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को दो महीने के भीतर घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की मांग के बाद शुरू हुई।

पुलिस की जांच में यह भी पाया गया कि बांग्लादेशी नागरिकों का यह नेटवर्क न केवल फर्जी दस्तावेज बनवाने में बल्कि अन्य अपराधों में भी शामिल है। दिल्ली एनसीआर में बांग्लादेशी अपराधियों की एक अलग सूची बनाई जा रही है। पुलिस ने इनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ इस अभियान में पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए हैं। मकसद यह है कि बांग्लादेशी नागरिकों के नेटवर्क और आपराधिक क्रियाकलापों को जड़ से खत्म किया जा सके।

फर्जी वोटर कार्ड बनाने के आरोपों की भी जांच की जा रही है। साथ ही, बांग्लादेशी नागरिकों को भारत लाने वाले रास्तों और उनके मददगारों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि यह मामला केवल बांग्लाद-ेशी घुसपैठ का नहीं, बल्कि भारतीय सुरक्षा और पहचान से खिलवाड़ का है। दिल्ली में मात्र 20 रुपये में फर्जी भारतीय नागरिकता प्रदान करने का यह मामला हमारी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस और प्रशासन के प्रयासों से यह बड़ा रैकेट उजागर हुआ है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने के लिए निरंतर सतर्कता और कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने पांच राज्यों में नियुक्त किए नए राज्यपाल

अजय भल्ला को मणिपुर, आरिफ खान को बिहार की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का नया गवर्नर बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रपति भवन से जारी की गई है।

राष्ट्रपति ने ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। डॉ। हरि बाबू कंभमपति को मिजोरम के राज्यपाल से ओडिशा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है।

जनरल विजय कुमार सिंह को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया।

आरिफ मोहम्मद खान को केरल के राज्यपाल से बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया। अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उपरोक्त सभी नियुक्तियां उस तिथि से प्रभावी होंगी, जिस दिन ये नए राज्यपाल अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे।

अजय कुमार भल्ला एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं, उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव के रूप में कार्य किया है। अपनी सेवाओं के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और उन्हें प्रशासनिक सुधारों में उनका योगदान और दक्षता के लिए पहचाना जाता है। उनका करियर मुख्य रूप से गृह मंत्रालय से जुड़ा रहा और उनके अनुभव के कारण उन्हें कई बार सेवा विस्तार मिला।

पुंछ में एलओसी पर खाई में गिरा सैन्य वाहन, पांच जवान शहीद

जम्मू, 24 दिसंबर (ब्यूरो)।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास सेना का एक वाहन खाई में जा गिरा। इस हादसे में पांच जवानों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा है। मौके पर कई पुलिस और सेना के जवान पहुंचे हैं। हादसे को लेकर सेना के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से पांच सैनिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना घरोआ इलाके में उस समय हुई जब सेना का एक वाहन जिले के बलनोई की ओर जा रहा था। बचाव दल ने पांच शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि वाहन करीब 300-350 फीट गहरी खाई में गिर गया। सेना द्वारा बचाव और राहत अभियान जारी है। उप जिला मेंढर में भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित बलनोई क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। खाई 300 मीटर से ज्यादा गहरी बताई जा रही है।

आरक्षण के मुद्दे का समाधान करें, अदालत पर इसे छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने का रास्ता तलाश करने का आह्वान करते हुए कहा कि मामले को अदालतों पर छोड़ना ''बहुत दुर्भाग्यपूर्ण'' है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने यहां संवाददात-ाओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं ने विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या

में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को वोट दिया ताकि आरक्षण को 'तर्कसंगत' बनाया जा सके और किसी का अधिकार नहीं छीना जा सके। उन्होंने कहा, हम इसमें कोई राजनीति नहीं चाहते हैं, लेकिन हम सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छह महीने का समय मांगा है। उनके (नेकां के) पास लद्दाख सहित तीन सांसद और 50 विधायक हैं, उन्हें छह महीने की जरूरत क्यों है? उन्हें लगता है कि अदालत का फैसला आ जाएगा और उन्हें कुछ नहीं करना पड़ेगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेकां सरकार आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने के लिए एसआरओ ला सकती थी, जैसा उन्होंने 2018 में किया था। जब वह स्नातकोत्तर में सामान्य श्रेणी के लिए 75 प्रतिशत सीट निर्धारित करने के लिए एसआरओ-49 लेकर आई थीं। पीडीपी अध्यक्ष ने सवाल किया, यदि इन छह महीनों में व्याख्याताओं, पुलिस आदि की भर्ती होती है तो इन (सामान्य श्रेणी के छात्रों) को क्या मिलेगा? मुख्यमंत्री आवास के बाहर सोमवार को नेकां के श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि लोगों ने संसदीय चुनावों में भी यह सोचकर नेकां को वोट दिया था कि वे उनके मुद्दों को सुलझाएंगे या कम से कम संसद में उन्हें उठाएंगे।

शाह ने उत्तराखंड में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में उत्तराखंड में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

श्री शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून, नागरिक अधिकारों के रक्षक और 'न्याय की सुगमता' का आधार बन रहे हैं। उन्होंने श्री धामी को जल्द से जल्द नए आपराधिक कानूनों को शत-प्रतिशत कार्यान्वित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि नए कानून पीड़ित और नागरिक केन्द्रित हैं और इन्हें इसी भावना के साथ मुस्तैदी से लागू किए जाने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि उत्त-राखंड सरकार को नए कानूनों पर शत-प्रतिशत अमल की दिशा में तकनीक और अन्य क्षेत्रों में कमियों को दूर करना चाहिएं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ज़्यादा प्राथमिकी दर्ज होने वाले क्षेत्रों के सभी पुलिस थानों और जेलों में नए कानूनों के शत-प्रतिशत अमल को प्राथमिकता दे। तकनीक के उपयोग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के हर ज़िले में एक से अधिक फॉरेन्सिक मोबाइल वैन उपलब्ध हों।

फॉरेन्सिक विज़िट के लिए टीमों को तीन श्रेणियों - गंभीर, सामान्य और अति सामान्य में विभाजित करना चाहिए जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए निर्दिष्ट स्थान तय करने के लिए प्रोटोकॉल बने और सभी स्थानों पर लगने वाले कैमरा उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले हों।

श्री शाह ने कहा कि इस बात की नियमित और निरंतर निगरानी होनी चाहिए कि दर्ज की गई कुल जीरो प्राथमिकी में से कितनी में न्याय मिला और कितनी अन्य राज्यों को स्थानांतरित की गईं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को हर 15 दिन और मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सप्ताह में एक बार नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करनी चाहिए। श्री शाह ने उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक को सभी पुलिस अधीक्षकों द्वारा निर्धारित समयसीमा के तहत मामलों की जांच सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

बैठक में उत्तराखंड में पुलिस, जेल, अदालत, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, उत्तराखंड के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के महानिदेशक, केन्द्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

गुलमर्ग में विश्व प्रसिद्ध जश्न चिल्ला-ए-कलां का आयोजन

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में शून्य से भी कम तापमान में विश्व प्रसिद्ध जश्न चिल्ला-ए-कलां का आयोजन किया गया। ठंड के बावजूद लोग काफी उत्साहित नजर आए।

बारामूला के जिला प्रशासन, छात्र और सेना के संयुक्त सहयोग और प्रयासों से गुलमर्ग में जश्न चिल्ला-ए-कलां का आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह में संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और छात्रों द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे इस स्थान को देख सकें। पूरे भारत से पर्यटक यहां आकर इसका आनंद लेते हैं।

इस कार्यक्रम में नवगठित औद्योगिक सहकारी समितियों के लिए पूंजी सहायता योजना के तहत पहली किस्त जारी की गई, कई शॉल कारीगरों को करघे वितरित किए गए और कारखानादार योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र जारी किया गया।

आयोजनकर्ताओं ने चिल्ला-ए-कलां के पहले दिन की ठंड के बावजूद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी कारीगरों और औद्योगिक सहकारी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही क्षेत्र की समृद्ध शिल्प विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

स्थानीय निवासी ने बताया कि पहली बार यहां पर इस फेस्टिवल का आयोजन किया गया। स्कूल के बच्चे और लोकल कई लोग आए थे, जिन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

लोगों ने स्टॉल लगाया, आयोजन सफल रहा। उन्होंने कहा, ऐसे आयोजनों से पर्यटक यहां आने के लिए आकर्षित होते हैं।

कार्यक्रम में नृत्य का प्रस्तुति दे रही एक कलाकार ने बताया बहुत अच्छा लगा। यहां पर आकर सभी लोगों ने खूब आनंद उठाया। ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में लोग आए। यहां पर आने के लिए हम बहुत उत्साहित थे, इसलिए ठंड का पता नहीं चला। लोगों यही कहना चाहूंगी कि लोग यहां आएं। यहां आकर वे ठंड को भूल जाएंगे।

असदुद्दीन ओवैसी को कोर्ट ने जारी किया नोटिस, सात जनवरी को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

वकील वीरेंद्र गुप्ता ने ओवैसी के खिलाफ याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि शपथ के दौरान फिलिस्तीन के लिए एआईएमआईएम नेता का समर्थन संवैधानिक और कानूनी सिद्धांतों का उल्लंघन है। गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पहली बार 12 जुलाई को एमपी/एमएलए कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद गुप्ता ने जिला न्यायाधीश की अदालत में पुनरीक्षण याचिका दायर की, जहां जिला न्यायाधीश सुधीर ने इसकी अनुमति दे दी और औवेसी को नोटिस जारी कर सात जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। गुप्ता ने कहा कि वह औवेसी के नारे से आहत हैं, उन्होंने कहा, उनका नारा संविधान के खिलाफ था। ओवैसी ने 25 जून को हैदराबाद के सांसद के रूप में शपथ ली। शपथ के बाद, उन्होंने मंच से संघर्षग्रस्त क्षेत्र के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। बाद में अध्यक्ष ने टिप्पणियों को हटाने का आदेश दिया। लोकसभा के 18वें सत्र में अपने शपथ ग्रहण के दौरान, ओवैसी ने जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन शब्दों के साथ समाप्त किया। ओवैसी ने अपने नारे का बचाव करते हुए संवाददाताओं से कहा कि जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन कहने में कुछ भी गलत नहीं है। एएनआई से बातचीत में ओवैसी ने जवाब दिया, ''हर कोई बहुत सारी बातें कह रहा है।.. मैंने सिर्फ 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन' कहा... यह कैसे खिलाफ है, संविधान में प्रावधान दिखाएं? जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने 'जय फ़िलिस्तीन' को क्यों शामिल किया, तो ओवैसी ने बताया, वहां की आवाम महरूम है।

चंडीगढ़ नगर निगम में जमकर हंगामा, पार्षदों के बीच हुई हाथापाई

चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

चंडीगढ़ नगर निगम की बैठक मंगलवार को उस समय हंगामेदार हो गई जब डॉ. बीआर अंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और बीजेपी पार्षद आपस में भिड़ गए। हाथापाई की वजह राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पार्षदों द्वारा पारित एक प्रस्ताव था, जिसमें पिछले हफ्ते राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान उनकी टिप्पणियों के लिए शाह के इस्तीफे की मांग की गई थी।

मारपीट का एक वीडियो

सोशल मीडिया पर सामने आया है। पार्षदों को मारपीट करते हुए देखा जा सकता है क्योंकि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों ने पूरी बात कैद कर ली है। कुछ पार्षद हाथापाई के दौरान कैमरे की ओर देखते हुए भी कैद हुए, लेकिन इससे उनके प्रयासों में कोई कमी नहीं आई। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि अंबेडकर विवाद का एकमात्र समाधान यह है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त किया जाना चाहिए और राज्यसभा में बाबासाहेब अंबेडकर पर अपनी टिप्पणी पर देश से माफी मांगनी चाहिए।

मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जयराम रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले सात दिनों से कांग्रेस अंबेडकर सम्मान सप्ताह मना रही है, जिसके दौरान विभिन्न स्थानों पर 100 से अधिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई हैं। जयराम रमेश ने कहा कि यह 17 दिसंबर को गृह मंत्री द्वारा अंबेडकर के अपमान के जवाब में है। आज सभी जिलों में बैठकें हो रही हैं और राष्ट्रपति को सौंपने के लिए एक दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। इस स्थिति का एकमात्र समाधान यही है कि गृह मंत्री को बर्खास्त किया जाये और माफी मांगी जाये। उन्होंने कहा कि पिछले 7 दिन से कांग्रेस पार्टी 'अंबेडकर सम्मान सप्ताह' मना रही है। हमने अमित शाह द्वारा अंबेडकर जी के अपमान किए जाने के मामले में देश के 100 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की हैं।

अटल गीत गंगा कार्यक्रम

अटल जी ने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया : रक्षा मंत्री

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी की पूर्व संध्या पर लखनऊ में अटल गीत गंगा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अटल जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने भारत का गौरव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपस्थित लोगों से एक मिनट का मौन रखकर अटल जी को श्रद्धांजलि देने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे

उसी लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला, जिसे अटल जी ने लंबे समय तक अपनी सेवा से गौरवान्वित किया।

उनकी दृष्टि और लखनऊ के प्रति उनकी योजनाओं से मैं भली-भांति परिचित हूं। वे न केवल एक महान नेता थे, बल्कि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया।

राजनाथ सिंह ने अटल जी को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने लखनऊ के विकास के लिए व्यक्तिगत रूप से उनसे चर्चा की थी। वे चाहते थे कि लखनऊ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का प्रतीक बने। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कवि कुमार विश्वास की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी कविता के माध्यम से अटल जी के व्यक्तित्व को जीवंत करना एक बड़ी बात है।

अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर योगी सरकार का तोहफा

परिवहन निगम के किराये में 20% तक की कमी

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की बुधवार को 100वीं जयंती है। इस उपलक्ष्य में योगी सरकार की तरफ से जन्म शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में योगी सरकार 25 दिसंबर से परिवहन निगम की वातानुकूलित/शताब्दी सेवाओं के किराए में 20 फीसदी की कमी करेगी। यह छूट 25 फरवरी तक प्रभावी रहेगी।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि वातानुकूलित बस सेवाओं को जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से परिवहन निगम भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती के अवसर पर प्रदेश की जनता को कम किराये का सौगात देने जा रही है।

शीतकाल में अधिक से अधिक यात्रियों को वातानुकूलित आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से किराये में कमी की जा रही है। इससे यात्रियों को कम किराया पर शीतकाल में आरामदायक यात्रा करने का लाभ मिलेगा। साथ ही निगम की एसी बसों का लोड फैक्टर भी बढ़ेगा, जिससे आय में वृद्धि होगी।

परिवहन मंत्री के मुताबिक यात्री किराये में लगभग 20 प्रतिशत तक की कमी की गई है। वातानुकूलित 3द2 जनरथ/शताब्दी बस का किराया 25 दिसम्बर 2024 से 1.63 रुपए प्रति किमी. प्रति यात्री की जगह 1.45 रुपए प्रति यात्री प्रति किमी तक होगा। इसके अलावा 2द2 जनरथ बस सेवा का किराया 1.93 रुपए प्रति किमी की जगह 1.60 रुपए यात्री प्रति किमी होगा।

आईआरसीटीसी की लग्जरी टेंट सिटी महाकुंभ ग्राम बनकर तैयार

महाकुंभनगर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 की शुरूआत 13 जनवरी से प्रयागराज में होने जा रही है। महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे भी महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को विश्व स्तरीय सुविधा देने का प्रबंध कर रहा है। भारतीय रेलवे महाकुंभ में लगभग 3000 मेला स्पेशल ट्रेनों के साथ 1 लाख से अधिक यात्रियों के ठहरने के लिए आश्रय स्थल की व्यवस्था कर रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रेलवे की पर्यटन और आतिथ्य शाखा आईआरसीटीसी की ओर से महाकुंभ में त्रिवेणी संगम के पास टेंट सिटी, महाकुंभ ग्राम बनकर तैयार है। आईआरसीटीसी के महाकुंभ ग्राम में पर्यटकों को रहने, खान-पान की विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ चिकित्सा और सुरक्षा सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। महाकुंभ 2025 में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रिओं और पर्यटकों के लिए मेला प्राधिकरण, पर्यटन विभाग और भारतीय रेलवे सभी तरह की जरूरी सुविधाओं और व्यवस्थाओं का प्रबंध कर रहा है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे की पर्यटन और आतिथ्य शाखा आईआरसीटीसी ने प्रयागराज में नैनी, अरैल क्षेत्र के सेक्टर नंबर 25 में लग्जरी टेंट सिटी महाकुंभ ग्राम का निर्माण किया है। आईआरसीटीसी की टेंट सिटी, महाकुंभ ग्राम गंगा तट पर त्रिवेणी संगम से लगभग 3.5 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। महाकुंभ ग्राम में विश्व स्तरीय लग्जरी टेंट सुपर डीलक्स और विला उपल्ब्ध होंगे, जिनका किराया 18,000 से 20,000 रुपए प्रतिदिन होगा। सुपर डीलक्स और विला टेंट में पर्सनल बाथरूम, गर्म और ठंडे पानी की सुविधा, ब्लोअर, बेड लिनन, तौलिए से साथ खाने की सुविधा भी शामिल हैं। विला टेंट के मेहमान अतिरिक्त रूप से एक अलग आरामदायक बैठने की जगह और टेलीविजन का आनंद भी ले सकेंगे।

अंबेडकर विरोधी है कांग्रेस की फितरत: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर पत्रकारों से की वार्ता

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस और अन्य पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फितरत हमेशा अंबेडकर विरोधी रही है। ये समाज को विभाजित करने के लिए राजनीति करना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास दलितों को वंचित रखना रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू नहीं चाहते थे कि बाबा साहेब संविधान समिति का हिस्सा बनें। यूपीए सरकार में बाबा साहेब के चित्र को नेहरू द्वारा कोड़े मारते दिखाया गया था। इसके लिए तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल को माफ़ी मांगनी पड़ी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हराया था। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि बाबा साहेब लोकसभा में जाएं। कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहेब के परिनिर्वाण के बाद स्मारक नहीं बनने दिया। बाबा साहेब ने इस्तीफा देते समय कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि कांग्रेस और नेहरू को

वंचितों-दलितों की नहीं, मुसलमान की चिंता है। वंचितों और दलितों के लिए आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले बाबा साहेब को लोकसभा की किसी समिति का सदस्य नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन, संविधान निर्माण और स्वतंत्र भारत में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का बड़ा योगदान था। वह भारत माता के महान सपूत थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में तमाम प्रकार के सामाजिक बंधनों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा अर्जित की। उन्होंने अर्थव्यवस्था और कानून के क्षेत्र में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डिग्री अर्जित की। उन्होंने भारत को अपने उस ज्ञान से आलोकित करने में अपनी पूरी ताकत लगाई।

सीएम ने कहा कि यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमान का है। सीएम ने पूछा कि क्या वंचित-दलित का नहीं है? कांग्रेस जैसा इतिहास ही समाजवादी पार्टी का है। कन्नौज में बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर बने कॉलेज से उनका नाम हटा दिया गया। सहारनपुर मेडिकल कॉलेज से नाम हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के आधे-अधूरे बयान को पेश कर राजनीति की जा रही है। कांग्रेस और सपा ने गफलत पैदा करने का प्रयास किया है। सपा सरकार के समय सुपर सीएम ने बाबा साहेब पर क्या कहा था, यह किसी से छिपा नहीं है। राहुल गांधी बताएं कि क्या संसद में बीजेपी सांसद पर हमला संवैधानिक माना जाएगा। कांग्रेस और सपा को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। इनके कृत्य सफल नहीं होंगे। जनता उन्हे बार-बार ख़ारिज कर चुकी है, आगे भी खारिज करेगी। हम सब जानते हैं कि देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण ने बाबा साहेब का बड़ा योगदान था। सीएम ने कहा कि भारत के संविधान शिल्पी के रूप में भारत वासी बाबा साहेब का सम्मान करते हैं। बाबा साहेब के सपनों का भारत बनाने के लिए बीजेपी ने ईमानदारी से काम किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी की सरकार हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली बीजेपी सरकार, सभी ने बाबा साहेब को सम्मान देकर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा। बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंच तीर्थ बनाया। उनकी स्मृति को सदैव के लिए जीवंत बनाया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली एनडीए सरकार में दलित और वंचित सरकार की योजना का हिस्सा बना है। डबल इंजन सरकार की शौचालय, पीएम आवास, नि:शुल्क राशन, आयुष्मान योजना सहित अन्य सभी योजनाओं से दलित वर्ग को लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार बाबा साहेब से प्रेरणा लेकर उनके मूल्य व आदर्श से समर्पित होकर काम कर रही है। वहीं कांग्रेस का इतिहास-दलित और वंचित को उनके अधिकार से वंचित करने का रहा है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य वंचित तबके को शासन की सभी प्रकार की सुविधाओं से आच्छादित किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहेब के मूल्यों के प्रति समर्पित होकर कार्य कर रही है।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, जिसका इतिहास देश के अंदर भारत के दलितों और वंचितों का अपमान करना है। इनका इतिहास तुष्टिकरण के आधार पर दलितों और वंचितों को उनके अधिकारों से पूरी तरह रोकने के कुत्सित चेष्टा का हिस्सा रहा है। कांग्रेस ने तुष्टिकरण के आधार पर देश को विभाजन के कतार पर पहुंचने का कार्य भी किया है

महाकुंभ महात्म्य : 1400 वर्षों से चीनियों की पहली पसंद रहा है प्रयागराज

महाकुंभनगर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज तकरीबन 1400 वर्ष से चीनियों की पहली पसंद है। इसका स्पष्ट उल्लेख चीनी यात्री ह्वेनत्सांग ने भी अपनी पुस्तक में किया है। भारत की सांस्कृतिक विरासत से चीन और आसपास के देश खासे आकर्षित होते रहे हैं। इसीलिए प्राचीन काल में चीन ने बारी-बारी अपने पांच यात्रियों को भारत के सांस्कृतिक महत्व की जानकारी लेने के लिए भेजा। ह्वेनत्सांग ने यहां आकर 16 वर्षों तक भारत के कोने-कोने का अध्ययन किया। 644 ईस्वीं में उसने शक्तिशाली राजा हर्षवर्धन के राज्य को सबसे ज्यादा अन्न वाला बताया। यही नहीं उसने अपनी किताब में लिखा है कि प्रयागराज जलवायु, स्वास्थ्य और सबसे ज्यादा फल वाले वृक्षों का क्षेत्र है। प्रयागराज व आसपास के लोग विनम्र, सुशील और विद्याप्रेमी होते हैं। यहां तमाम पुरातत्व और सर्वेक्षण से भी सिद्ध होता है कि प्रयाग यूं ही तीर्थराज नहीं बना।

प्रयागराज की सांस्कृतिक महत्ता के बारे में ह्वेनत्सांग ने अपनी किताब सी-यू-की में लिखा है कि देश के बड़े-बड़े राजा और महाराजा यहां पर दान का उत्सव मनाने एकत्र हुआ करते थे। इनमें सबसे प्रतापी और शक्तिशाली राजा हर्षवर्धन का शासन काल सबसे प्रमुख रहा। ह्वेनत्सांग की किताब में प्राचीनकाल में प्रयाग के महात्म्य का रोचक वर्णन मिलता है। ह्वेनत्सांग ने लिखा है कि प्राचीन काल में प्रयागराज में बड़े स्तर पर धार्मिक उत्सव मनाया जाता था, जिसमें 5 लाख से अधिक व्यक्ति एकत्र होते। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के बड़े-बड़े राजा और महाराजा हिस्सा लेते थे। उसने लिखा है कि इस बड़े राज्य का विस्तार 500 ली (05 ली = 01 मील) तक है। प्रयाग दो पवित्र नदियों गंगा और यमुना के बीच 20 ली के घेरे में है। यहां की जलवायु उष्ण है। साथ ही स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद अनुकूल वातावरण है।

चीनी यात्री ने लिखा है कि नगर में एक देव मंदिर है (किले के भीतर वर्तमान में पातालपुरी मंदिर) जो अपनी सजावट और विलक्षण चमत्कारों के लिए जग प्रसिद्ध है।

लोगों की मान्यता है कि यहां पर एक पैसा चढ़ाने से एक हजार मुद्राएं दान करने के बराबर पुण्य मिलता है। मंदिर के आंगन में विशाल वृक्ष (अक्षय वट) है, जिसकी शाखाएं व पत्तियां बहुत दूर तक फैली रहती हैं। यहां स्नान करने मात्र से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। प्रयागराज में आने वाले लोग 07 दिनों तक भोजन नहीं करते और एक दिन चावल खाते हैं। दो नदियों के बीच सुंदर और स्वच्छ बालू से ढंका मैदान है। यहीं संगम पर देश के सबसे समृद्ध लोग आते हैं और अपना सर्वस्व दान कर चले जाते हैं।

प्रयागराज की मेजा तहसील में बेलन व टोंस नदी के जमाव में पुरा पाषाण काल, मध्य पाषाण काल और नवपाषाण काल का सांस्कृतिक विकास क्रम भी देखने को मिलता है। इसके अलावा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग ने 1962-63 में बेलन, सेवती क्षेत्र में सर्वेक्षण का काम किया था, जिसमें हनुमानगंज, लोन घाटी, मझगवां जैसे पुरा स्थान प्रकाश में आए।

बेलन घाटी के सर्वेक्षण से प्रारंभिक मानव के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं। यहां प्राप्त सांस्कृतिक अवशेषों और मृदभांडों के टुकड़ों से यहां निवास करने वालों की जानकारी मिलती है। यहां मिली वस्तुओं से नवपाषाण संस्कृति के विकसित होने का पुख्ता प्रमाण मिलता है।

सरस्वती पत्रिका के संपादक अनुपम परिहार बताते हैं कि चीनी यात्री ह्वेन त्सांग दूसरे ऐसे चीनी यात्री हैं, जिन्होंने भारत खासकर प्रयागराज के बारे में इतने विस्तार से लिखा है। अनुपम परिहार ने खुद भी अपनी किताब प्रयाग की धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत किताब में सम्राट हर्षवर्धन को प्रजा के विकास के लिए त्रिवेणी संगम पर सबसे बड़ा आयोजन करने वाला प्रतापी राजा बताया है। वो कहते हैं कि सम्राट हर्षवर्धन की तरह ही मौजूदा दौर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रयागराज के विकास के नायक हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में इस बार महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए 6 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च की जा रही है। ये उनकी विकासवादी नीतियों का ही परिणाम है कि दुनिया का सबसे वृहद उत्सव प्रयागराज में आयोजित होने जा रहा है।

मणिपुर और हरियाणा की जनता को दिया गया महाकुंभ का न्यौता

गुवाहाटी/चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य बनाने के लिए देशभर में रोड-शो के माध्यम से आम जनता और गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा और असम में भव्य रोड-शो आयोजित किए गए। हरियाणा में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने रोड-शो का नेतृत्व करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर उन्हें महाकुंभ में शामिल होने का आमंत्रण दिया। वहीं, असम के गुवाहाटी में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने रोड-शो का नेतृत्व किया। उन्होंने राजभवन में मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से भेंट कर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाकुंभ 2025 में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

रोड-शो के दौरान प्रेस वार्ता कर मंत्रियों ने लोगों को महाकुंभ 2025 के ऐतिहासिक आयोजन की जानकारी दी। मंत्रियों ने कहा कि आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम तट पर प्रयागराज में महाकुंभ का भव्य आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसे दिव्य, भव्य और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे महाकुंभ 2025 में भाग लेकर न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करें, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने का अवसर भी प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में डेढ़ लाख से अधिक शौचालय बनाए गए हैं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है, और पर्यावरण संरक्षण के लिए तीन लाख पौधे लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सात स्तरीय सुरक्षा चक्र, 2,750 सीसीटीवी कैमरे और अत्याधुनिक एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 100 बेड का अस्पताल और आईसीयू की व्यवस्था की गई है।

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज को सजाने के लिए 'पेंट माई सिटी' अभियान चलाया गया है, जिसमें 35 लाख वर्गफुट क्षेत्र में वॉल पेंटिंग की गई है। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 101 स्मार्ट पार्किंग स्थल और 1,249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। डिजिटल खोया-पाया केंद्र और गूगल मैप इंटीग्रेशन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संपादकीय

एक बार फिर पेगासस

इजरायल के जासूसी उपकरण 'पेगासस' का अध्याय एक बार फिर खुल गया है। अमरीकी अदालत में 'व्हाट्स ऐप' की बड़ी जीत हुई है और इजरायली कंपनी एनएसओ समूह को हैकिंग का दोषी करार दिया गया है। जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया भर में व्हाट्स ऐप के 1400 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को निशाना बनाया गया। 2021 में 'पेगासस' का मामला भारत में भी गूंजा था, जब आरोप लगाए गए कि 300 से अधिक मोबाइल फोन में जासूसी उपकरण इंस्टॉल किया गया। उनमें मोदी सरकार के मौजूदा दो मंत्रियों, तीन विपक्षी नेताओं, एक संवैधानिक अथॉरिटी, कई पत्रकारों और उद्योगपतियों को निशाना बनाया गया। संसद में वह जासूसी कांड खूब उछला और विपक्ष ने सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया था कि उनके मोबाइल फोन को हैक किया गया और जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए सरकार उन पर निगरानी रखे थी। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन कुछ ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया। सर्वोच्च अदालत ने विशेषज्ञों की जो समिति गठित की थी, उसकी रपट भी सार्वजनिक नहीं की गई। अलबत्ता अगस्त, 2022 में तकनीकी विशेषज्ञों की उस समिति का यह कथन जरूर सामने आया कि जिन मोबाइल फोन की जांच उसने की है, उनमें जासूसी उपकरण का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं पाया गया, लेकिन उस जांच-प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने सहयोग नहीं दिया। यानी दाल में कुछ काला जरूर है। अब मामला इजरायली कंपनी एनएसओ और व्हाट्स ऐप के बीच का है। एनएसओ का तर्क है कि पेगासस कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को अपराध से लडऩे और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने में मदद करता है। उसकी तकनीक का मकसद आतंकवादियों और कठोर अपराधियों को पकडऩे में मदद करना है। व्हाट्स ऐप ने 2019 में एनएसओ पर निषेधाज्ञा और हर्जाने की मांग करते हुए आरोप लगाया था कि बिना अनुमति के व्हाट्स ऐप सर्वर तक उसने पहुंच बनाई और प्रयोगकर्ताओं के मोबाइल पर पेगासस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया। इससे पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित 1400 से अधिक लोगों की निगरानी की गई। व्हाट्स ऐप के प्रमुख ने अदालत के फैसले को निजता और गोपनीयता की बड़ी जीत माना है। माना जाता रहा है कि स्पाइवेयर कंपनियां अपने गैर-कानूनी कामों के लिए जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। भारत के संदर्भ में गृह मंत्रालय ने लोकसभा में खुलासा किया था कि केंद्र और राज्य सरकारें आईटी कानून, 2000 और भारतीय टेलीग्राफ कानून, 1885 के अनुसार, सूचनाओं को 'इंटरसेप्ट' करने, 'मॉनीटर करने' और 'डिकोड' करने को अधिकृत हैं। इस संदर्भ में 10 एजेंसियों को अधिकृत किया गया है, लेकिन अच्छी तरह काम कर रहे लोकतंत्र की तरह भारत में कोई स्वतंत्र निगरानी, निरीक्षण नहीं है। कोई राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी नहीं है, लिहाजा जासूसी के जरिए सूचनाएं हासिल करने में कानून और शक्तियों के दुरुपयोग भी होते रहे हैं। सर्वोच्च अदालत वाली कमेटी ने भी जिन मोबाइल फोन की जांच की थी और स्पाईवेयर की मौजूदगी मानी थी, लेकिन वे पेगासस ही थे, कमेटी ऐसा नहीं मानती। निजता और सुरक्षा के बीच पेगासस सरीखे जासूसी उपकरणों की व्याख्या की जानी चाहिए।

अमरीकी अदालत में 'व्हाट्स ऐप' की बड़ी जीत हुई है और इजरायली कंपनी एनएसओ समूह को हैकिंग का दोषी करार दिया गया है। जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया भर में व्हाट्स ऐप के 1400 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को निशाना बनाया गया। 2021 में 'पेगासस' का मामला भारत में भी गूंजा था, जब आरोप लगाए गए कि 300 से अधिक मोबाइल फोन में जासूसी उपकरण इंस्टॉल किया गया। उनमें मोदी सरकार के मौजूदा दो मंत्रियों, तीन विपक्षी नेताओं, एक संवैधानिक अथॉरिटी, कई पत्रकारों और उद्योगपतियों को निशाना बनाया गया। संसद में वह जासूसी कांड खूब उछला और विपक्ष ने सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया था कि उनके मोबाइल फोन को हैक किया गया और जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए सरकार उन पर निगरानी रखे थी। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन कुछ ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया। सर्वोच्च अदालत ने विशेषज्ञों की जो समिति गठित की थी, उसकी रपट भी सार्वजनिक नहीं की गई। अलबत्ता अगस्त, 2022 में तकनीकी विशेषज्ञों की उस समिति का यह कथन जरूर सामने आया कि जिन मोबाइल फोन की जांच उसने की है, उनमें जासूसी उपकरण का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं पाया गया, लेकिन उस जांच-प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने सहयोग नहीं दिया। यानी दाल में कुछ काला जरूर है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय

योगेश कुमार गोयल

सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया।

देश में उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया।

पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया। ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

दृष्टि कोण

हिमाचल भी याद करेगा ओमप्रकाश चौटाला को

ओम प्रकाश चौटाला जी के निधन से राजनीति के एक अध्याय का पटाक्षेप हो गया। आप उनकी राजनीति को पसंद या नापसंद कर सकते थे, पर अनदेखा नहीं कर सकते। हरियाणा के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। पंजाब और हरियाणा हिमाचल प्रदेश के पड़ोस के दो महत्वपूर्ण राज्य हैं। संयोग से दस वर्ष तक जब मैं हिमाचल का मुख्यमंत्री रहा, तब अधिकतर समय पंजाब में सरदार प्रकाश सिंह बादल और हरियाणा में श्री ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री रहे। दोनों बड़े कदावर नेता थे और निर्णय लेने में सक्षम थे। पंजाब और हरियाणा हिमाचल की अपेक्षा दोनों बड़े राज्य हैं और मैं सरदार बादल जी का और श्री चौटाला जी का बड़े भाईयों की तरह आदर करता था और हमारे व्यक्तिगत सम्बन्धों का हमारे राज्यों की अंतरराज्यीय समस्याओं के समाधान में भी लाभ मिलता था। आज श्री चौटाला को श्रद्धांजलि देते हुए मैं कुछ घटनाओं का उल्लेख करना चाहूंगा जो उनके स्नेह को प्रकट करती हैं। श्री चौटाला जी को मैं पहली बार भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय 11, अशोक रोड, नई दिल्ली में मिला था। वह दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कृष्ण लाल शर्मा जी को मिलने आए थे। शर्मा जी ने मेरा परिचय उनसे करवाया। उसके बाद लगातार उनका स्नेह मिलता रहा। सरदार प्रकाश सिंह बादल पटियाला जेल से रिहा होकर चंडीगढ़ आए थे। मैं उन्हें मिलने गया, बादल साहब घर पर नहीं थे। सरदार सुखबीर सिंह बादल ने बताया कि वह चौटाला जी को मिलने गए हैं। उन्होंने बादल साहब को फोन किया और कहा कि धूमल जी मिलने आए हैं, चौटाला जी ने बादल साहब से फोन ले लिया और कहा मेरी बात धूमल जी से करवाओ। मुझे फोन पर आमन्त्रित किया कि उनके निवास पर आ जाऊं ताकि बादल साहब और चौटाला जी दोनों मिल जाएं। मैं चौटाला जी के निवास पर चला गया। वहां पर उन्होंने बड़े स्नेह से स्वागत किया और हम सब बैठ गए। रात्रिभोज वहीं पर किया। बाजरे की रोटी, सरसों का साग, मक्खन और स्वीट डिश के तौर पर गुड़ खाकर सबको बहुत आनंद आया और घर गांव का माहौल था। हमारे यहां टांडा में मेडिकल कॉलेज नया नया खुला था। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय चिकित्सा परिषद) के निरीक्षण की सूचना मिली। एक विषय के विशेषज्ञ डॉक्टर व प्रोफेसर हमारे पास नहीं थे। मुझे बताया गया कि हरियाणा में इस विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, अगर चौटाला साहब से बात हो तो उनसे प्रार्थना की जानी चाहिए। मैंने फोन किया, चौटाला साहब प्रदेश के टूर पर थे। उन्हें संदेश भेजा गया। आधे घंटे में फोन आ गया। चौटाला जी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा, 'कहिए मुख्यमंत्री जी क्या आदेश है?' मैंने कहा भाई साहब आदेश नहीं, प्रार्थना है, और अपनी सारी समस्या उन्हें बताई। उन्होंने कहा ठीक है, अभी साढ़े चार बजे हैं। हम आज पांच बजे से पहले डॉक्टर को रिलीव कर देंगे। कल सवेरे वह आपके पास ज्वाइन कर लेगा। मैंने उनका कोटि-कोटि धन्यवाद किया और हमारी समस्या का समाधान हो गया। एक बार हमारे परिवहन सचिव मेरे पास हड़बड़ाहट में आए और कहा कि बड़ी गंभीर समस्या आ गई है, हरियाणा के परिवहन मंत्री आ रहे हैं और हमारी बसें उनके ज्यादा क्षेत्र में चलती हैं और उनकी हमारे कम क्षेत्र में। समता के नियम के तहत हमारी कई बसें बंद हो जाएंगी। मैंने चौटाला साहब से फोन पर बात की और कहा कि पंजाब और हरियाणा बड़े भाई हैं और हिमाचल छोटा भाई है। आप दोनों के पास हवाई सेवा है, रेल सेवा है, पर हमारे पास तो सडक़ परिवहन ही है, जोकि हमारी जीवन रेखा है। क्या छोटे भाई को तंग करने की ठानी है? चौटाला जी बोले मुख्यमंत्री जी, बात क्या है, हमने तो कुछ ऐसा नहीं किया। मैंने उन्हें परिवहन मंत्री के कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने तुरंत कहा, चिंता मत करो, हमारा मंत्री आएगा आपके पास, चाय पीएगा और वापस आ जाएगा, आपकी बसें जैसे चलती हैं वैसे ही चलती रहेंगी। उन्होंने अपने मंत्री को शिमला पहुंचने से पहले इस निर्णय के बारे में सूचित कर दिया और मंत्री महोदय मुझे मिलकर वापस चले गए। एक बार किसी औद्योगिक संस्थान के विरुद्ध चौटाला सरकार ने सख्त कार्रवाई कर दी, वो बहुत तंग हुए। एक बड़े नेता ने मुझे कहा कि बहुत से लोग सरकार से निवेदन कर चुके हैं, पर मुख्यमंत्री नहीं मान रहे, हमने सुना है कि चौटाला जी आपकी बात मानते हैं, आप बात करो। मैंने कहा छोटे भाई के तौर पर अपने प्रदेश के हित में उनसे प्रार्थना करता हूं और उनका बड़प्पन है कि वो मेरी बात मान लेते हैं। मैं आपकी बात उन तक पहुंचा दूंगा, राहत देना न देना उन पर निर्भर करता है। मैंने रात को चौटाला जी को फोन किया और सारी बात बता कर उन्हें कहा कि जो उचित समझें वो निर्णय लें। उन्होंने बात सुनी और खामोशी हो गई। जब काफी देर तक आवाज नहीं आई तो मैंने सोचा उन्होंने फोन काट दिया। मैं फोन रखने ही वाला था, तभी आवाज आई, मुख्यमंत्री जी आपने बोला, हमने उन्हें अभयदान दिया, पर उनसे कह देना हमारे विरोधी के टैंट कम लगाया करे।

कुछ अलग

मुद्दे, मुर्गे और मुर्दे

नेता लोग आम आदमी से पूछ-पूछ कर थक गए हैं कि भाया मुद्दा तो बता, मुद्दा क्या है? और कुछ नहीं तो फैज़ अहमद फैज़ के अंदाज़ में ही बोल दे क्योंकि लब आज़ाद हैं तेरे। हे पार्थ! कोई प्रश्न पूछने पर तू अपने ऊपर होने वाली एफआईआर से मत डर। फिर चाहे फैज़ अहमद फैज़ की तरह जेल में सड़ या उमर ख़ालिद, साई बाबा या सिद्दीकी कप्पन की तरह जमानत को तरस। पर बोल तो सही। तू बोलता नहीं और हम संसद या विधानसभा में तेरा मुद्दा उठा नहीं पाते। तू बोलना नहीं चाहता और हम हैं कि तेरा मुद्दा उठाने के लिए मरे जा रहे हैं। भाई अब कुछ तो बोल दे। आज़ादी के बाद भी और आज़ादी के अमृत काल में भी अपने दिल में दबाई सदियों की पीड़ा और हसरतों के साथ जीने वाले भले आदमी, कुछ तो बोल दे। कुछ तो बोल। और कुछ नहीं तो गाली ही दे दे। अपुन तो आंख से अंधे हैं। अपुन को कुछ दिखता नहीं। भ्रष्टाचार के रथ पर सवार होकर न महंगाई दिखती है, न ग़रीबी, न बेरोजग़ारी, न शिक्षा, न स्वास्थ्य। न किसान दिखते हैं न युवा। औरतें दिखती हैं न उन पर होने वाले अत्याचार। न पर्यावरण और न ग्लोबल वार्मिंग। सत्ता की धुंध आंखों में इतना गहरा उतर गई है कि अपने और अपनों के अलावा कुछ नज़र नहीं आता। आईने में झांकने पर अपना चेहरा नहीं दिखता। कानों में सत्ता का घी इतना घना है कि कभी कोई आवाज़ भीतर तक पहुंचती नहीं और तू है कि ख़ामोश बैठा है। कुछ तो बोल। पर तुझे शायद दुष्यंत का वह शे'र याद हो- 'गिड़गिड़ाने का यहां कोई असर होता नहीं, पेट भरकर गालियां दो, आह भरकर बद्दुआ।' क्योंकि हम तो चिकने घड़े हैं, जिन पर न लाज का पानी टिकता है और न करमों की लादी। हमारी माटी तेरी माटी से नहीं मिलती। मरने के बाद भी हम लोग यमदूतों की ज़ेड सिक्योरिटी में अलग-थलग पड़े रहते हैं। यह बात अलग है कि हम लोग जिंदा रहते हुए भी मुर्दा ही जीते हैं।बिना किसी भाव के, घने संवेदनाशून्य। अपने में खोये हुए। लकड़ी के कीड़े भले कुरसी खा जाएं। पर हम ऐसे कीड़े हैं जो न जाने कितनी शताब्दियों से देश को खाते आ रहे हैं। किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना ही हमारा धर्म है। तू सदियों की पीड़ा मन में लिए चचा ग़ालिब का शे'र गुनगुनाता रहता है- 'मैं भी मुंह में ज़बान रखता हूं, काश पूछो कि मुद्दआ क्या है।' पर कभी बोलता नहीं और हम इसलिए बेफिक्र हैं कि तू कभी बोलता नहीं। हम तो केवल विपक्ष पर आरोप लगाने के लिए कहते हैं कि विपक्ष मुद्दों पर बात नहीं करता। कभी गोबर और समोसों की बात करता है तो कभी जंगली मुर्गों की। उधर विपक्ष हम पर आरोप लगाता है कि हम आम लोगों के मुद्दों पर चर्चा करने से भागते हैं। लेकिन सत्ता और विपक्ष चोर-चोर मौसरे भाई हैं। दोनों का उद्देश्य एक ही रहता है कि आम लोगों के मुद्दे मुर्दा ही रहें। बस एक ही मुद्दा रहे कि कोई मुद्दा न हो। सदन में दोनों फ्रैंडली मैच खेलते हुए जम कर हंगामा करते हैं। तू राज्य विधानसभा के वर्तमान सत्र को ही देख। खरबों के कज़ऱ्.तले दबे प्रदेश में इतने मुद्दे थे बहस करने को। पर विपक्ष जंगली मुर्गे को निशाना बनाता रहा। कभी विधानसभा परिसर में जंगली मुर्गे के प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन करता रहा तो कभी बॉयकॉट और हम उसे कोसते रहे। सदियों से आदमी के साथ रहते हुए मुर्गा भले अब जंगली न रहा हो, पर आदमी आज भी जंगली है। यक़ीन न हो तो देश भर में माननीयों का चरित देख। देश के सर्वोच्च सदन में बैठ कर जिस तरह दोनों पक्ष हंगामा करते हैं, उसे देख कर तो जंगल भी शरमा उठता है। रही बात आम आदमी से जुड़े मुद्दों की, वे राजनीति में सदा मुर्दा ही रहते हैं।

देश दुनिया से

एकता के अभाव में राष्ट्र का उत्थान नहीं

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म, रिश्ते और रोजगार के अतिरिक्त भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य कारणों से चाहे दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी देश का निवासी बनकर क्यों न रहता हो, उसका अपना एक समाज, अपनी एक अलग दुनिया होती है। इसी प्रकार, अलग-अलग जगहों पर रहते हुए मनुष्य की समस्याएं, दुविधाएं, आवश्यकताएं, आकांक्षाएं और उसके पास उपलब्ध सुविधाएं भले ही अलग-अलग प्रकार की हों, परंतु एक बात सभी मनुष्यों के जीवन पर लागू होती है और वह है मानव एकता तथा एकजुटता के साथ उसका आगे बढऩा। दरअसल, मानव जाति की एकता की जरूरत दुनिया को आरंभिक काल से ही रही है। हालांकि, मनुष्य जाति के लिए अपेक्षित एकता और एकजुटता कभी कायम नहीं हो पाई, जबकि यह सच है कि एकता और एकजुटता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध होता है। जाहिर है कि मानव जाति की एकता और एकजुटता के साथ उसके आगे बढऩे की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने-अपने स्तर पर दुनिया के तमाम देशों को गंभीर प्रयास करने ही होंगे। हालांकि, यह उतना भी आसान कार्य नहीं है कि सारे देश एक दूसरे के निकट आ जाएं और दुनिया में एकता एवं एकजुटता कायम करने के लिए अपनी-अपनी नीतियों में बदलाव कर लें, लेकिन समय की मांग यही है कि गुटबाजियों को छोड़ और खेमेबंदियों को तोड़ कर हर हाल में दुनिया के सभी देश एक दूसरे के निकट आएं और साथ-साथ चलने के लिए संकल्पबद्ध हों। यह तभी संभव होगा, जब सभी छोटे-बड़े देश अपनी जिद्द, लिप्सा, अपने मोह, लालच और संकुचित सोच को परे रख कर विश्वहित एवं मानवहित में सोचेंगे। देखा जाए तो क्षुद्र विचारों और संकुचित सोच में सिमटकर दुनिया और मानवता ने अपना बहुत नाश कराया है। इसलिए अब जरूरी है कि एकता और एकजुटता को 21वीं सदी के लिए एक आधार और प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार करते हुए आगे बढ़ा जाए। हालांकि यह सच है कि वैश्वीकरण ने दुनिया भर के लोगों को आगे बढऩे और विकास करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इस वैश्वीकरण ने दो दुनियाओं के निर्माण की पटकथा लिखी। इनमें एक दुनिया ऐसी बनी, जिसमें केवल गरीब लोग रहते हैं, जहां दु:ख, संकट, परेशानियां, समस्याएं, शोषण और उत्पीडऩ का साम्राज्य खूब फलता-फूलता है। वहीं, वैश्वीकरण ने इसके बिल्कुल पास ही में एक अलग दुनिया भी बनाई, जिसमें कदम-कदम पर अमीरी की दास्तानें लिखी होती है। जाहिर है कि वैश्वीकरण के कारण होने वाले विकास के लाभों और भारों का वितरण दुनिया भर के मानव समुदायों के बीच असमान रूप से हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दुनिया भर में मनुष्यों की एक बड़ी संख्या विकास के मामले में अन्य लोगों से काफी पीछे रह गई। यह विडंबना नहीं तो और क्या है। बहरहाल, 21वीं सदी में मनुष्य की वास्तविक उन्नति और उत्थान को लेकर वैश्विक एकता और एकजुटता के लिए एक संयुक्त वैश्विक प्रयास करने की नितांत आवश्यकता है। बता दें कि दुनिया में जहां कहीं भी जो लोग विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं अथवा पीड़ित, शोषित, दुखी और परेशान हैं या कहा जाए कि व्यवस्था में जिन लोगों तक अब तक मदद सबसे कम या नहीं पहुंच पाई है, उन व्यक्तियों, समुदायों तक आज सहायता पहुंचाने की आवश्यकता है। वैसे, बेहतर तो यह होगा कि जिन्हें व्यवस्था से सबसे अधिक लाभ प्राप्त होता रहा है, वे ही उन तक सहयोग के अपने हाथ लेकर जाएं। जाहिर है कि यदि समर्थ लोग निर्धन और लाचार लोगों तक स्वयं अहयोग का हाथ लेकर जाएंगे तो इससे दोनों ही दुनियाओं के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव तो बढ़ेगा ही, साथ ही, इससे साझी जिम्मेदारी की संस्कृति भी विकसित होगी और दुनिया में एकता और एकजुटता के कायम होने में आसानी भी होगी। देखा जाए तो एकता और एकजुटता के विराट महत्व को आत्मसात करते हुए हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों ने इसे बहुत महत्व दिया था। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में आरंभ से ही एकता और एकजुटता महान मानवीय गुण माने जाते रहे हैं। हालांकि, इसके लिए प्रमाण की जरूरत नहीं, फिर भी यदि दुनिया के इतिहास को उठाकर देखा जाए तो पता चलता है कि दुनिया में आज तक सभी महान कार्य मानव जाति की एकता एवं सहयोग से ही संभव हो पाए हैं। तात्पर्य यह कि महान एवं बड़े कार्यों को पूरा करने हेतु दुनिया में मानवीय एकता का होना परम आवश्यक है। साथ ही, विभिन्न समस्याओं यथा- भुखमरी, निर्धनता, अशिक्षा, आतंकवाद, उग्रवाद, हिंसा, लूट, भ्रष्टाचार एवं अन्य तमाम समस्याओं का निराकरण भी एकल नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से ही सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इतना ही नहीं, विश्व भर में समावेशी विकास को अंजाम तक पहुंचाने, अनेकता में एकता के जीवन मूल्य को चरितार्थ करने, सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं एकता के महत्व को प्राप्त करने हेतु भी अंतरराष्ट्रीय मानव एकता महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में भी एकता को महत्वपूर्ण मूल्य के रूप में परिभाषित किया जा चुका है। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एकजुटता के आयोजन और प्रदर्शन से विविधता में एकता को बढ़ावा और इसकी उपयोगिता को सम्मान होगा। वैसे, देखा जाए तो एकजुटता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय के लिए परस्पर एक दूसरे की देखभाल और चिंता की जाए। मनुष्य के लिए आपस में एकजुटता प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि परस्पर एक-दूसरे का सम्मान किया जाए और एक-दूसरे की जरूरतों और परिस्थितियों से संबंधित बेहतर समझ पैदा की जाए। गौरतलब है कि परस्पर एक-दूसरे से जुड़ी हमारी यह विस्तृत दुनिया एकत्व के भाव के साथ एक-दूसरे को ऊपर उठाने एवं मनुष्य की व्यक्तिगत सफलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पूरे मानव समाज की समृद्धि के लिए समग्र रूप से प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। तात्पर्य यह कि जब हम एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं अथवा दुःख-दर्द और लाचारी में एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तो ऐसा करके केवल एक-दूसरे के प्रति सहयोग का भाव ही नहीं प्रकट कर रहे होते, बल्कि एकता और एकजुटता को कायम करने के संकल्प की सिद्धि भी कर रहे होते हैं। इतना ही नहीं, एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाकर या आवश्यकता पडऩे पर एक-दूसरे का हाथ थामकर हम एकत्व की पवित्र और विराट भावना को सम्मानित भी कर रहे होते हैं तथा मनुष्य जाति के लिए अधिक बेहतर और निष्पक्ष भविष्य की दिशा में प्रगति भी कर रहे होते हैं।

आप का नजरिया

तपोवन की सियासी जरूरतें

सियासत को वाकई अब तपोवन की जरूरत है और यह एहसास शीतकालीन सत्र की गवाही में हुआ। विधानसभा ने नए दिन और नए विषय देखे तो नियमों के हवाले से शून्य काल के भीतर 26 विधायक पारंगत हुए। बिना हील हुज्जत विषयों की विभूति लगाए शून्य काल ने मौलिकता और मूलता में प्रदेश का शृंगार किया। सरकार अपना काम करती रही, विपक्ष ने विरोध के तर्कों में प्रदेश को हिलाया, लेकिन इस दौरान लैंड सीलिंग एक्ट की कुछ कीलें खुल गईं, एक आश्रम ने राजनीति को शरण दे दी या कानून से बड़ा प्रभाव अर्जित कर लिया। जाहिर है इस प्रदेश की सामाजिक व आर्थिक संरचना में लैंड सीलिंग एक्ट ने किसान की बिरादरी को जमींदारों से अलग किया, लेकिन जो चाय, सेब या अन्य फलों की खेती करते थे उनके हिस्सेदारी में कुछ नहीं घटा। लैंड सीलिंग कानून में हुए संशोधन के ऊंट अभी संशय के रेगिस्तान में खड़े, कल जब बैठेंगे तो करवटों का पता भी चलेगा। बहरहाल तारीफ यह कि सरकार अपने हिसाब से चौदह विधेयक पारित कराने में सफल हो गई। मात्र चार दिन के सत्र से साढ़े इक्कीस घंटे की कार्यवाही करवा कर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने अपना जौहर दिखाया, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन से जोरावर स्टेडियम के पथ पर सत्ता का सफर सशक्त किया। विपक्षी विधायक न केवल रंग में थे, बल्कि एक सुर और साधना में देखे गए। नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सदन के माध्यम से प्रदेश में अपने रुतबे की खनक पैदा की, तो भाजपा की अनुगूंज में यह प्रदेश अपने लिए चर्चा सुनता रहा। इसलिए विपक्ष की शंकाओं-आशंकाओं की बेबाकी में प्रश्न उछले तो आक्रोश के ज्वालामुखी फटते हुए बहिगर्मन कर गए। दो सालों में 1865 सरकारी संस्थानों में से 1094 स्कूलों का बंद होना, अगर विपक्ष की दोधारी तलवार पर चला मुद्दा रहा, तो प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर एफआरबीएम रिपोर्ट का हवाला गंभीर चेतावनियां दे रहा है। राजकोषीय घाटा 2308.11 करोड़ बढ़ता हुआ सकल घरेलू उत्पाद के 5.76 प्रतिशत तक पहुंच जाए, तो सरकारी इमारतों में सत्ता के झूले नहीं लगने चाहिएं। अगर स्कूलों में छात्र नहीं आ रहे तो ये किसके परिचय की परीक्षा है, लेकिन बंद दफ्तरों के दरवाजों के आगे जनता खड़ी है, तो कुछ परिंदे जरूर सही होंगे। इस दौरान कैग रिपोर्ट के पन्ने अगर प्रदेश के बोर्ड-निगमों के 4901 करोड़ घाटे से लबालब हैं, तो प्रदेश को कई निकम्मे सार्वजनिक उपक्रमों को अलविदा कहना होगा, लेकिन इस सूची के सबसे बड़े गुनाहगार राज्य विद्युत बोर्ड व परिवहन निगम के किस कान में खुजली करें। होंगी सदन में पक्ष-प्रतिपक्ष की चट्टानें और एक दूसरे को पछाडऩे के सबूत, लेकिन शून्य काल में विधायकों के वाहनों को झंडी मांगने वालों ने बेरोजगारी की उपाधियों को कूड़े से उठाने के लिए क्या किया। सदन के बाहर फरियादों की रेहड़ी लगाते कई युवा नौकरी मांगते देखे गए, लेकिन प्रायश्चित यह नहीं कि अब प्रदेश सरकारी रोजगार नहीं दे सकता और उपाय यह नहीं कि निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

इजराइल ने स्वीकारा हमास नेता को उसने ही मारा, हूती विद्रोहियों को भी दी चेतावनी

तेलअवीव, 24 दिसंबर (एजेंसियां) ।

इजराइल ने ईरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या की पुष्टि कर दी है। इजराइल ने कहा कि उसकी सेना ने साल 2024 की शुरुआत में तेहरान में हमास के पूर्व प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या की थी।

इस हत्या का खुलासा रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने किया। उन्होंने यमन के हूती विद्रोहियों को चेतावनी दी जिसमें कहा कि उनके नेतृत्व का भी यही हश्र हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक काट्ज़ ने कहा कि हम हूतियों पर कड़ा प्रहार करेंगे और उनके नेतृत्व को खत्म कर देंगे, जैसा कि हमने तेहरान, गाजा और लेबनान में हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के साथ किया है। इजराइल कैट्ज की टिप्पणी से ऐसा प्रतीत होता है कि पहली बार इजराइल ने इस्माइल हानिया की हत्या की बात स्वीकार की है जो जुलाई में ईरान में एक धमाके में मारा गया था। इस धमाके के पीछे इजराइल का हाथ था और नेताओं ने पहले भी इसके शामिल होने के संकेत दिए थे। रिपोर्टों से पता चलता है कि हत्या में एक विस्फोटक उपकरण का इस्तेमाल किया गया था, जिसे इज़राइली गुर्गों ने कुछ हफ़्ते पहले लगाया था। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हानिया हत्या की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण कृत्य बताया, जिसकी सज़ा ज़रूर मिलेगी। वहीं, कतर और मिस्र के मध्यस्थों ने चेतावनी दी कि इस कृत्य से युद्ध विराम की बातचीत और गाजा में बंधकों की रिहाई पर देरी हो सकती है। यमन में हूती विद्रोही गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रह रही सीमा हैदर हुई प्रेग्नेंट पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़का कहा-जायज बच्चों को तो पाल नहीं सकी अब नाजायज औलाद पैदा कर रही

करांची। नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर के मां बनने की खबरें सामने आने लगी हैं।

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में अपने प्रेमी सचिन के रह रही सीमा हैदर ने कहा है कि वह प्रेग्नेंट है। सीमा के इस बयान के बाद उसका पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़क उठा। उसने कहा कि वह अपने जायज बच्चों की परवरिश नहीं कर सकी और अब नाजायज औलाद पैदा कर रही है। गुलाम हैदर ने कहा कि एक दिन वह कानून की जद में जरूर आएगी। गुलाम हैदर ने एक यूट्यूब लाइव में सीमा हैदर को खूब खरी खोटी सुनाई। एक फॉलोअर की ओर से जब सीमा की प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल किया तो गुलाम ने कहा कि जो औरत अपने जायज औलादों की परवरिश ना कर पा रही है वह नाजायज औलादें पैदा करे या ना करे फर्क नहीं पड़ता। पहले जो बच्चे थे उनकी परवरिश तो कर ना सकी। अब चाहे तो 10 नाजायज औलादें पैदा करे। कानून के हाथ बहुत लंबे हैं। उसे यह अहसास दिया जाएगा। उसे माफ नहीं किया जाएगा। गुलाम हैदर ने कहा कि अदालतों में समय जरूर लगेगा लेकिन सच सामने जरूर आएगा। उसने कहा कि एक गैर मर्द के साथ वह जिस्म के रिश्ते बना रही है और हंसती है ऐसी औरत को क्या कहा जाए। जिसे अपने, बच्चों, शौहर, मां-बाप की इज्जत की परवाह नहीं, उसे क्या फर्क पड़ता है।

बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने भारत से की मांग, पूर्व पीएम शेख हसीना को वापस भेजें...

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार डॉ. तौहीद हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आधिकारिक तौर पर भारत सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की है। हुसैन ने आज मंत्रालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बांग्लादेश ने भारत सरकार को एक नोट वर्बल भेजा है, जिसमें देश में न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के लिए हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 77 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को भारत आ गई थी और तब से वह भारत में ही निर्वासन के तहत रह रही हैं। ढाका स्थित अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य और अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हमने भारत सरकार को एक नोट वर्बल (राजनयिक संदेश) भेजा है, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश न्यायिक प्रक्रिया के लिए उन्हें वापस चाहता है। इससे पहले सुबह गृह सलाहकार जहांगीर आलम ने कहा कि उनके कार्यालय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री के भारत से प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमने उनके प्रत्यर्पण के संबंध में विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी जारी है। आलम ने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच पहले से ही प्रत्यर्पण संधि है और इस संधि के तहत हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है।

रोज पिएं सब्जियों का जूस, खुद को रखें तरोताजा और एनर्जेटिक

लंदन। सब्जियों का जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर सर्दी के मौसम में वेजिटेबल

जूस के फायदे दो गुना बढ़ जाते हैं। ज्यादातर लोग सीधे सब्ज़ी खाना पसंद नहीं करते, ऐसे में वह सब्जियों के जूस के जरिये विटामिन और मिनरल्स की पूर्ति कर सकते हैं। वेजिटेबल्स में प्रोटीन, आयरन, विटामिन और मिनरल जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। जो हमारे शरीर और ब्रेन को ताकत देते हैं। वेजिटेबल जूस कच्ची सब्जियों से बनता है इसलिए यह शरीर को टॉक्सिन को मुक्त करता है। रोज सब्जियों के जूस का सेवन करके ना सिर्फ आप खुद को तरोताजा और एनर्जेटिक रख सकते हैं बल्कि यह कई बीमारियों को भी दूर करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की बात हो या पोषक तत्वों की प्राप्ति की। सब्जियों के जूस के सेवन से आसानी से संभव हो जाता है। वेजिटेबल मिक्स जूस आंतों को साफ करता है और पाचन शक्ति को बढ़ाता है। चुकंदर में कई ताकतवर तत्व होते हैं। इसमें विटामिन, खनिज, कैल्शियम भरपूर पाए जाते हैं। इसे विटामिन बी12 का पावरहाउस माना जाता है। शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने, एनीमिया दूर करने और ब्लड प्रेशर कम करने में चुकंदर का जूस फायदेमंद होता है। पालक हरी पत्तेदार सब्जियों में सबसे पौष्टिक होता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी12 पाया जाता है। इसके अलावा आयरन, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फोलेट और पोटैशियम का भी सोर्स होता है। पालक का जूस या सूप विटामिन बी12 की कमी को पूरा कर सकता है।

क्रिसमस और नए साल की तैयारियों की बीच स्टारबक्स कर्मचारी हड़ताल पर

बिक्री पर पड़ेगा असर, सैलरी और काम करने की कंडीशंस को लेकर उठाया कदम

वाशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां) ।

क्रिसमस का त्यौहार की तैयारी जोरों पर है और बाजारों में अपने घर और प्रतिष्ठानों को सजाने में लगे हैं और एन्जॉय करने के लिए होटल व रेस्टोरेंट बुक कर रहे हैं। वहीं क्रिसमस, न्यू ईयर के मौके पर स्टारबक्स के कैफे में काफी भीड़ होती है लेकिन अमेरिका में स्टारबक्स वर्कर्स यूनियन से जुड़े कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। पिछले कुछ सालों में भारत में भी स्टारबक्स की कॉफी और स्नैक्स पॉपुलर हुए हैं। कॉफी पीने और एक-दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताने लोग स्टारबक्स के कैफे में जाते हैं।

यूनियन का कहना है कि हड़ताल के शुरुआत में लॉस एंजिल्स, शिकागो और सिएटल में स्टारबक्स के कैफे बंद कर दिए गए थे और अब न्यूजर्सी, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया और सेंट लुइस में भी कैफे और स्टोर बंद किए जा रहे हैं। स्टारबक्स ने कहा है कि हड़ताल से अब तक उसके कामकाज पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। इस कंपनी के सिर्फ अमेरिका में ही 16 हजार से ज़्यादा स्टोर हैं।

अब सवाल यह है कि स्टारबक्स के कर्मचारी हड़ताल क्यों कर रहे हैं। कर्मचारियों ने सैलरी और काम करने की कंडीशंस को लेकर यह कदम उठाया है। यूनियन और स्टारबक्स के मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है। कंपनी के मुताबिक वह यूनियन से जुड़े कर्मचारियों के लिए कम से कम 1.5 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी करने को तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यदि स्टारबक्स किसी भी साल में ऐसे कर्मचारी जो यूनियन से नहीं जुड़े हैं, उन्हें कम सैलरी हाइक देता है तो भी वह यूनियन से जुड़े कर्मचारियों की सैलरी में 1.5 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी, लेकिन वर्कर्स यूनाइटेड यूनियन प्रति घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन में 64 फीसदी और तीन साल के अनुबंध वाले कर्मचारियों की सैलरी में 77 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहती है।

यूनियन का कहना है कि कंपनी के कर्मचारियों और सीईओ सहित स्टारबक्स के सीनियर अधिकारियों के बीच सैलरी को लेकर काफी अंतर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक निकोल का एनुअल बेस पे 1.6 मिलियन डॉलर है। उन्हें 7.2 मिलियन डॉलर तक का परफॉर्मेंस रिलेटेड बोनस और हर साल 23 मिलियन डॉकर तक स्टारबक्स शेयर भी मिल सकते हैं।

स्टारबक्स ने कहा है कि वह न केवल बरिस्ता को हर घंटे 18 डॉलर से ज्यादा का भुगतान करती है, बल्कि दूसरे फायदे भी देती है। वर्कर्स यूनाइटेड यूनियन और स्टारबक्स के बीच तमाम चीजों को लेकर बातचीत जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक यूनियन और कंपनी के बीच इस बात पर भी समझौता हुआ है कि कर्मचारियों को केवल सही कारणों के चलते ही नौकरी से निकाला जा सकता है।

यूनियन की ओर से यह हड़ताल ऐसे वक्त में की गई है, जब क्रिसमस के साथ ही नए साल के जश्न की भी तैयारियां चल रही हैं। इससे कंपनी की क्रिसमस पर होने वाली बिक्री पर असर पड़ सकता है। स्टारबक्स की बिक्री में गिरावट आई है, विशेष रूप से कीमत ज्यादा होने और गाजा के खिलाफ इजराइल युद्ध के कारण हुए बॉयकाट के कारण।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्टारबक्स ने कहा है कि जुलाई और सितंबर के बीच वैश्विक बिक्री में 7 फीसदी की गिरावट आई है। चीन में यह गिरावट और ज्यादा है, जहां बिक्री में 14 फीसदी की गिरावट देखी गई।

बांग्लादेश : स्वतंत्रता सेनानी की मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, पहनाई जूतों की माला

ढाका, 24 दिसंबर (एजेंसियां) । बांग्लादेश के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों में से एक अब्दुल हई कानू को कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर परेशान और अपमानित करने का मामला सामने आया है। इस घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में फैली अराजकता को उजागर किया है।

लगभग दो मिनट का एक वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें जमात कार्यकर्ताओं को कानू को जूतों की माला पहनाते हुए नजर आते हैं। लोग बुजुर्ग व्यक्ति को घर से बाहर जाने को कहते हुए दिखाई देती है।कानू चटगांव के कोमिला जिले के चौड्डाग्राम उपजिला के बतिसा यूनियन के लुडियारा गांव के रहने वाले हैं।कई रिपोर्टों से पता चला है कि कानू रविवार की सुबह स्थानीय बाजार गए थे। यहां कुछ लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और कुलियारा हाई स्कूल के सामने ले गए, जहां उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।कानू अवामी लीग सरकार के पतन के बाद अपने गांव लौटे थे। उन्होंने स्थानीय मीडिया को बताया कि एक व्यक्ति ने उनके गले पर चाकू भी रख दिया।

बांग्लादेशी ऑनलाइन समाचार पोर्टल बांग्ला न्यूज 24 ने स्वतंत्रता सेनानी के हवाले से कहा, मुझे लगा था कि इस बार मैं गांव में आराम से रह पाऊंगा। लेकिन उन्होंने मेरे साथ पाकिस्तानी लकड़बग्घों से भी ज्यादा हिंसक व्यवहार किया।

बीर प्रोतीक या बहादुरी का प्रतीक बांग्लादेश का चौथा सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है। कानू उन 426 लोगों में शामिल हैं जिन्हें 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान अनुकरणीय साहस दिखाने के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक कानू को धमकी देने वाले लोगों में से एक कट्टर आतंकवादी था, जो 2006 में दुबई चला गया था और 5 अगस्त के बाद वापस लौटा, जब मोहम्मद यूनुस और उनकी अंतरिम सरकार ने देश की कमान संभाली।वर्तमान सरकार ने देश की सबसे बड़ी मुस्लिम पार्टी जमात-ए-इस्लामी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत लगाया गया प्रतिबंध तुरंत हटा दिया था।पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बांग्लादेश के युद्ध नायकों के खिलाफ इस तरह की घृणित कार्रवाई सहन नहीं की जा सकती। यह देश की गरिमा और इतिहास पर सीधा हमला है। आवामी लीग ने देशवासियों से इसके खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया।

बर्फबारी

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के बाद चारों ओर सफेद बर्फ की चादर सी नजर आ रही।

पाक की सैन्य अदालत के फैसले पर अमेरिका-ब्रिटेन ने उठाया सवाल, इमरान समर्थक 25 प्रदर्शनकारियों को सुनाई है सजा

वाशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अरसे से सवालों के घेरे में रहे पाकिस्तान की सैन्य अदालत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन ने एकबार फिर सवाल उठाया है। एकदिन पहले सोमवार को पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने इमरान खान के 25 समर्थकों को दो-दस साल की सजा सुनाई। इन्हें 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आरोपी बनाया गया था। पाकिस्तान की सैन्य अदालत के सोमवार के फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाशिंगटन इसे लेकर बहुत चिंतित है कि 9 मई 2023 को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए एक सैन्य कोर्ट ने पाकिस्तानी नागरिकों को सजा सुनाई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच का अभाव है और यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है। इस फैसले पर यूरोपीय संघ का भी बयान सामने आया है। यूरोपीय संघ ने कहा कि ये सजाएं नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के तहत पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं से मेल नहीं खातीं हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान के समर्थक 9 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी को लेकर उग्र हो गए थे।

इजराइल में रेगिस्तानी खेती को मिलेगा नया जीवन

येरुशलम, 24 दिसंबर (एजेंसियां) ।

वर्तमान में वारजोन तब्दील देश इजरायल ने प्राचीन इस्लामिक वाटर हार्वेस्टिंग तकनीकों को अपनाकर एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है। यह तकनीक 12वीं सदी के बीच पानी की कमी वाले रेगिस्तानी इलाकों में खेती के लिए उपयोग में लाई जाती थीं।

वर्तमान में यह अध्ययन बार-इलान विश्वविद्यालय और यरूशलम स्थित इजरायल एंटीक्विटीज अथॉरिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है। उन्होंने ईरान, गाजा, मिस्त्र, अल्जीरिया और इबेरिया के अटलांटिक तटों की पारंपरिक जल प्रबंधन और मिट्टी सुधार तकनीकों का अध्ययन कर इजरायल के भूमध्यसागरीय तटीय इलाकों में उनका उपयोग किया। इस शोध का उद्देश्य सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में खेती को बचाना और खाद्य असुरक्षा की समस्या को हल करना है। इन तकनीकों में उस पानी का उपयोग किया जाता है जो शहरी रिहायशी इलाकों या वर्षा जल संचयन से प्राप्त होता है। स्थानीय जैविक सामग्री और शहरी कचरे का उपयोग कर रेतीली मिट्टी की परत को उपजाऊ मिट्टी में बदला जाता है।

इस मिट्टी में सब्जियां, खजूर, तरबूज और अंगूर जैसी फसलें उगाई जाती हैं। खास बात यह है कि इन तकनीकों में पानी का छिड़काव करने के बजाय जमीन के भीतर जमा पानी और बारिश के जल का उपयोग किया जाता है। इससे फसलों की जड़ों तक पानी की पर्याप्त आपूर्ति होती है, जिसमें बर्बादी बेहद कम होती है। इस अध्ययन ने दिखाया कि ये प्राचीन तकनीकें न केवल पानी की कमी को दूर करने में कारगर हैं, बल्कि रेगिस्तानी और सूखे इलाकों में खेती के लिए एक स्थायी समाधान भी प्रदान करती हैं। शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र में उन मुस्लिम वैज्ञानिकों और किसानों का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इन परंपरागत तरीकों को संरक्षित और साझा किया। शोधकर्ताओं का मानना है कि इन तकनीकों को अपनाकर आज के जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी और खाद्य असुरक्षा जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटा जा सकता है। यह अध्ययन पर्यावरण आर्कियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ है और इसे वैश्विक स्तर पर सराहा जा रहा है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले रोहित ने कहा– हम मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक

मेलबर्न, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि वे वर्तमान में केवल आगामी टेस्ट मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने कहा कि हमने चल रही बीजीटी सीरीज के पर्थ टेस्ट में वास्तव में बहुत अच्छी क्रिकेट खेली।

रोहित ने कहा, हमने वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला, हम भाग्यशाली भी रहे, जब हमने पर्थ में पहला टेस्ट मैच जीता, जब आप 150 रन पर आउट हो जाते हैं, तो आपको लगता है कि आप थोड़ा दबाव में हैं, और फिर लड़कों का रवैया, जिस तरह से उन्होंने वापसी की और ऑस्ट्रेलिया को 100 रन पर आउट कर दिया, उससे पता चलता है कि एक ऐसा रवैया है जहां कोई भी टेस्ट मैच के आखिरी दिन या टेस्ट मैच का आखिरी ओवर फेंके जाने तक हार नहीं मानना चाहता है, और यही रवैया हम लंबे समय से अपनाते आ रहे हैं, जब आप विदेश दौरे पर जाते हैं, तो आपको पता होता है कि आपको अतिरिक्त प्रयास करना होगा, टीम के भीतर वह अतिरिक्त रवैया होना चाहिए, और यही कुछ ऐसा है जो हमने उस टेस्ट मैच में दिखाया। उन्होंने कहा कि एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया खेल में थोड़ी पीछे थी और अच्छा नहीं खेली। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, दोनों पक्षों ने मौजूदा बीजीटी सीरीज़ में मजबूत क्रिकेट का प्रदर्शन किया है। और फिर जाहिर है कि एडिलेड में, हम खेल में थोड़े पीछे थे, हमने अच्छा नहीं खेला, जिसे मैंने स्वीकार किया।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी महिला टी20 और वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान के करीब पहुंचीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के बीच इस समय तीन

मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेली गई थी, जिसे भारतीय टीम ने 2–1 से अपने नाम किया था। भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसका फायदा उन्हें आईसीसी रैंकिंग में हुआ है। मंधाना वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 और वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में बाएं हाथ की खिलाड़ी मंधाना दोनों प्रारूपों में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी वनडे में रेटिंग 739 है। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट 773 रेटिंग के साथ हैं। मंधाना के टी20 में रेटिंग 753 है, जो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेथ मूनी के 757 रेटिंग से थोड़े से कम है। मंधाना ने इस सप्ताह वेस्टइंडीज महिला टीम के खिलाफ दो टी20 मैचों में 62 और 77 रन बनाए और दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने वडोदरा में पहले वनडे में 91 रन की पारी खेली। विरोधी टीम में सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने भी बल्ले से अपनी श्रेष्ठता दिखाई। सप्ताह भर में दो टी20 में नाबाद 85 रन और 22 रन बनाए, जिससे वह टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। एनाबेल सदरलैंड को हुआ लाभ– ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में मैच जीतने के प्रयासों से उन्हें आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में तेजी से लाभ हुआ है। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे और तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद तीनों सूचियों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ स्थिति हासिल की है। पहला मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीत लिया था।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित निकी प्रसाद होंगी कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी आईसीसी अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। निकी प्रसाद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि सानिका चालके उपकप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी, 2025 से 02 फरवरी, 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। निकी की कप्तानी में भारत ने बांग्लादेश हराकर अभी हाल ही समाप्त हुए अंडर–19 महिला एशिया कप का खिताब जीता था। अंडर–19 विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 समूह में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 4 टीमें शामिल हैं। भारत, जो गत चैंपियन है, को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है। कुआलालंपुर का बायुमास ओवल भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम अपना अभियान 19 जनवरी, 2025 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू करेगी। ग्रुप स्टेज मुकाबलों के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप से तीन टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ग्रुप ए और ग्रुप डी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी जबकि ग्रुप 2 में ग्रुप बी और ग्रुप सी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी। सुपर सिक्स चरण में प्रत्येक टीम अपनी जीत, अंक और नेट रन–रेट (एनआरआर) को आगे बढ़ाएगी जो कि उनकी साथी सुपर सिक्स क्वालीफाइंग टीमों के खिलाफ सुरक्षित है। प्रत्येक टीम सुपर सिक्स चरण में अलग–अलग स्थानों पर समाप्त होने वाले संबंधित समूहों के विरोधियों के खिलाफ दो गेम खेलेगी। दो सुपर सिक्स चरण समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल 31 जनवरी, 2025 को होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 02 फरवरी, 2025 को होगा। भारतीय अंडर–19 महिला टीम इस प्रकार है: निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप–कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस। स्टैंडबाय खिलाड़ी: नन्दना एस, इरा जे, अनादि टी।

पीकेएल मेलबर्न रेड में वापसी करेंगे प्रो कबड्डी के लेजेंड अनूप कुमार, अजय ठाकुर, टीमों की हुई घोषणा

मेलबर्न, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

बहुप्रतीक्षित पीकेएल मेलबर्न रेड के साथ प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी के रोमांच को ऑस्ट्रेलिया ले जाकर इतिहास रचने के लिए तैयार है। यह इवेंट पीकेएल–11 के मेगा फाइनल से एक दिन पहले शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 को प्रतिष्ठित जॉन कैन एरिना में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक इवेंट की शाम के माध्यम से फैंस को टॉप लेबल कबड्डी एक्शन देखने को मिलेगा, जिसमें चार दुर्जेय टीमें एक दूसरे का सामना करेंगी। पीकेएल ऑल स्टार मावेरिक्स, पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स और प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स ऐसी तीन टीमें होंगी, जिनमें पीकेएल के सर्वश्रेष्ठ भारतीय कबड्डी खिलाड़ी शामिल होंगे। साथ ही स्टार खिलाड़ियों से सजी ऑस्ट्रेलियाई टीम आसीज रेडर्स भी इस अनोखे इवेंट में वर्चस्व के लिए संघर्ष करेगी।

अजय ठाकुर, परदीप नरवाल, अनूप कुमार, राकेश कुमार, मनिंदर सिंह, सचिन तंवर और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने से फैंस खेल के रोमांच को सीमाओं से परे ले जाने वाले एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद कर सकते हैं।

इस अनूठे आयोजन से पहले पीकेएल के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम मेलबर्न में पीकेएल परफॉर्मेंस के लिए दुनिया के सबसे प्रमुख स्पोर्ट्स डेस्टीनेशन शहरों में से एक–विजिट विक्टोरिया–द्वारा आमंत्रित किए जाने से रोमांचित हैं। पीकेएल मेलबर्न रेड कबड्डी की बढ़ते ग्लोबल अपील को दर्शाता है, जो दिग्गजों के साथ–साथ मौजूदा सितारों को भी एक साथ लाता है। भारत में जारी पीकेएल सीजन 11 के अंतिम चरण में आने से, यह हमारी लीग की क्षमताओं को प्रदर्शित करने के साथ–साथ वास्तव में विश्व स्तरीय खेल के रूप में कबड्डी की ऊर्जा को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है।

पीकेएल मेलबर्न रेड में हिस्सा ले रही टीमों की सूची नीचे:

पीकेएल ऑल स्टार मावेरिक्स

अजय ठाकुर (रेडर/कप्तान), दीपक हुड्डा (रेडर), आदेश (रेडर), राकेश (रेडर), परदीप नरवाल (रेडर), नितिन रावल (लेफ्ट कॉर्नर+ रेडर), आदित्य पंवार (लेफ्ट कॉर्नर), नितेश कुमार (राइट कॉर्नर), मयूर कदम (राइट कवर), प्रियांक चंदेल (लेफ्ट कवर), नितिन (लेफ्ट कॉर्नर), सचिन तंवर (रेडर)।

कोच: ई. भास्करन

पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स

राकेश कुमार (रेडर/कप्तान), अनूप कुमार (रेडर), सुकेश हेगड़े (रेडर), जय भगवान (रेडर), मनिंदर सिंह (रेडर), जीवा कुमार (लेफ्ट कवर), संदीप नरवाल (राइट कवर), विशाल भारद्वाज (लेफ्ट) कॉर्नर), सौरभ नांदल (राइट कॉर्नर), मोहित (राइट कवर), रण सिंह (राइट/लेफ्ट कॉर्नर), नितेश (लेफ्ट कॉर्नर)।

कोच: बी.सी. रमेश

प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स

अनूप कुमार (रेडर/कप्तान), राकेश कुमार (रेडर), सुकेश हेगड़े (रेडर), जय भगवान (रेडर), मनिंदर सिंह (रेडर), जीवा कुमार (लेफ्ट कॉर्नर), संदीप नरवाल (राइट कॉर्नर), विशाल भारद्वाज (लेफ्ट कवर), सौरभ नांदल (दाएं कोने), मोहित (दाएं कवर), नितेश (बाएं कोने)।, कोच: ई. भास्करन

आसीज रेडर्स

जोश कैनेडी (लेफ्ट इन/रेडर/कप्तान), मार्क मर्फी (कार्नर/ रेडर), डैन हैनबेरी (लेफ्ट कवर कॉर्नर), ब्रेट डेलेडियो (रेडर), बेन नुगेंट (मिडिल कवर/रेडर), बिली गॉवर्स (लेफ्ट कॉर्नर/रेडर), माइकल हिबर्ड (लेफ्ट कॉर्नर), ट्रेंट मैकेंजी (राइट इन), डायसन हेपेल (रेडर/लेफ्ट कॉर्नर), लियाम शिएल्स (राइट कॉर्नर/रेडर)। कोच: कैंपबेल ब्राउन।

चैंपियंस बनाने की एक भावपूर्ण यात्रा है खो-खो विश्व कप 2025 प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

खो–खो विश्व कप 2025 प्रशिक्षण शिविर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी है, जो भारत के हर कोने से आए 120 युवा, जीवंत प्रतिभाओं (60 पुरुष और 60 महिला) को एकजुट कर रहा है। ये सिर्फ खिलाड़ी नहीं हैं; वे भारत के जुनून, धैर्य और आशा की धड़कन के प्रतीक हैं, जो इस पारंपरिक खेल की कहानी में एक नया अध्याय लिखने के लिए एकजुट हो रहे हैं। जम्मू और कश्मीर की शांत घाटियों से लेकर तमिलनाडु की हलचल भरी सड़कों तक, ओडिशा के लयबद्ध खेतों से लेकर गोवा के चमकते तटों तक, यह शिविर भारत की अविश्वसनीय विविधता का एक मिश्रण है। प्रत्येक एथलीट न केवल अपने सपने, बल्कि अपने परिवार, समुदाय और उस राज्य की आकांक्षाएं लेकर आया है जिसका वे गर्व से प्रतिनिधित्व करते हैं। कई लोगों के लिए, इस शिविर तक पहुंचना पहले से ही एक जीत है – चुनौतियों पर जीत, चाहे वह आर्थिक कठिनाइयां हों, संसाधनों की कमी हो, या प्रतिस्पर्धी खेलों में सीमित अनुभव हो। यह शिविर कोई साधारण शिविर नहीं है। यह भव्य खो–खो विश्व कप 2025 के लिए टीम इंडिया के निर्माण में पहला कदम है, जहां इन खिलाड़ियों को खेल को उसकी देहाती जड़ों से वैश्विक मंच तक ले जाने का अवसर मिलेगा। जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप से सावधानीपूर्वक चुने गए कुल 120 खिलाड़ी अब अनुभवी प्रशिक्षकों और फिजियोथेरेपिस्ट की निगरानी में प्रशिक्षण लेते हैं। शिविर का अंतिम लक्ष्य 30 खिलाड़ियों (15 पुरुष और 15 महिलाएं) को चुनना है, जो तिरंगे रंग की जर्सी पहनेंगे और भारत के खो–खो गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। शिविर अश्वनी कुमार शर्मा, सुमित भाटिया, शिरीन गोडबोले और विनय कुमार जयसवाल जैसे विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की उपस्थिति से समृद्ध है, जो इन खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए वर्षों का अनुभव लेकर आए हैं। इस बीच, डॉ. शशांक और डॉ. वंदना जैसे फिजियोथेरेपिस्ट यह सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ियों की फिटनेस चरम पर हो। खो–खो, भारतीय मिट्टी में गहराई से रचा बसा खेल, हमेशा एक खेल से कहीं अधिक रहा है। यह एक विरासत है जो पीढ़ियों से चली आ रही है, इसे खेतों, आँगनों और स्कूल के मैदानों में खेला जाता है।

मिलान में फुटबॉल सीरीज

मिलान में सीरीज एक फुटबॉल मैच में खेलते हुए इंटर मिलान और कोमो क्लब के खिलाड़ी।

जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी प्रीमियर लीग लॉन्च करने के लिए किया रग्बी इंडिया के साथ करार

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अग्रणी, जीएमआर स्पोर्ट्स ने, रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) को लॉन्च करने के लिए रग्बी इंडिया के साथ ऐतिहासिक 10–वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। 2025 में पदार्पण के लिए तैयार, आरपीएल दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी–आधारित रग्बी लीगों में से एक होगी, जिसमें छह शहर–आधारित टीमें शामिल होंगी। यह साझेदारी जीएमआर स्पोर्ट्स के लिए एक साहसिक कदम का प्रतीक है क्योंकि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे गतिशील खेलों में से एक रग्बी 7एस के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की अपनी विरासत का विस्तार करती है। इस परिवर्तनकारी सहयोग पर जीएमआर स्पोर्ट्स के अध्यक्ष, किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, जीएमआर स्पोर्ट्स में, हम ऐसे मंच बनाकर भारत में खेलों के भविष्य को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं जो एथलीटों और प्रशंसकों को समान रूप से प्रेरित करते हैं। रग्बी प्रीमियर लीग सिर्फ लीग नहीं बल्कि– यह जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देते हुए भारत में विश्व स्तरीय रग्बी लाने का एक आंदोलन है।

रग्बी इंडिया के साथ साझेदारी हमारे द्वारा छुए जाने वाले प्रत्येक खेल में अवसर पैदा करने और उत्कृष्टता के लिए मानक स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम भारतीय खेलों में इस रोमांचक नए अध्याय में सबसे आगे रहने के लिए उत्साहित हैं।

रग्बी प्रीमियर लीग भारत में रग्बी के विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करते हुए दर्शकों को लुभाने का वादा करता है। युवा भारतीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के सामने उजागर करके और शीर्ष स्तरीय कोचिंग देकर, लीग का लक्ष्य खेल के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने लीग की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए कहा: रग्बी प्रीमियर लीग भारत में रग्बी के लिए एक गेम–चेंजर है। वर्ल्ड रग्बी के समर्थन और जीएमआर स्पोर्ट्स की विशेषज्ञता के साथ, हम एक लीग देने के लिए तैयार हैं।

आईएलटी20 सीजन 3 के लिए डेजर्ट वाइपर्स में शामिल हुए कुशल मल्ला

दुबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के हरफनमौला खिलाड़ी कुशल मल्ला को आईएलटी20 के आगामी तीसरे सीजन के लिए डेजर्ट वाइपर्स ने साइन किया है। मल्ला इस महीने के उद्घाटन नेपाल प्रीमियर लीग में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे। डेजर्ट वाइपर्स ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मल्ला नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे के प्रतिस्थापन के रूप में वाइपर्स में शामिल होंगे, जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि मल्ला अभी भी केवल 20 वर्ष के हैं। टूर्नामेंट समाप्त होने के एक महीने बाद वे 21 वर्ष के हो जाएंगे। मल्ला के पास पहले से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अनुभव है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ने फरवरी 2020 में यूएसए के खिलाफ 15 साल और 340 दिन की उम्र में अपना वन–डे इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जिससे वे उस प्रारूप में खेलने वाले आठवें सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए। मल्ला ट्वेंटी–20 अंतरराष्ट्रीय (टी–20) में नेपाल के पांचवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 47 मैचों में

एक शतक, चार अर्द्धशतक और 147.66 के स्ट्राइक रेट के साथ 917 रन बनाए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में 500 से ज़्यादा रन बनाने वाले किसी भी नेपाली बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ़ मल्ला ने नाबाद 137 रन की शतकीय पारी सिर्फ़ 50 गेंदों में खेली थी, इस दौरान उन्होंने आठ चौके और 12 छक्के लगाए थे और यह पुरुष टी–20 के इतिहास में तीसरे नंबर के बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। मल्ला ने 39 वनडे मैचों में एक शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 768 रन भी बनाए हैं, और वह नेपाल के लिए अंतरराष्ट्रीय सफ़ेद गेंद के दोनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले केवल चार पुरुष खिलाड़ियों में से एक हैं। इसके अलावा, उन्होंने एकदिवसीय और टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 43 विकेट लिए हैं और वह इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका और कैरेबिया में आईसीसी टी–20 विश्व कप में भाग लेने वाली नेपाल टीम के सदस्य थे। कुशल मल्ला के अनुबंध पर डेजर्ट वाइपर्स के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, कुशल का डेजर्ट वाइपर्स में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह एक युवा खिलाड़ी है, लेकिन इतने कम उम्र में उसके पास उच्च स्तर पर काफी अनुभव है, इसलिए हम जानते हैं कि वह वाइपर्स के सेट–अप में कदम रखने से विचलित नहीं होगा। यह भी एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात है कि कुशल नेपाल प्रीमियर लीग के बाद हमारे पास आ रहा है, प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेल रहा है। मूडी ने कहा, बल्लेबाज के तौर पर, कुशल लगभग हर जगह खेल सकता है, ट्वेंटी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज से लेकर सातवें नंबर तक बल्लेबाजी कर चुका है, और इस प्रारूप में उसका स्ट्राइक–रेट दिखाता है कि वह कितना खतरनाक खिलाड़ी है।

सेल को संचार उत्कृष्टता के लिए मिले आठ राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) की ओर से स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को आठ राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। यह पुरस्कार रायपुर में आयोजित एक सम्मेलन में दिए गए।

इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि सेल को ये पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 रायपुर में आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में दिए गए। यह सम्मेलन यहां 20-22 दिसंबर के दौरान आयोजित हुआ था। मंत्रालय ने कहा कि सेल को विभिन्न श्रेणियों में मान्यता दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक सेल ट्रैक के लिए ई-न्यूजलेटर, कॉर्पोरेट फिल्म (अंग्रेजी), सेल गौरव दिवस समारोह के लिए सर्वश्रेष्ठ संचार अभियान (आंतरिक सार्वजनिक), सेल समाचार के लिए हाउस जर्नल (अंग्रेजी), इस्पात संयंत्र प्रौद्योगिकियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पीआर कार्यक्रम, हरित इस्पात को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट अभियान में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग, कॉर्पोरेट वेबसाइट तथा वार्षिक रिपोर्ट के लिए पुरस्कृत किया गया है। सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने इस पुरस्कार की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार सेल की छवि और पहुंच को बढ़ाने में हमारी संचार पहल के विभिन्न प्रयासों को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि सेल ने हमेशा प्रभावी संचार पर जोर दिया है, जो कंपनी की छवि को आकार देने और बेहतर हितधारक संबंध बनाने में अहम भूमिका निभाता है। ये सम्मान संचार में उत्कृष्टता के लिए सेल के समर्पण का प्रमाण है। इसके साथ ही सेल के सभी कर्मचारियों ने इस उपलब्धि की सराहना की है।

न्यूज ब्रीफ

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या हुई 25,202

नई दिल्ली। देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या 25,202 हो गई है। देश में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जर की संख्या अब 25,000 के आंकड़े को पार कर चुकी है। देश के भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि कर्नाटक 5,765 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद महाराष्ट्र 3,728 स्टेशनों के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 1,989 स्टेशनों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 29 सितंबर 2024 को पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को नोटिफाई किया था, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करना और देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस योजना के लिए दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपये सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट, मंडी में 36 रुपये से घटकर 17 रुपये प्रति किलो हुआ दाम

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले की लासलगांव प्याज मंडी में हाल ही में प्याज की कीमतों में गिरावट देखी गई है। पिछले कुछ दिनों से प्याज की कीमतें मात्र 17 रुपये 25 पैसे प्रति किलो तक आ गई हैं, जो पहले 36 रुपये प्रति किलो थी। इस गिरावट से प्याज उत्पादक किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नासिक की लासलगांव मंडी में प्याज की आवक में भी इजाफा हुआ है, जिससे बाजार में 25,000 बोरी प्याज उपलब्ध हैं। दिसम्बर के महीने के लिए, प्याज के दाम में 700 रुपये से लेकर 2851 रुपये प्रति क्विंटल तक का अंतर है। प्रशासनिक स्तर पर प्याज उत्पादक किसान सरकार से मांग कर रहे हैं कि 20 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी को हटाया जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से इस मुद्दे पर विचार किया है, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह मुद्दा न केवल नासिक के किसानों के लिए बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि सरकार जल्दी से जल्दी इस मसले पर कदम उठाएगी और किसानों की समस्याओं का समाधान करेगी।

भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक महत्वपूर्ण योजना पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ उनकी हरित हाइड्रोजन परिवहन योजना के लिए समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य है ओडिशा में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एनटीपीसी की इस योजना के तहत भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिससे छोटी और लंबी दूरी तक की हाइड्रोजन बसें चलाई जा सकेंगी। इससे डीजल चलने वाली बसों पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। एनटीपीसी ने पिछले कुछ सालों में कई बड़े शहरों में इसी प्रकार की पहल की है, जैसे कि सूरत, लेह, ग्रेटर नोएडा, और गुजरात के कांडला में। इसके साथ ही कंपनी विशाखापत्तनम में एक हरित हाइड्रोजन केंद्र भी विकसित कर रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य है कि वर्ष 2032 तक 60,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना। इस योजना से ओडिशा को हरित हाइड्रोजन परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे प्रदूषण कम होगा और वायु प्रदूषण पर प्रभाव भी कम होगा। यह साथ ही एनटीपीसी की योजनाएं भारत को ऊर्जा स्वायत्तता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं।

एनएसीडीएसी की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री पहले दिन ही निवेशकों के पैसे डबल हुए

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एनएसीडीएसी इंफ्रा के शेयरों ने स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। कंपनी के शेयरों की 90 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ मार्केट में एंट्री हुई। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया, जिसके कारण पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

एनएसीडीएसी इंफ्रा के शेयर आईपीओ के तहत 35 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 66.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इसे हाथों हाथ लिया, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 69.82 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

एनएसीडीएसी इंफ्रा का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2,209.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 236.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 4,084.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 2,503.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत कंपनी की ओर से 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.60 लाख शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एनएसीडीएसी इंफ्रा की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ये कंपनी रेजिडेंशियल और कमर्शियल मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाने के साथ ही इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर्स बनाती है। इसने अभी तक भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार के 45 प्रोजेक्ट्स को पूरा किया है।

टाटा ग्रुप का आईपीओ लिस्टिंग की तैयारी में

मुंबई। आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है, जैसे कि देश का सबसे बड़ा औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने अपनी एक कंपनी को लिस्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर (करीब 17,035 करोड़ रुपए) का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने इसके लिए कुछ प्रमुख निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है। जनवरी तक अतिरिक्त बैंकर्स की नियुक्ति भी की जा सकती है। इस खबर के बाद टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 8 फीसदी उछाल देखने को मिला। यह आईपीओ टाटा ग्रुप की रणनीतिक योजनाओं का हिस्सा है और निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर सकता है। आरबीआई के नियमों के अनुसार टाटा संस और टाटा कैपिटल को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में क्लासिफाई किया गया है और उन्हें सितंबर 2025 तक अपने शेयरों को लिस्ट कराना जरूरी है। टाटा कैपिटल में टाटा संस की 93 फीसदी हिस्सेदारी है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चुनाव नियमों में बदलाव...

चुनावी प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा तेज़ी से कम हो रही है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इसे बहाल करने में मदद करेगा।केंद्र सरकार ने चुनाव से संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए सीसीटीवी कैमरों और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है, ताकि उनके दुरुपयोग को रोका जा सके। निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश पर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियमावली, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है, जिससे सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को सीमित कर दिया गया है।चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल-1961 के नियम 93(2)(-) में बदलाव किया है। नियम 93 कहता है- चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे। इसे बदलकर चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज 'नियमानुसार' पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे कर दिया गया है।पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें सीसीटीवी फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया है।एउ के मुताबिक, नॉमिनेशन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में किया गया है। जबकि कोड ऑफ कंडक्ट के दौरान उउढत फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते।

बैंक में हुई लूट...

बयान में कहा गया कि घायल बदमाश को चिनहट के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया और बाद में लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।बयान में कहा गया कि उसके पास से मिली डायरी से बदमाश की पहचान सोबिंद कुमार के रूप में हुई जिस पर इनाम घोषित था।अमिताभ यश ने बयान में कहा कि सोबिंद के पास से एक पिस्तौल, कारतूस, एक कार में कुछ नकदी तथा सोना-चांदी बरामद किए गए और फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार द्वारा जारी बयान के अनुसार मंगलवार को गाजीपुर जिले की स्वाट निगरानी टीम तथा थाना गहमर पुलिस के संयुक्त दल ने 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी दयाल को मुठभेड़ में मार गिराया और उसके पास से एक पिस्तौल और 35,500 रुपये बरामद किए गए।पुलिस ने बताया कि उसने बारा पुलिस चौकी के पास नियमित जांच के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन संदिग्धों ने बिहार सीमा की ओर भागने की कोशिश की।उसने बताया कि पीछा करने पर संदिग्धों को कुतुबपुर के पास रोका गया जहां उन्होंने अपनी गाड़ी छोड़ दी और पुलिस पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया।डीजीपी ने कहा, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से सनी दयाल गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरा संदिग्ध भाग गया। सनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में गाजीपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इंडियन ओवरसीज बैंक की चिनहट शाखा में रविवार को लूट का मामला सामने आया था। शाखा प्रबंधक संदीप सिंह ने बताया कि अपराधी बगल के खाली भूखंड की तरफ से दीवार तोड़कर बैंक में घुसे और करीब 40 लॉकर से सामान लूटकर ले गए।

इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक ने एक बयान में कहा था, लूट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी है। यह घटना लखनऊ में हमारी चिनहट शाखा में पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बावजूद हुई। हम अधिकारियों को उनकी जांच में सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।इसके पहले सोमवार को पुलिस ने लूट में शामिल तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया था जिनकी पहचान अरविंद कुमार (घायल), बलराम और कैलाश के रूप में हुई। ये सभी बिहार के रहने वाले हैं और उन्हें लौलाई गांव के पास से पकड़ा गया।सोबिंद कुमार, सन्नी दयाल, मिथुन कुमार और विपिन कुमार वर्मा सहित चार साथी शुरू में भागने में सफल रहे थे।

जयाप्रदा के खिलाफ...

आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान रामपुर की पूर्व सांसद एवं अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। मामले में रामपुर निवासी मुस्तफा हुसैन ने आजम खां, डॉ. एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खां, आयोजक मो. आरिफ, रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खां के खिलाफ केस दर्ज कराया था।मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट एमपी सिंह की अदालत में की जा रही है। शनिवार को जयाप्रदा को कोर्ट में हाजिर होकर अपने बयान दर्ज कराने थे लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुईं।उनके वकील द्वारा सोमवार को भी स्थगन प्रार्थनापत्र अदालत में पेश किया गया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। साथ ही जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए मुकदमे की अगली सुनवाई के लिए नौ जनवरी की तिथि निर्धारित की।

इंटरपोल की ...

लिए इंटरपोल के अन्य सदस्य देशों की एजेंसियों से जरूरी जानकारी मांग सकती है। साथ ही अन्य देशों की मदद के लिए क्राइम से जुड़ा डेटा और खुफिया जानकारी शेयर कर सकती है। सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियां विदेश में छिपे भगोड़ों की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल रेड नोटिस, लापता व्यक्तियों के लिए येलो नोटिस, आपराधिक जांच के संबंध में किसी शख्स की पहचान, जगह या गतिविधियों के बारे में जानकारी के लिए ब्लू नोटिस और ऐसे अन्य मुद्दों के लिए सीबीआई को अपने अनुरोध प्रस्तुत करती हैं।इंटरपोल का पूरा नाम 'इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन' है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो सदस्य देशों की पुलिस एजेंसियों के बीच आपराधिक मामलों में सहयोग और समन्वय को यकीनी बनाता है। इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय अपराधों की रोकथाम और जांच में मदद मुहैया करना है। इसकी स्थापना 1923 में की गई थी और मुख्यालय फ्रांस के ल्यो में मौजूद है। इस संगठन में 195 सदस्य देश शामिल हैं, जो इसे संयुक्त राष्ट्र के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संगठन बनाता है। 1949 के बाद से भारत इस संगठन का सदस्य है। भारत में इसका प्रतिनिधित्व सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के माध्यम से किया जाता है।

केन्द्र ने 15वें ...

सेवाओं के लिए किया जा सकता है, और इसमें घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, और विशेष रूप से मानव अपशिष्ट और अपशिष्ट प्रबंधन और (बी) पेयजल की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए।

जांच अधिकारियों को ...

श्री शाह ने अपराध पहचान प्रणाली नेटवर्क और आपराधिक न्यायिक प्रणाली की प्रगति की नियमित आधार पर निगरानी करने और परियोजना को गति प्रदान करने के लिए राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित संवाद पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अज्ञात शवों और व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक का उपयोग किया जाना चाहिए।केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ब्यूरो को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों के लाभ के लिए प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय और ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

हिंदुओं के मुद्दे ...

सांसद श्री थानेदार ने अल्पसंख्यकों पर हमलों के लिए बांग्लादेश को निशाने पर लिया था। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ते मानवाधिकार उल्लंघन को देखते हुए उस पर टार्गेटेड प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। उन्होंने अमेरिका के वित्त और विदेश विभाग से आग्रह किया था कि वो बांग्लादेश के खिलाफ टार्गेटेड प्रतिबंध लगाएं और उन्हें लागू करें।उन्होंने कहा था, मैं वित्त और विदेश विभाग से आग्रह करता हूं कि वो बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य अपराधों को अंजाम देने वालों पर प्रतिबंध लगाएं और उसे लागू करें।उन्होंने कहा कि जुलाई से बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। हिंसा की वजह से ही शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'तब से हमने बांग्लादेश को राजनीतिक उथल-पुथल में डूबते देखा है। वहां की बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रही है।उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री (अंतरिम) मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में नई सरकार का गठन देश के लिए स्थायी शांति के लिए एक कोशिश है। हालांकि, इस नई सरकार के बारे में मेरी अपनी चिंताएं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हमारी सहायता से बांग्लादेश अंततः इन संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान पा लेगा।उन्होंने कहा कि अमेरिका हमेशा से पीड़ितों की मदद करता रहा है और इस मुद्दे पर भी ऐसा ही होना चाहिए। थानेदार ने कहा, जब हमसे कोई मदद मांगता है तो मानवाधिकारों का ध्वजवाहक होने के नाते हमें उचित तरीके से जवाब देना चाहिए। हमें मोहम्मद यूनुस से शांति बहाल करने, समानता और न्याय के सिद्धांतों पर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के अपने वादे को पूरा करने का आग्रह करना चाहिए।उन्होंने कहा, हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गई, उन्हें जलाया गया। इसी महीने, बांग्लादेश के ढाका जिले में हिंदू लोगों पर एक हमले में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। इससे पहले, पूरे बांग्लादेश में 70 से अधिक मंदिरों पर हमले किए गए थे। हिंदू धार्मिक नेताओं को नियमित रूप से संदिग्ध आरोपों में गिरफ्तार किया जाता है और कमजोर समुदायों को डर के मारे अपने घरों से भागने पर मजबूर होना पड़ता है।हिन्दू एक्शन नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अपनी सांसद की बात पर कहा था कि बांग्लादेश में पिछले साढ़े पांच महीनों में जो कुछ हुआ है, उससे साफ पता चलता है कि 'मोहम्मद यूनुस जमात-ए-इस्लामी में अपने सहयोगियों पर काबू करने में विफल रहे हैं जो अब देश भर में घूम रहे हैं, मंदिरों को जला रहे हैं, लोगों की हत्या कर रहे हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार कर रहे हैं और हिंदू समुदाय के पुजारियों और नेताओं को कैद करके उनके खिलाफ अत्याचार कर रहे हैं। जैसा कि सांसद थानेदार ने कहा है, बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाना हमारे वर्तमान प्रशासन के साथ-साथ आने वाले प्रशासन का भी कर्तव्य है।बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त के महीने में हुए छात्र आंदोलन को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा। शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं समेत बाकी धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। इसे लेकर भारत ने कई बार आपत्ति जताई है। वहीं, बांग्लादेश बार-बार मांग कर रहा है कि भारत शेख हसीना को वापस भेजे।सोमवार को ही बांग्लादेश सरकार ने भारत को एक औपचारिक राजनयिक संदेश (नोट वर्बल) जारी किया था जिसमें उनके पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई। विदेशी सलाहकार तौहीद हुसैन ने द डेली को बताया, हमने भारत सरकार को एक नोट वर्बल भेजा है जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश सरकार उन्हें (शेख हसीना को) न्यायिक प्रक्रिया के लिए यहां वापस चाहती है।

वार्षिक राशिफल 2025

6.कन्या राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल आपके लिए एवरेज या फिर एवरेज से बेहतर परिणाम दे सकता है। साल सफलताओं का वर्ष है। अप्रैल तक कोई घर क्रय होगा। धन के आगमन की स्थिति फरवरी से अगस्त और फिर अक्टूबर से वर्षान्त बहुत बेहतर रहेगी। कई वर्षों से रुका धन इस वर्ष आपको प्राप्त होगा। कभी कभी एकदम पॉकेट खाली हो जाएगा। हालांकि शनि के गोचर की बात की जाए तो शनि साल की शुरुआत से लेकर मार्च महीने तक काफी अच्छी परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। वहीं बाद में शनि का गोचर कुछ मामलों में कमजोर परिणाम दे सकता है। वहीं बृहस्पति का गोचर मई के मध्य तक काफी अच्छे परिणाम दे रहा है, जबकि बाद में मिले-जुले परिणाम दे सकता है। इन सबके बीच अनुकूल बात यह रहेगी कि मई के बाद आपके प्रथम और सप्तम भाव से राहु केतु का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। फलस्वरुप व्यापार व्यवसाय में आ रही अड़चने दूर होंगी। दांपत्य संबंधी मामलों में भी अनुकूलता देखने को मिलेगी। विवाह के मार्ग में आ रही बाधाएं दूर होंगी। स्वास्थ्य में भी तुलनात्मक रूप से बेहतरी देखने को मिल सकती है। राशिफल 2025 के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी अच्छे परिणाम मिलने की संभावनाएं हैं। इस तरह से हम पाते हैं कि कुछ एक मामलों को छोड़कर ज्यादातर मामलों में यह साल आपके लिए अनुकूल परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। वर्ष की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति नवम भाव से गोचर करेंगे। मई से गुरु दशम भाव से गोचर करेंगे। अक्टूबर से दिसंबर तक देवगुरु बृहस्पति कन्या राशि वालों के एकादश भाव से गोचर करेगा। देवगुरु बृहस्पति का यह शुभ गोचर पूरे साल आपके जीवन में सुखद परिणाम लाएगा। आपके जीवन में खुशियों का संचार होगा। आपके सभी बिगड़े काम बनेंगे। इस साल गुरु ग्रह की कृपा से आपको धन का अभाव नहीं होगा। गुरु का दशम भाव से गोचर आपके कार्यक्षेत्र में पदोन्नति व आय वृद्धि के संकेत लाएगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। इस साल आपको अच्छा प्रोमोशन मिल सकता है। आपकी इनकम के साधनों में इजाफा होगा।

कैरियर – इस साल में आपके करियर में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं लेकिन इस वर्ष में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। यह साल आपके लिए प्रोफेशनल ग्रोथ और नई दिशा की ओर बढ़ने का समय हो सकता है। यदि आप किसी नए प्रोजेक्ट या कार्य में हाथ डाल रहे हैं तो इसके अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इस समय आप अपनी मेहनत और ज्ञान का सही उपयोग करके महत्वपूर्ण अवसरों को पहचान सकते हैं। यह समय आपके लिए किसी नई पहल को शुरू करने या किसी पुराने प्रयास का फल प्राप्त करने का हो सकता है। इस दौरान काम के दबाव में वृद्धि हो सकती है लेकिन यदि आपने पिछले प्रयासों में ईमानदारी से काम किया है, तो आपको सम्मान और सफलता मिलेगी। आपके सहकर्मी या सीनियर आपके काम की सराहना करेंगे। यदि आप किसी करियर परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं, तो इस समय यह निर्णय लेने के लिए उपयुक्त रहेगा। नए अवसर आ सकते हैं लेकिन निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह से विचार करें। अगर आप प्राइवेट नौकरी में हैं तो आपको नए मौके मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह वर्ष बेहतरीन रहने वाला है। आप अपने टेलेंट के दम पर अपना नाम कमाने में कामयाबी हासिल करोगे। कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा अच्छा रहेगा। जो लोग नौकरीपेशा हैं उनके लिए यह साल ग्रोथ, इंक्रीमेंट व प्रोमोशन लेकर आएगा। अपने काम से आप अपने बॉस को इंप्रेस करेंगे। आपको अपने व्यापार में नौकरी में उम्मीद से अधिक लाभ मिलेगा। नई योजना पर भी आप काम कर सकते हैं। आपकी वित्तीय स्थिति में बहुत सुधार होगा। छात्रों के लिए समय बहुत भाग्यशाली है। वर्ष 2025 के मध्य मे आकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

आर्थिक स्थिति – यह वर्ष आपके लिए विशेष रूप से मंगलकारी रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। आर्थिक मामलों के लिए यह साल बेहतरीन रहेगा। आपको धन कमाने के कई सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। आप नियमित रूप से धन कमाएंगे। कार्यक्षेत्र में आप जितना अधिक फोकस होकर कार्य करेंगे उतना ही अधिक सफल भी रहेंगे। इस साल आपको बिजनेस ट्रिप पर देश-विदेश घूमने का मौका भी मिलेगा। बिजनेस ट्रिप्स आपके लिए सफलता के द्वार खोलेंगी। बिजनेस में आपको अपने सीनियर्स की सलाह काम आएगी। देवगुरु बृहस्पति का पूरे वर्ष शुभ गोचर आपके जीवन में धन-संपत्ति की वृद्धि लाएगा। आपके निवेश आपके लिए धन-बढ़ोतरी के रास्ते खोलेंगे। परिवार में खुशियां आएंगी। कारोबारियों के लिए यह वर्ष बहुत ही शानदार रहेगा। आपके द्वारा किए गए प्रयास और निवेश आपके जीवन में अपार सफलता लेकर आएंगे। आपकी इनकम में बढ़ोतरी होगी। बिज़नेस में मुनाफा मिलेगा। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक धन के कारक बृहस्पति का गोचर आपके लिए अच्छी खासी अनुकूलता दे रहा है। इसके बाद बृहस्पति कर्म भाव में होकर धन भाव को देखेंगे, जो धन बचाने में मददगार बनेंगे। अर्थात आप अपनी कमाई के अनुरूप पर्याप्त धन बचा सकेंगे। पहले से बचाए गए धन की रक्षा सुरक्षा में भी बृहस्पति मददगार बनेंगे।कन्या राशिफल 2025 के अनुसार, शुक्र का गोचर भी ज्यादातर समय धन की रक्षा सुरक्षा में आपकी सहायता करता रहेगा। इस तरह से हम कह सकते हैं कि आर्थिक मामलों के लिए साल 2025 सामान्य तौर पर अनुकूल परिणाम दे सकता है।

परिवार – पारिवारिक मामलों में इस वर्ष किसी बड़ी समस्या के योग नहीं है। आपके दूसरे भाव का स्वामी शुक्र साल के ज्यादातर समय में बेहतर स्थिति में रहेगा। फलस्वरुप पारिवारिक जीवन में अच्छाइयां बनी रहनी चाहिए। परिजन एक दूसरे के साथ यथा संभव सामंजस्य बिठाने की कोशिश करते रहेंगे। मई महीने के मध्य के बाद देवगुरु बृहस्पति पंचम दृष्टि से दूसरे भाव को देखकर घर परिवार के माहौल को अच्छा बनाने की कोशिश करेंगे। इस तरह से हम कह सकते हैं कि इस वर्ष पारिवारिक मामलों में किसी बड़ी समस्या के योग नहीं हैं। अलबत्ता जानबूझकर किसी परेशानी को बड़ा होने नहीं देना है। गृहस्थ

संबंधी मामलों की बात करें तो इस मामले में इस वर्ष आपको मिले जुले परिणाम मिल सकते हैं। मार्च के महीने तक चतुर्थ भाव में कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है। साथ ही साथ चतुर्थेश बृहस्पति भी मई के महीने के मध्य भाग तक अच्छी स्थिति में रहेगा। अतः तब तक सामान्य तौर पर गृहस्थ जीवन भी अनुकूल रहेगा लेकिन मार्च के बाद से शनि का प्रभाव शुरू होगा जो धीरे-धीरे कुछ परेशानियों को बढ़ा सकता है। हालांकि मई महीने के मध्य के बाद भी बृहस्पति चतुर्थ भाव को देखकर अनुकूलता देने की कोशिश करेंगे लेकिन कोई न कोई विसंगति बीच-बीच में परेशान कर सकती है। ऐसे में हम कह सकते हैं कि गृहस्थ संबंधी मामले में मई मध्य तक किसी बड़ी समस्या के योग नहीं है लेकिन मई मध्य के बाद लापरवाही की स्थिति में गृहस्थ जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं। अतः घर गृहस्थी से जुड़े कामों को टाइम से कंप्लीट कर लेना जरूरी रहेगा। अगर हम आपके पारिवारिक जीवन की बात करें तो आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साल के आरंभ से लेकर 18 मई तक केतु के प्रभाव से परिवार के सदस्यों के साथ रिश्ते में तनाव आ सकता है। आपके भाई-बहनों से सहयोग नहीं मिलेगा और परिवार का साथ भी नहीं मिलेगा।

प्रेम – रोमांस – साल का वर्ष प्रेम जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आएगा। साल के आरंभ से लेकर 18 मई तक केतु के संचार के कारण मानसिक उथल-पुथल और रिश्तों में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। इस दौरान आप अपने प्रेमी या जीवनसाथी के साथ मनमुटाव और विवादों का सामना कर सकते हैं। कुछ गुप्त शत्रुओं के कारण भी आपके जीवन में समस्याएं आ सकती हैं, जो आपकी प्रेम जीवन को प्रभावित कर सकती हैं। आपको इस साल अपने पार्टनर का थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और अपने पार्टनर की फीलिंग्स को नजरंदाज करके उनका दिल दुखा सकते हो। आपको एक दूसरे की फीलिंग्स का ध्यान रखना चाहिए नहीं तो आपके लवर को लगेगा की आपने उनकी कद्र करना कम कर दी है। ऐसा होने से आपके रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। इसलिए एक दूसरे का ध्यान दीजिए। साल का मध्य भाग आपकी लव लाइफ़ के लिए बहुत ही खास रहेगा। इस अवधि में आप किसी रोमांटिक ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हो। आपके रिश्ते में प्यार और रोमांस की बढ़ोतरी होगी। आपको एक दूसरे के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। यदि आप मैरिड कपल हैं तो यह साल आपके लिए बेहद ही खास हो सकता है। आप दोनों अपने रिश्तों में मिठास घोलोगे और आपके बीच का प्यार भी बढ़ता चला जाएगा। आप अच्छे से अपनी लाइफ़ को एन्जॉय करोगे। आपको अपने पार्टनर का खास ख्याल रखने की जरूरत है। आप दोनों एक दूसरे को समझने की पूरी कोशिश करेंगे। हो सके तो इस साल अपने पार्टनर के साथ एक ट्रिप प्लान करें। एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने से आप एक दूसरे को अच्छी तरह समझ सकोगे।

शिक्षा – शिक्षा तथा प्रतियोगिता की दृष्टि से यह वर्ष बहुत श्रेयष्कर साबित होगा। संतान की सफलता से मन हर्षित रहेगा। किसी वृष या तुला राशि का जातक आपका बहुत सहयोग करेगा। तकनीकी तथा प्रबंधकीय फील्ड के छात्र आपको लाभान्वित करेंगे। विदेश यात्रा हो सकती है। शिक्षा के दृष्टिकोण से सामान्य तौर पर साल अच्छा कहा जाएगा। किसी बड़े व्यवधान के योग नजर नहीं आ रहे हैं। आपकी मेहनत के अनुरूप आपको शिक्षा के क्षेत्र में लाभ होता रहेगा। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक उच्च शिक्षा के कारक बृहस्पति का गोचर पूरी तरह से आपके लिए अनुकूल रहेगा। स्वाभाविक है कि आप शिक्षा में अच्छा करते रहेंगे। मई मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर आपके कर्म स्थान पर होगा। ऐसे में व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों को थोड़ी मेहनत के बाद अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह गोचर अच्छा कहा जाएगा लेकिन अन्य विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत अधिक मेहनत करने की जरूरत पड़ सकती है। अर्थात सामान्य तौर पर यह साल शिक्षा के लिए अच्छा है लेकिन मई महीने के मध्य के बाद आपकी मेहनत के ग्राफ को बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। ऐसा करने की स्थिति में परिणाम अच्छे बने रहेंगे। बच्चों की सेहत तो अच्छी रहेगी लेकिन आपका मन चंचल बना रहेगा जिसके कारण आप पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाओगे। आपको अपने मन की एकाग्रता बढ़ाने के लिए नियमित रूप से मेडिटेशन करना होगा। नियमित रूप से योगाभ्यास और मेडिटेशन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत अच्छा है। मेडिटेशन से आपका तनाव भी कम होता है। विद्यार्थियों को इस वर्ष अपनी मेंटल हेल्थ को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत है।

स्वास्थ्य – स्वास्थ्य के लिहाज से कन्या राशि के लिए काफी महत्वपूर्ण वर्ष हो सकता है। चूंकि कन्या राशि के लोग अक्सर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हैं, इस वर्ष भी आपको अपनी सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग का अभ्यास करें क्योंकि इस साल आपके लिए मानसिक दबाव बढ़ सकता है। इस वर्ष आपको अपने तनाव को नियंत्रित करने के लिए कुछ तरीके विकसित करने होंगे। हल्की बीमारियां या छोटी-मोटी समस्याएं आ सकती हैं लेकिन अगर आप नियमित व्यायाम करते हैं और सही खानपान का पालन करते हैं तो आप स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से बच सकते हैं। ध्यान रखें कि पूरी नींद लेना और खुद को पर्याप्त आराम देना बहुत जरूरी है। इस वर्ष देवगुरु बृहस्पति की शुभ दृष्टि होने से आप उत्तम सेहत के मालिक रहोगे। आपका मन आध्यात्मिकता के रास्ते पर चलेगा। आपके मन में पवित्र विचार उत्पन्न होंगे। आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा। इस वर्ष आप कई पूजा-पाठ से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे। आप दान-पुण्य में खर्च करोगे। आपके घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। वर्ष की शुरुआत ही आपके लिए कोई बड़ी खुशखबरी लेकर आ सकती है। आपके घर में मांगलिक कार्य होने की संभावना है जिसके चलते आपके घर-परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा। घर की पॉजिटिव एनर्जी आपके स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालेगी। महिलाओं के लिए विशेष तौर पर यह वर्ष सेहत के दृष्टिकोण से अच्छा रहेगा। आपको संतान प्राप्ति से जुड़ी खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। कन्या राशि के बुजुर्गों को मधुमेह, बीपी या जोड़ों के दर्द की शिकायत हो सकती है।

ज्योतिष उपाय– भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया कि भगवान गणपति को दूर्वा अर्पित करके करें साथ ही आप गौशाला में हरे चारे की व्यवस्था कराएं । अपने बड़े-बुजुर्गों, गुरुओं का आशीर्वाद लें। दुर्गा चालीसा का पाठ करें। माता के मंदिर में जाकर माता रानी को लाल फूल और लाल फल अर्पित करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दांतों के बीच गैप वाले लोग इस मामले में होते हैं भाग्यशाली

समुद्र शास्त्र, ज्योतिष शास्त्र का ही एक भाग है, जिसका उपयोग वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के बारे में जानने के लिए भी किया जाता है। समुद्र शास्त्र में यह भी बताया गया है कि जिस व्यक्ति की दांतों के बीच गैप होता है, उनका स्वभाव किस तरह का होता है और वह किस तरह का जीवन जीना पसंद करते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

हर काम में मिलती है कामयाबी

होते हैं बहुत भाग्यशाली

दांतों के बीच गैप वाले लोगों को ऐसे लोगों को समुद्र शास्त्र में काफी भाग्यशाली माना गया है। साथ ही इसमें अद्भुत प्रतिभा भी होती है, जो इन्हें कार्यक्षेत्र में कामयाबी दिलाती है। इन्हें सरल जीवन जीना पसंद होता है। साथ ही यह लोग आत्म-निर्भरता से भरपूर होते हैं।

कैसे होता है स्वभाव?

समुद्र शास्त्र में माना गया है कि जिन लोगों के दांतों के बीच गैप होता है, वह बहुत ही बुद्धिमान होते हैं। साथ ही इन लोगों को अपनी मेहनत के बल पर हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। अपने हर कार्य को यह लोग पूरे उत्साह के साथ पूरा करते हैं। साथ ही यह हर चुनौती का डटकर करते हैं।

कैसा होता है स्वभाव

विचारों की बात करें, तो ये लोग काफी खुले विचार और सरल व्यक्तित्व के होते हैं। साथ ही यह किसी के प्रति बैर नहीं रखते और दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसी के साथ ये लोग दूसरों से बहुत जल्दी घुल-मिल जाते हैं और सभी को अपना दोस्त बना लेते हैं। ये लोग अपनी बात को पूरी ईमानदारी से कहते हैं और इन्हें बिना सिर पैर की बातें करना पसंद नहीं होता।

ये लोग गलती से भी न पहने रुद्राक्ष, वरना शुरू हो जाएंगे बुरे दिन!

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष को बहुत ही पवित्र माना जाता है, क्योंकि इसका संबंध भगवान शिव से माना जाता है। कहा जाता है कि रुद्राक्ष कि उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसे धारण करने से व्यक्ति को अपने जीवन में अनगिनत देखने को मिलते हैं। लेकिन आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन लोगों को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए, वरना इसके विपरीत परिणाम भी मिल सकते हैं।

हो सकता है नुकसान

यदि किसी जातक की कुंडली में ग्रहों की स्थिति ठीक नहीं है, तो ऐसी स्थिति में उसे रुद्राक्ष धारण करने से पहले किसी अच्छे ज्योतिष से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। बिना ज्योतिषीय सलाह के रुद्राक्ष धारण करने से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

न करें ये गलती

रुद्राक्ष के कई प्रकार होते हैं। ऐसे में यदि आप गलत रुद्राक्ष धारण कर लेते हैं, तो इससे भी जीवन में नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसी के साथ कुछ स्वास्थ्य परिस्थितियों में भी रुद्राक्ष पहनने की मनाही होती है, रुद्राक्ष पहनने से शरीर में बहुत ही तेज ऊर्जा का प्रभाव होता है।

ये लोग न करें धारण

गर्भावस्था में भी रुद्राक्ष धारण करना सही नहीं माना जाता, क्योंकि इससे निकलने वाली ऊर्जा शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसी के साथ केवल फैशन के लिए रुद्राक्ष धारण न करें, यदि आप ईश्वर पर विश्वास नहीं रखते, तो ऐसी स्थिति में रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए।

इन लोगों के लिए है मनाही

जो लोग मांस मदिरा का सेवन करते हैं, उन्हें भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। वरना इसके आपको अच्छे परिणाम की जगह बुरे परिणाम मिल सकते हैं। इसी के साथ शमशान या शव यात्रा में जा रहे लोगों को भी रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए।

नए साल में इन राशियों का चमकेगा किस्मत का सितारा

करियर और कारोबार में लगेंगे चार चांद

साल 2025 कई राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। न्याय के देवता शनिदेव और देवगुरु बृहस्पति के राशि परिवर्तन से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। वहीं, जनवरी महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। ग्रहों के राशि परिवर्तन से कई राशि के जातकों की फूटी किस्मत बदल सकती है। साथ ही जीवन में विशेष बदलाव देखने को मिल सकता है। इन राशियों का किस्मत का सितारा चमक सकता है।

ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहों के राजकुमार बुध देव 04 जनवरी को धनु राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध देव 23 जनवरी तक रहेंगे। इसके अगले दिन बुध देव राशि परिवर्तन कर मकर राशि में गोचर करेंगे। बुध देव के धनु राशि में गोचर करने से बुधादित्य योग का निर्माण होगा। इस राशि में पहले से सूर्य देव विराजमान हैं। वहीं, सूर्य देव 14 जनवरी को मकर राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध देव 24 जनवरी को गोचर करेंगे। इससे मकर राशि में भी बुधादित्य योग का संयोग बनेगा।

धनु एवं मकर

वर्तमान समय में सूर्य देव धनु राशि में विराजमान हैं। वहीं, बुध के गोचर से धनु राशि में बुधादित्य योग का निर्माण होगा। इससे धनु राशि के जातकों को लाभ होगा। कर्ज की समस्या से मुक्ति मिलेगी। धन लाभ होगा। वहीं, बुद्धि के जरिए धन कमाने में सफल हो सकते हैं। इसी प्रकार, 24 जनवरी से मकर राशि के जातकों को भी बुधादित्य योग से लाभ होगा। धन अर्जन करने में कामयाब होंगे। आपका प्रभाव बढ़ेगा। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। यश-कीर्ति भी फैलेगी। नौकरी में प्रमोशन मिलता है।

कुंभ एवं मीन

बुध देव के राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों को नए साल में बदलाव देखने को मिल सकता है। नौकरी से जुड़े लोगों को जॉब मिल सकती है। वहीं, आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। इसके साथ ही लोगों के साथ रिश्ते भी मधुर होंगे। इसी प्रकार, बुध देव के मकर राशि में गोचर करने से मीन राशि के जातकों को भी लाभ मिलेगा। जॉब की तलाश कर रहे जातकों को सफलता मिल सकती है। साथ ही धन की समस्या दूर होगी। बिगड़े काम बन सकते हैं। इसके अलावा, मीन और मेष राशि के जातक जो कारोबार से जुड़े हैं, उन्हें भी लाभ प्राप्त होगा। कारोबार में लाभ होगा। कारोबार से संबंधित परेशानी दूर होगी।

बेटी देवी के लिए सेंटा बने अभिनेता करण सिंह ग्रोवर

अभिनेता करण सिंह ग्रोवर अपनी बेटी देवी और पत्नी बिपाशा बसु को खुशियां देने के लिए सेंटा क्लॉज बन गए। अभिनेत्री बिपाशा ने इंस्टाग्राम पर घर पर हुए क्रिसमस सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में करण को सेंटा बनते हुए देखा जा सकता है। इसमें करण का सेंटा के रूप में रैप करते हुए एक वीडियो भी शेयर किया गया है। एक तस्वीर में देवी सजे हुए क्रिसमस ट्री के बगल में खड़ी होकर तस्वीर खिंचवाती हुई दिखाई दे रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह साल का सबसे शानदार समय है।''

बता दें कि बिपाशा ने 2016 में अपने बॉयफ्रेंड करण सिंह ग्रोवर से शादी की। नवंबर 2022 में उनकी बेटी देवी का जन्म हुआ। पिछले महीने इस जोड़े ने मालदीव में अपनी बेटी का दूसरा जन्मदिन मनाया और फिर मुंबई में एक बर्थडे पार्टी रखी, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल हुए।

लोकप्रिय शो 'दिल मिल गए' में अरमान मलिक की भूमिका निभाने के बाद करण स्टारडम में आए। यह मेडिकल ड्रामा 2007 से 2010 तक प्रसारित हुआ। यह हिट सीरीज 'संजीवनी: ए मेडिकल बून' का सीक्वल था। करण की प्रेमिका डॉ. रिद्धिमा गुप्ता का किरदार मूल रूप से शिल्पा आनंद ने निभाया था। करण को 'कुबूल है', 'कुबूल है 2.0' और 'कसौटी जिंदगी की 2' जैसे शो में उनके अभिनय के लिए भी जाना जाता है। अभिनेता 'अलोन', 'हेट स्टोरी 3' और 'फाइटर' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। 2001 में अब्बास-मस्तान की एक्शन थ्रिलर 'अजनबी' में अक्षय कुमार के साथ नकारात्मक भूमिका के साथ अभिनय की शुरुआत करने वाली बिपाशा को विक्रम भट्ट की 2002 की सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर 'राज' से कामयाबी मिली।

इसके बाद वह 'चोर मचाए शोर', 'जिस्म', 'ज़मीन', 'एतबार', 'नो एंट्री', 'ओमकारा', 'कॉर्पोरेट', 'धूम 2', 'रेस', 'बचना ऐ हसीनों', 'राज 3: द थर्ड डायमेंशन' और 'वेलकम टू न्यूयॉर्क' जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। उन्हें पिछली बार क्राइम थ्रिलर सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था।

महेश बाबू की फिल्म एसएसएमबी 29 पर आया बड़ा अपडेट, जनवरी में शुरु होगी शुटिंग!

महेश बाबू और एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 काफी समय से चर्चा में है। लेकिन अब तक इस फिल्म को लेकर धीरे-धीरे अपडेट आते रहे हैं। लेकिन अब इस फिल्म को लेकर जो अपडेट आया है, वो फैंस की खुशी को दोगुना कर देगा। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने जा रही है। देश की पहली 1000 करोड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू होने जा रही है। अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म पर जनवरी 2025 से काम शुरू हो सकता है।ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट दिया है। सबसे बड़ा अपडेट ये है कि फिल्म एक नहीं बल्कि 2 पार्ट में रिलीज होगी। इसके अलावा फिल्म का पूजा मुहूर्त जनवरी 2025 से शुरू होगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि फिल्म की शूटिंग भी इसी समय से शुरू की जाएगी। फिल्म को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। इसके दो पार्ट की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का पहला पार्ट साल 2027 में आएगा और इसका दूसरा पार्ट साल 2029 में आएगा। इन दोनों फिल्मों का संयुक्त बजट 1000 करोड़ रुपये होगा। एसएस राजामौली इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बना रहे हैं। फिल्म एक इंटरनेशनल फीचर होगी। यही वजह है कि मेकर्स इस फिल्म को बनाने में किसी भी तरह की कमी नहीं रखना चाहते हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म का पहला पार्ट 2 साल के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन फिल्म को लेकर अभी और भी कई अपडेट आने बाकी हैं। सबसे पहले तो फिल्म की कास्टिंग पूरी नहीं हुई है फिल्म में एसएस राजामौली मुख्य भूमिका में हैं. वो फिल्म में भगवान हनुमान से प्रेरित किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के नाम को लेकर भी चर्चा है। लेकिन अभी इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

शॉर्ट ड्रेस पहन जाह्नवी कपूर ने बिखेरा हुस्न का जादू

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी ग्लैमरस और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।बी-टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री जाह्नवी कपूर हमेशा अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में भी लोग लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक लाखों यूजर्स ने लाइक कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स कॉमेंट्स और रिएक्शंस के जरिए दिलखोलकर अपना प्यार लूटा रहे हैं।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- सो ब्यूटिफुल। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने डकैत का शेड्यूल पूरा किया

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' की शूटिंग पूरी कर ली है।अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में उन्हें अपनी वैनिटी वैन में मेकअप करवाते हुए देखा जा सकता है। 17 दिसंबर को यह बात सामने आई थी कि अभिनेत्री आगामी फिल्म 'डकैत' में अभिनेता अदिवी शेष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। 'वैरायटी' की रिपोर्ट के अनुसार, यह एक्शन ड्रामा शेनिल देव के निर्देशन में पहली फिल्म है।यह एक गुस्सैल अपराधी की कहानी है जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेने की योजना बनाता है जिसने उसे धोखा दिया था।

सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा निर्मित और सुनील नारंग द्वारा सह-निर्मित इस प्रोजेक्ट की शूटिंग हिंदी और तेलुगु भाषाओं में एक साथ की जा रही है। निर्देशक ने कहानी और पटकथा पर अदिवी शेष के साथ मिलकर काम किया है। वर्तमान में हैदराबाद में इसका प्रोडक्शन चल रहा है, जिसमें महाराष्ट्र में एक व्यापक शूटिंग शेड्यूल की योजना है। 'वैरायटी' के अनुसार, अदिवी शेष ने अपने जन्मदिन पर फिल्म के लीड कलाकार की घोषणा की थी। फिल्म के बारे में बात करते हुए अदिवी शेष ने कहा कि यह एक बेहतरीन एक्शन फिल्म है जिसमें एक दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी भी है। उन्होंने मृणाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बड़े पर्दे पर कुछ बेहतरीन किरदारों को जीवंत किया है। अदिवी शेष ने कहा, हर किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने की उनकी असाधारण क्षमता उन्हें वास्तव में उल्लेखनीय बनाती है। हम मृणाल का 'डकैत' टीम में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं और बड़े पर्दे पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गौहर खान ने शो लवली लोला को बताया कमाल

मनोरंजन जगत की खूबसूरत अभिनेत्री गौहर खान अपने आगामी शो लवली लोला की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। शो के प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा कर रही हैं। गोहर ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह टीम के साथ खूब मस्ती करती नजर आईं।सोशल मीडिया पर अक्सर मजेदार पोस्ट साझा करने वाली अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम पर एक और मजेदार पोस्ट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, लोला के साड़ी और लवली लोला का क्रू, दोनों ही कमाल। यूट्यूब पेज पर जल्दी आ रही है। 25 दिसंबर से, जल्दी करो आप।वीडियो में गौहर खान, क्रेटेक्स, क्रुणाल घोरपड़े के मराठी गाने तांबडी चामडीऴ पर अपनी टीम के साथ थिरकती नजर आईं। इस गाने को क्रेटेक्स-क्रुणाल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल श्रेयस सागवेकर ने लिखे और गाए हैं।बिग बॉस विजेता गौहर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही लवली लोलाऴ में नजर आने वाली हैं। इस शो में गौहर के साथ इशा मालवीय लीड रोल में हैं। गौहर इस शो में 21 साल की मां के किरदार में नजर आएंगी। कॉमेडी से भरपूर इस शो में मां-बेटी के बीच खटपट होती दिखाई देगी।शो का निर्माण रवि दुबे और शरगुन मेहता ने किया है। शो का प्रोमो हाल ही में रिलीज हुआ है। शो यूट्यूब चैनल ड्रीमियता ड्रामा पर स्ट्रीम होगा। लवली लोला शो का पहला एपिसोड 25 दिसंबर को स्ट्रीम होगा।बता दें कि गौहर खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर ट्रेंडिंग रील बनाती रहती हैं। अभिनेत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी मजेदार पोस्ट से भरा पड़ा है। हाल ही में गौहर खान ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह नीति मोहन-साद लैमजारेड के गाने होमा डोल पर थिरकती नजर आई थीं।अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर डांस का वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा था, मुझे साद लैमजारेड और नीति मोहन का नया गाना बहुत पसंद आया था।

बंदिश बैंडिट्स की अभिनेत्री श्रेया ने कहा

नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया मेरे लिए बड़ा पुरस्कार

बंदिश डिट्स सीजन 2 के प्रमुख किरदारों में से एक अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने कहा कि दिग्गज स्टार नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा उनके लिए 'सबसे बड़ा पुरस्कार' है।

पंडित जी का किरदार निभाने वाले नसीरुद्दीन शाह के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए श्रेया ने कहा, नसीरुद्दीन सर मेरी प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं। मैंने सीजन एक में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैं भाग्यशाली थी कि मुझे उन्हें देखने और उनके साथ काम करने का मौका मिला।

अभिनेत्री ने कहा,''सीजन 2 देखने के बाद सर से संदेश मिलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। प्रदर्शन के लिए उनकी प्रतिक्रिया और प्रशंसा मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह बहुत संतुष्टिदायक और आश्वस्त करने वाला है, और मुझे यह एहसास दिलाता है कि एक कलाकार के तौर पर मैं तैयार हो रही हूं। म्यूजिक सीरीज बंदिश बैंडिट्स में नए कलाकार ऋत्विक भौमिक ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार राधे राठौड़ की भूमिका निभाई है और श्रेया चौधरी इसमें पॉप गायिका तमन्ना शर्मा की भूमिका निभा रही हैं। इसमें संगीत एक अनुशासन बनाम मुक्ति का साधन होने की बहस की पड़ताल करता है। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल, शीबा चड्ढा और अतुल कुलकर्णी जैसे कई अन्य नाम भी शामिल हैं।

उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली को यह विश्वास दिलाने का श्रेय दिया था कि वह एक कलाकार बन सकती हैं। इम्तियाज अली की लघु फिल्म द अदर वे में श्रेया ने कहा, इम्तियाज सर ने मुझे विश्वास दिलाया कि मैं एक कलाकार बन सकती हूं, और उनके साथ काम करने से मेरा यह सपना और मजबूत हुआ। अब मैं बड़ा सपना देख सकती हूं और इस पेशे को अपना सकती हूं।उन्होंने कहा, मैं इम्तियाज सर के साथ काम करने के अनुभव को हमेशा संजो कर रखूंगी, क्योंकि उनके साथ काम करते हुए मैंने जो कुछ सीखा है, वह वाकई खास है।'' मैं बस अपनी उंगलियां क्रॉस करके इंतजार कर रही हूं कि मैं अपनी जिंदगी में एक बार इम्तियाज अली की हीरोइन बनूं। श्रेया 2025 में अभिनेता बोमन ईरानी की बहुप्रतीक्षित निर्देशन वाली पहली फिल्म द मेहता बॉयज में अविनाश तिवारी के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म एक पिता-पुत्र की जोड़ी की कहानी है।

समानांतर सिनेमा से रूबरू कराने वाले श्याम बेनेगल के निधन पर बॉलीवुड उदास

दिग्गज निर्माता-निर्देशक श्याम बेनेगल के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। चिरंजीवी, अमिताभ बच्चन से लेकर रणदीप हुड्डा समेत अन्य सितारों ने बेनेगल के निधन पर शोक जताया।

सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर अभिनेता रणदीप हुड्डा ने लिखा, श्याम बेनेगल भले ही चले गए हों, लेकिन वो अपनी कभी न भूलने वाली फिल्मों के माध्यम से हमेशा जिंदा रहेंगे। उन्होंने अपने सिनेमा के माध्यम से मेरे और अन्य कई लोगों के जीवन को प्रेरित किया। दुख की बात है कि उनके साथ काम करने का मौका चूक गया। वह विनम्र, मृदुभाषी और विचारशील थे। उन्होंने अंत तक वही किया, जो उन्हें पसंद था। हमें फिर से प्रेरित करने के लिए धन्यवाद बेनेगल साहब।

अमिताभ बच्चन अक्सर ने बेनेगल को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, आज हमने फिल्म इंडस्ट्री के एक और दिग्गज को खो दिया। श्याम बेनेगल का निधन। प्रार्थना और संवेदना।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार चिरंजीवी ने एक्स पोस्ट में लिखा, हमारे देश के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और शानदार शख्सियतों में से एक श्याम बेनेगल के निधन पर गहरा दुख हुआ। उन्होंने भारत की फिल्म प्रतिभाओं की खोज की और उन्हें आगे बढ़ाया। उनकी

फिल्में और डॉक्यूमेंट्री भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं! बेनेगल साहब के उत्कृष्ट कार्यों को भारतीय सिनेमा में हमेशा बहुत सम्मान दिया जाएगा!

श्याम बेनेगल की फिल्मों के पोस्टर के संकलन वाली एक तस्वीर के साथ अनुपम खेर ने लिखा, महान फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। वह भारतीय सिनेमा में अभिनेताओं, लेखकों और अन्य कलाकारों के लिए मसीहा थे। उन्होंने कहानियों को दर्शकों के सामने अलग तरह से रखा। जब मैं उनके फिल्म 'मंडी' के निर्माण के दौरान उनसे एक भूमिका मांगने गया, तो उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा था, मेरे पास इस फिल्म में आपके लिए कुछ खास नहीं है और मुझे नहीं लगता कि आपको कोई छोटी भूमिका करनी चाहिए! आप इंतजार क्यों नहीं करते। हो सकता है कि कुछ खास आपके हाथ लग जाए और जब उनकी फिल्म 'सारांश' बनने वाली तो वह मेरे लिए बेहद खुश थे! अलविदा श्याम बाबू। आपकी प्रतिभा और उदारता के लिए धन्यवाद। आपको और आपकी आकर्षक मुस्कान को याद करूंगा।

फिल्म निर्माता-निर्देशक जोया अख्तर ने श्याम बेनेगल, स्मिता पाटिल और शबाना आजमी की एक तस्वीर साझा कर कैप्शन लिखा, मिस्टर बेनेगल 1976 में अपनी फिल्म निशांत के साथ कान्स में थे। उनके साथ दो प्रमुख महिलाएं स्मिता पाटिल और शबाना आजमी थीं, जिन्हें उन्होंने स्क्रीन पर पेश किया था। श्रद्धांजलि सर। समानांतर सिनेमा की नई धारा से हमें रूबरू कराने के लिए आपका आभार सर।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 25 दिसंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 10:31 तक
नक्षत्र : चित्रा दोपहर 03:22 तक
योग : अतिगंड रात्रि 09:45 तक
करण : वणिज प्रात: 09:15 तक
चन्द्र राशि : तुला
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रात: 09:13 से रात्रि 10:30 तक , क्रिसमस

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संविधान निर्माता बाबा साहब पर राजनीति शर्मनाक

सीएम भजनलाल ने कांग्रेस पर उठाए गंभीर सवाल

जयपुर,24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संसद और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर चल रही राजनीति के बीच कांग्रेस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता साहब को न केवल अनदेखा किया, बल्कि उनके योगदान का बार–बार अपमान भी किया है।

मुख्यमंत्री ने जयपुर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान निर्माता के नाम का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन उनके वास्तविक योगदान को कभी सम्मान नहीं दिया। बयान में यह भी जोड़ा कि कांग्रेस को शर्म करनी चाहिए और अपने इतिहास का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। बाबा साहब ने सामाजिक अधिकार और सशक्तिकरण के लिए जो कार्य किए, उन्हें कांग्रेस ने लगातार कमजोर किया।

आरोपों में यह भी शामिल है कि कांग्रेस ने बाबा साहब के नाम का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ लिए किया। इसके विपरीत, मौजूदा सरकार ने बाबा साहब की स्मृति को सम्मानित करने के लिए कई कदम उठाए, जैसे अंबेडकर सेंटर और अंबेडकर स्मृति स्थल का निर्माण। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका और भारतीय राजनीति में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को लेकर एक बार से सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष वह भूमिका नहीं निभा पा रहा है, जो आजादी के बाद से निभाई जानी चाहिए थी। बाबा साहब अंबेडकर, जो देश के पहले कानून मंत्री थे, ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए कार्य किए।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहब के योगदान को कभी पूरी तरह सम्मान नहीं दिया। 1954 में बाबा साहब ने चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस ने उनका विरोध किया। यहां तक कि उन्हें भारत रत्न देने में भी देरी की गई। कांग्रेस पर जाति और की राजनीति करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के भी आरोप लगाए गए। राहुल गांधी का नाम लेते हुए कहा गया कि कांग्रेस में सांसदों को अपमानित करने की घटनाएं आम हो गई हैं। इस दौरान यह भी कहा गया कि मौजूदा मोदी सरकार ने दिल्ली में अंबेडकर सेंटर अंबेडकर हाउस बनाकर बाबा साहब की स्मृति को सम्मानित करने का काम किया है। इसके अलावा, अंबेडकर स्मृति स्थल का भी निर्माण किया गया।

सीएम भजनलाल ने तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास आज कोई ठोस मुद्दा नहीं है। कांग्रेस ने देश के विकास और अंतिम में खड़े व्यक्ति के कल्याण पर कभी ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस हमेशा सत्ता के लालच में रही और जब जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर किया, तो उनका अंदर का बड़ा दर्द अब सामने आ रहा है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शिष्टाचार भेंट की है । वहीं सीएम भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की।

हरियाणा के राज्यपाल से गणपति सच्चिदानंद स्वामी ने की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़,24 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से राजभवन में परम पूज्य श्री श्री श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी ने शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल ने स्वामीजी के राजभवन में पधारने पर शाल व भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप की मूर्ति भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान स्वामीजी ने राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बंडारू वसंथा और परिवार अन्य सदस्यों को भी आर्शिवाद व प्रसाद प्रदान किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी आईएएस, राज्यपाल के एडीसी स्क्वाड्रन लीडर मोहन कृष्ण पी, आईटी सलाहकार बी.ए. भानूशंकर सहित राजभवन के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी स्वामीजी से आर्शीवाद व प्रसाद प्राप्त किया।

थाईलैंड की युवती को गोली मारने का मामला

हिस्ट्रीशीटर राहुल गुर्जर सीआई के पैर पकड़कर गिड़गिड़ाया

उदयपुर,24 दिसंबर (एजेंसियां)। करीब डेढ़ महीने पहले थाईलैंड की युवती को गोली मारने के मामले में गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर राहुल गुर्जर का एक हैरान करने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। चित्रकूटर नगर स्थित होटल रत्नम में हुई इस वारदात के दौरान आरोपी ने सुखेर सीआई हिमांशु सिंह के सामने टेककर माफी मांगी। यह फुटेज होटल से बाहर आते समय सीआई के पास पहुंचे आरोपी के अचानक उनके पैर पकड़ने और माफी मांगने का है। सीआई के पैर पकड़े हुए राहुल ने कहा, मुझसे गलती हो गई है, मुझे माफ कर दो, और करीब 17 सेकंड तक सीआई के थामे रहा। एएसआई सुनील विश्नोई ने उसे पकड़कर अलग किया, और फिलहाल राहुल गुर्जर को जेल भेज दिया गया है।

होटल सीसीटीवी में आया आरोपी पछताया चेहरा

घटना 9 अक्टूबर की रात की है, जब होटल रत्नम में एक शराब पार्टी के दौरान झगड़ा होने पर राहुल गुर्जर ने थाईलैंड की युवती को गोली मार दी युवती को गोली उसकी पीठ में लगी थी। गोली लगने के बाद चार आरोपी युवकों ने उसे निजी पेसेफिक हॉस्पिटल में स्ट्रेचर पर छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रतापनगर के अक्षय खूबचंदानी, भुवाणा के ध्रुव सुहालका, भूपालपुरा के महिम चौधरी और सिरोही हिस्ट्रीशीटर राहुल गुर्जर को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने युवती को होटल में बुलाया था, जहां शराब पार्टी हुई थी। झगड़े के दौरान राहुल गुर्जर ने युवती पर गोली चला दी। घायल युवती को अस्पताल पहुंचाने के बाद आरोपी फरार हो गए थे।

परीक्षा पे चर्चा 2025

जिला शिक्षा अधिकारियों को नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर,24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी परीक्षा पे चर्चा 2025 कार्यक्रम के लिए राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने मंगलवार को सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के 40% नामांकन और शिक्षकों के 100% पंजीकरण को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संस्था प्रधानों को एसएमसी/एसडीएससी सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर अभिभावकों को इस कार्यक्रम की जानकारी साझा करने और पंजीकरण के लिए प्रेरित को भी कहा।

चतुर्वेदी ने बताया कि यह राष्ट्रीय कार्यक्रम जनवरी 2025 में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करना है। इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों की भागीदारी अनिवार्य है, जबकि अभिभावकों को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। राज्य के पीएम और आवासीय विद्यालयों में 100% नामांकन सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के लिए प्रदेश के स्कूलों में संचालित स्मार्ट क्लास का सुचारू उपयोग किया जाए।

कार्यक्रम के लिए 14 दिसंबर से 14 जनवरी 2025 तक बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता (https://innovateindia1.mygov.in) के माध्यम से होगी, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक, और अभिभावक भाग ले सकते हैं। एकल, शिक्षक, और ग्रुप रजिस्ट्रेशन के विकल्प भी उपलब्ध हैं।

हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक आलोक मित्तल ने संभाला पद्भार

पंचकूला,24 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक आलोक मित्तल ने आज पंचकूला स्थित हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय में पद्भार संभाला। इस दौरान उन्होंने ब्यूरो के कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों व कर्मचारी से उनकी कार्यप्रणाली के बारे में प्राप्त की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मित्तल ने अपनी प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के गठन का उद्देश्य प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। इसके लिए हम सभी को एक अच्छी टीम के रूप में कार्य करना होगा इसके गठन के उद्देश्य को सफल किया जा सके। निरीक्षण के दौरान आलोक मित्तल ने स्टाफ के सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी से उनकी ड्यूटी के बारे में पूछा। श्री मित्तल ने कहा कि ब्यूरो में प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारियों को अपने कार्य को स्पष्टता होना अत्यंत आवश्यक है। अपने काम को लेकर जितनी स्पष्टता होगी कार्यप्रणाली उतनी ही बेहतर और प्रभावी होगी।

बंडारू दत्तात्रेय को महाकुंभ 2025 का निमंत्रण

चंडीगढ़,24 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से आज राजभवन में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी और राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले आस्था व सनातन के महापर्व– महाकुंभ 2025 का निमंत्रण राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को सौपा। राज्यपाल ने निमंत्रण को स्वीकार करते हुए महाकुंभ मेले में सम्मिलित की सहमति जताई। उत्तर प्रदेश के मंत्रियों ने राज्यपाल को प्रयागराज के संगम का गंगाजल भी भेंट किया। राज्यपाल ने भी उन्हें राजभवन में पधारने पर शाल व भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी आईएएस, राज्यपाल के एडीसी स्क्वाड्रन मोहन कृष्ण पी, राज्यपाल के ओएसडी बखविंदर सिंह, उत्तर प्रदेश के मंत्री के विशेष सचिव पीयूष वर्मा, दिव्यांशु शेखर व मनमोहन सिंह भी मौजूद रहे।

देश के संघीय ढांचे पर चोट पहुंचा रही है भाजपा सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,24 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के संघीय ढांचे को चोट पहुंचा रही है, जनगणना और जातीय जनगणना का कोई जिक्र तक नहीं किया जा रहा है। सरकार जनता से किया अपना एक भी वायदा पूरा नहीं कर रही है, एमएसपी कानून दर्जा तक नहीं दिया गया है जबकि किसान इस मांग को लेकर आज भी आंदोलनरत है।

जीएसटी का सरलीकरण करने के बजाए उसे और जटिल बनाया जा रहा है। विपक्ष जब भी कोई आवाज उठाती है तो सरकार मुद्दों से ध्यान भटकाने में लग जाती है।

सांसद कुमारी ने सिरसा, फतेहाबाद, रतिया, टोहाना, नरवाना और खनौरी का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि देश के किसान और मजदूरों की समस्याओं की ओर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है और न ही इन दोनों को उनकी मेहनत का परिणाम मिल रहा है। की रौपाई के समय न तो किसानों को खाद मिल पा रहा था और न ही बीज, किसानों को प्राइवेट एजेंसियां दोनों हाथों से लूट रही थी और सरकार दावा कर रही थी कि खाद और बीज की कोई कमी नहीं है। सरकार भूल गई कि खाद लेने के किसानों की लंबी लंबी कतार लगी रहती थी और किसान खाद लेने के लिए रात में भी डेरा डाल लेते थे। सच तो ये है कि सरकार किसान तो किसान किसी की भी नहीं सुनती। एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने खनौरी बार्डर पर पहुंचकर किसानों से की, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाला से बातचीत की पर उन्हें बोलने में कठिनाई हो रही थी। उन्होंने कहा कि खनौरी धरनास्थल पर सरकार कुछ भी नहीं कर रही है, वहां पर किसानों के लिए अस्पताल जैसी कोई सुविधा नहीं है। धरने पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत खराब होती जा रही है ऐसे में वहां पर चिकित्सा के उचित प्रबंध होने चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हर समस्या का हल तो सरकार को ही करना होगा।

मेट्रो विस्तारीकरण पर कुल 5452.72 करोड़ खर्च किए जाएंगें : सैनी

चंडीगढ़,24 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि गुरूग्रामवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गुरूग्राम के मिलेनियम सिटी सेंटर से रेलवे स्टेशन, सैक्टर–22 व साइबर सिटी के बीच मैट्रो विस्तारीकरण किया जाएगा। इस परियोजना कुल 5452.72 करोड रूपए खर्च किए जाएंगें। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम में मेट्रो विस्तारीकरण का निर्माण कार्य आगामी 1 मई, 2025 से शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह जानकारी आज यहां गुरुग्राम में उनकी अध्यक्षता में गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर से रेलवे सेक्टर–22 व साइबर सिटी के बीच मेट्रो विस्तारीकरण के लिए आयोजित एक बैठक में दी। इस मौके पर उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह व पूर्व विधायक बिमला चौधरी भी उपस्थित रहीं।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मेट्रो का कार्य 4 साल में पूरा होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो के कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाया जाए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को मेट्रो निर्माण दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो और यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे, उस संबंध में भी बेहतरीन योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई बड़ा निर्माण इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जाता है, तो वह लंबे समय तक चले और लोगों को लाभ मिले, ऐसी योजना अधिकारियों बनानी चाहिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस परियोजना पर केन्द्र सरकार द्वारा 896.19 करोड़ रुपए तथा हरियाणा सरकार की ओर से 4556.53 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगें। इस परियोजना अंतर्गत मीडियम मेट्रो को स्थापित किया जाएगा तथा यह स्टैण्डर्ड गेज पर संचालित होगी। इसके अलावा, यह मैट्रो सीबीटीसी अर्थात कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल सिग्नल पर आधारित होगी तथा अधिकतम स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। शुरुआत में इस मेट्रो कनेक्टिविटी में 3 कोच लगाए जाएंगे तथा उसके बाद 6 कोच तक बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री को बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि मेट्रो विस्तारीकरण के निर्माण के दौरान पांच अंडरपास और फ्लाईओवर भी बनाए जाने हैं।

बैठक में बताया गया कि मिलेनियम सिटी से साइबर गुरूग्राम के बीच चलने वाली मैट्रो रेल की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को हरियाणा सरकार तथा केन्द्र सरकार से मंजूरी प्रदान की जा चुकी है तथा इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 16 फरवरी, 2024 को रेवाड़ी में रखी गई थी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीविका दीदियों से सीएम नीतीश कुमार बोले-

सभी लोग मां के पेट से ही जन्म लेते हैं

मोतिहारी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर मंगलवार को मोतिहारी के केसरिया प्रखंड के सुंदरापुर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सुंदरापुर के उत्क्रमित उच्च विद्यालय के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया। साथ ही आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास का निरीक्षण किया। सीएम नीतीश कुमार ने अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया और 200 करोड़ रुपये की लागत से 105 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया और जीविका दीदियों से उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, हम लोग हर वर्ग का विकास चाहते हैं। महिलाएं जीविका के माध्यम से आगे बढ़ रही हैं और हम इस दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के विकास के लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, सभी लोग मां के गर्भ से ही जन्म लेते हैं। मां है, तभी तो हम सब हैं। पहले के लोग महिलाओं के विकास के बारे में नहीं सोचते थे, लेकिन हमने शुरू से ही महिलाओं के लिए काम किया है और करते रहेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों प्रगति यात्रा पर हैं। यात्रा के दूसरे दिन वे मोतिहारी के केसरिया पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत हेलीकॉप्टर से सुगौली के लिए उड़ान भरी। सुगौली में मुख्यमंत्री ने पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के पहले जीविका भवन का निरीक्षण किया और पोखर के जीर्णोद्धार सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण व शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर था। मोतिहारी के जिलाधिकारी के अवकाश पर होने के कारण प्रगति यात्रा की जिम्मेदारी पूर्व डीएम शीर्षत कपिल अशोक को सौंपी गई थी। वहीं, मोतिहारी के एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्वयं पुलिस व्यवस्था की निगरानी की। इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, कृष्णनंदन पासवान, जिले के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, विधायक शालिनी मिश्रा, जदयू जिला अध्यक्ष मंजू देवी सहित अन्य जदयू नेता भी उपस्थित थे।

सीएम नीतीश की बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय को नहीं मिली प्रवेश की अनुमति

नाराज होकर वापस लौटीं

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी के राधाकृष्णन भवन में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान एक अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आई। जब जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय को बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। इस पर नाराज होकर ममता राय बैठक से बाहर चली गईं। जबकि कार्यक्रम में दिए गए समय दो बजे से पहले एक बजे पहुंची थीं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक चल रही थी, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा हो रही थी। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। लेकिन ममता राय को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। ममता राय बैठक में हिस्सा लेने के लिए राधाकृष्णन भवन पहुंची थीं। लेकिन उन्हें सुरक्षा कारणों या प्रशासनिक प्रक्रिया का हवाला देकर अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

यह देखकर ममता राय अत्यधिक आहत हुईं और उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कारण पूछा। हालांकि, उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला, जिसके बाद वह बिना बैठक में शामिल हुए ही वापस लौट गईं। वहीं, उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले साल किए गए शिलान्यास धरातल पर फेल नजर आ रही है। मुख्यमंत्री नीतीश को इस पर भी ध्यान देना चाहिए। इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए।

ममता राय ने इस घटनाक्रम पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, जिला परिषद अध्यक्ष के तौर पर मेरा यह कर्तव्य है कि मैं जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लूं और जिले से जुड़ी समस्याओं को उठाऊं। लेकिन मुझे बिना किसी स्पष्ट कारण के अंदर नहीं जाने दिया गया। यह मेरे सम्मान का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का व्यवहार जनप्रतिनिधियों के साथ असम्मानजनक है और प्रशासनिक प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है।

ममता राय के इस कदम से राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। कुछ नेताओं का मानना है कि यह घटना राजनीतिक असहमति का परिणाम हो सकती है। जबकि अन्य ने इसे प्रशासनिक लापरवाही और गलतफहमी के तौर पर देखा।

स्थानीय प्रशासन ने इस मामले पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे, लेकिन ममता राय के लौटने के बाद कोई बयान नहीं दिया गया।

गिरिराज सिंह का विपक्ष पर जुबानी हमला

बांग्लादेशियों को चिन्हित करने पर फडणवीस का किया समर्थन

बेगूसराय (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के निर्णय का समर्थन करते हुए कहा है कि आज देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में बांग्लादेशियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। वह स्वागत योग्य है और हर जगह सरकार को ऐसी पहल करने की आवश्यकता है।

गिरिराज सिंह ने कहा, तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली सेकुलरवादी नेताओं के द्वारा वोट की राजनीति के लिए बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों को बसाया गया था।

उन्होंने लालू यादव पर भी सेक्युलरवादी नेता होने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का नाम लेकर लोगों को बरगलाने और गंदी राजनीति करने वाले लोगों को आज आम जनमानस पहचान रही है कि आखिर कैसे इन लोगों के द्वारा आंबेडकर का नाम लेकर राजनीति की जा रही थी। आज सारी बातें स्पष्ट हो चुकी है।

गिरिराज ने कहा, अमित शाह ने भी यही कहा था जिसको लेकर विपक्ष ने उन्हें आड़े हाथों लिया था। लेकिन आम जनमानस हर बात समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहब आंबेडकर नेहरू के साजिश के शिकार हुए थे तथा उनके चिट्ठी को चुराया गया था। उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का काम कांग्रेस और नेहरू के द्वारा किया गया था। आज उन्हें आंबेडकर के स्टैच्यू के आगे जाकर पूरे देश से कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए।

बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने पर अड़े प्रदर्शनकारी अस्पताल में घुसे, हंगामा

पटना (एजेंसियां)। 13 दिसम्बर को हुई बीपीएससी की परीक्षा को रद्द करने की माँग को लेकर पटना में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। इनलोगों की मांग है कि पूरी परीक्षा रद्द किये जाएं। इस बीच अभ्यर्थियों में शामिल कुछ लड़कों ने गर्दनीबाग़ स्थित सदर अस्पताल में घुसकर कई स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मारपीट कर उनको घायल कर दिया। इस घटना के बाद अब पुलिस कई लोगों को नामजद करते हुए उन पर प्राथमिकी दर्ज कर रही है।

इस संबंध में पटना प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है। प्रेस विज्ञप्ति में लिखा है कि गर्दनीबाग में कुछ लोगों द्वारा बीपीएससी की 13 दिसम्बर को हुई परीक्षा को रद्द करने की माँग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। नेतृत्व करने वालों में से अधिकांश लोग गैर-परीक्षार्थी हैं। इन लोगों द्वारा आधारहीन अफवाह फैलाकर परीक्षार्थियों को उकसाने की कोशिश की जा रही है। इनके द्वारा मनमाने ढंग से आरोप-प्रत्यारोप कर लोगों को भड़काकर विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न की जा रही है। इनमें कुछ कोचिंग संचालक भी शामिल हैं, जिनमें रमांशु क्लासेज के रमांशु कुमार, सुनामी जीएसगुरू सुजीत, ज्ञान बिन्दु जीएस क्लासेज के रौशन आनंद, तथाकथित छात्र नेता दिलिप कुमार, परफेक्सन जीएस के चंदन प्रिय एवं कौटिल्या जीएस के प्रवीण कुमार और प्रदीप कुमार इत्यादि शामिल हैं। जो भी गंभीर परीक्षार्थी हैं वे इन प्रदर्शनों में शामिल नहीं हैं तथा वे 70वीं बीपीएससी मुख्य परीक्षा की तैयारी में लगे हुए हैं। कुछ सोशल मीडिया हैण्डल्स द्वारा भी आधारहीन तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर अफ़वाह फैलायी जा रही है।

प्रेस विज्ञप्ति में आगे लिखा है कि सोमवार की शाम लगभग 5.15 बजे कुछ उपद्रवी तत्वों ने गर्दनीबाग अस्पताल में घुसकर चिकित्सकों और स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार तथा तोड़-फोड़ की है। तीन प्रदर्शनकारियों- पूर्वी चम्पारण निवासी राहुल कुमार (32), वैशाली जिला के राघोपुर निवासी आशुतोष आनंद (35) और सुनामी गुरू उर्फ़ सुजीत कुमार (40) पटना पीएमसीएच में भर्ती हुए हैं।

चिकित्सकों के अनुसार इनकी स्थिति सामान्य है। पटना प्रशासन ने आधारहीन अफ़वाह फैलाने, लोगों को उकसाकर विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रशासन का कहना है कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीपीएससी अध्यक्ष ने 13 दिसंबर की परीक्षा रद्द करने से किया इनकार, 34 अभ्यर्थियों को भेजा कारण बताओ नोटिस

पटना (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने मंगलवार को इस महीने की शुरुआत में आयोजित 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2024 को रद्द करने से इनकार कर दिया, जो प्रश्नपत्र लीक के आरोपों से घिर गई थी।

हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि बीपीएससी उन उम्मीदवारों की पुन: परीक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है, जिन्हें 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर परीक्षा केंद्र में नियुक्त किया गया था और उन्होंने खुलासा किया कि पुन: परीक्षा 4 जनवरी, 2025 को आयोजित की जाएगी।

बीपीएससी ने हाल ही में पटना के कुम्हरार इलाके में बापू परीक्षा परिसर में आयोजित अपनी सीसीई की प्रारंभिक परीक्षा रद्द कर दी थी, जहां 13 दिसंबर को अनियंत्रित उम्मीदवारों द्वारा किए गए हंगामे के बाद ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी।

बीपीएससी के अध्यक्ष ने मंगलवार को कहा, 13 दिसंबर को आयोजित संपूर्ण बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने का कोई सवाल ही नहीं है। बीपीएससी ने अनियंत्रित अभ्यर्थियों के एक समूह द्वारा पैदा किए गए व्यवधान के कारण केवल बापू परीक्षा परिसर केंद्र में आयोजित अपनी प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का फैसला किया। परीक्षा को बाधित करने की साजिश का हिस्सा, पुनर्परीक्षा 4 जनवरी को शहर के किसी अन्य केंद्र पर आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 4 जनवरी को होने वाली दोबारा परीक्षा में करीब 12,000 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

बीपीएससी ने 34 अभ्यर्थियों को कारण बताओ नोटिस भी दिया है, जो कथित तौर पर 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर केंद्र में पैदा हुए व्यवधान का हिस्सा थे।

बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा, सभी 34 छात्रों को 26 दिसंबर तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है। आयोग उनके जवाबों की जांच करेगा और फिर उचित निर्णय लेगा। जो लोग अपना जवाब देने में विफल रहेंगे, उनके मामले में आयोग अपने पास उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेगा।

अभ्यर्थियों का एक समूह राज्य भर में 13 दिसंबर को आयोजित बीपीएससी की पूरी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहा है. वे पिछले चार पांच दिनों से गर्दनीबाग में धरने पर बैठे हैं. प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि पूरे बोर्ड में परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया जाना चाहिए क्योंकि सिर्फ एक केंद्र के लिए दोबारा परीक्षा कराना समान अवसर के सिद्धांत के खिलाफ होगा।

इस बीच, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने सोमवार को विरोध स्थल का दौरा किया और आंदोलन को अपना समर्थन देने की घोषणा की।

पटना जिला प्रशासन ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि गर्दनीबाग में 13 दिसंबर की परीक्षा रद्द करने की मांग करने वाले अधिकांश प्रदर्शनकारी गैर-परीक्षार्थी थे। सोमवार शाम को, उनमें से कुछ ने कथित तौर पर गर्दनीबाग अस्पताल में प्रवेश किया, चिकित्सा कर्मचारियों को परेशान किया और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। विरोध प्रदर्शन में शामिल तीन लोग - पूर्वी चंपारण के राहुल कुमार (32), वैशाली के आशुतोष आनंद (35) और सुजीत उर्फ सुनामी गुरु (40) - का वर्तमान में पीएमसीएच में इलाज चल रहा है। आंदोलन के समर्थन में सामने आए पटना स्थित ट्यूटर और यूट्यूबर खान सर ने भी मंगलवार को पीएमसीएच में भर्ती अभ्यर्थियों से मुलाकात की।

पटना डीएम ने सोमवार को कहा था, विरोध का नेतृत्व गैर-उम्मीदवारों (गैर परीक्षार्थी) द्वारा किया जा रहा है, जो राजनीतिक कारणों से वास्तविक उम्मीदवारों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। डीएम ने कहा, कुछ कोचिंग संस्थान भी इस विरोध प्रदर्शन के पीछे प्रतीत होते हैं, जिसमें आधारहीन और उत्तेजक बयान दिए गए हैं, जिसका उद्देश्य कानून और व्यवस्था की समस्याएं पैदा करना है। सख्त कार्रवाई के लिए सभी की पहचान की जा रही है। डीएम ने आगे कहा, मुट्ठी भर प्रदर्शनकारी सोमवार को गर्दनी बाग अस्पताल गए, यह दावा करते हुए कि वे भूख हड़ताल पर थे और बीमार हो गए थे, लेकिन उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट की। तीन अन्य को पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। वहां के डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि सभी वे स्थिर हैं।

पढ़ाई के लिए मां ने डांटा, बेटे ने खा ली चूहे मारने की दवा, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में पढ़ाई को लेकर मां की डांट से नाराज एक छात्र ने चूहे मारने की दवा खा ली। दवा खाने के बाद छात्र बेहोश हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार मामला नगर थाना क्षेत्र के जवाहरलाल रोड का है। 19 वर्षीय छात्र ऋषभ कुमार को पढ़ाई नहीं करने पर उसकी मां ने डांट लगा दी थी। इससे नाराज होकर बेटे ने चूहे मारने की दवा खा ली, जिससे कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने गंभीर हालत में देर रात उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के अनुसार, ऋषभ की मां ने परीक्षा नजदीक होने के कारण उसे खेलने से मना किया और पढ़ाई को लेकर डांट-फटकार लगाई। इसके बाद मां-बेटे के बीच कहासुनी हुई, जिससे नाराज होकर ऋषभ ने यह कदम उठाया।

सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. ऋषि राजहंस ने बताया कि छात्र ने चूहे मारने की दवा खाई थी। ऋषभ की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। उसका बीपी काफी बढ़ा हुआ है और उसे उल्टी भी हो रही है। छात्र को बेहतर इलाज दिया जा रहा है, उम्मीद है कि वह जल्द ही स्वस्थ हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com